राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ

(मानित विश्वविद्यालय)

तिरुपति - 517 507 (आं.प्र.)

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा 2015 में
'ए' श्रेणी में 4 बिंदु के स्केल पर 3.71 की सी.जी.पी.ए. के साथ मान्यता प्राप्त और
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा पारंपरिक शास्त्र अध्ययन के लिए
उत्कृष्ठता केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त

वार्षिक प्रतिवेदन

2016-2017

(हिंदी अनुवाद)

वार्षिक प्रतिवेदन 2016-17 और
वार्षिक लेखा, चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रमाण पत्र और परीक्षित प्रतिवेदन - 2016-17

मुद्रण और प्रकाशन - कुलसचिव
राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, मानित विश्वविद्यालय, तिरुपति
दूरः 0877-2286799-फैक्स :0877-2287809,
ई-मैल- registrar_rsvp@yahoo.co.in ;
वेब साईट : www.rsvidyapeetha.ac.in

प्राक्कथन

मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि शैक्षणिक वर्ष 2016-17 के समाप्त होने से पूर्व राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के वार्षिक प्रतिवेदन, पाठ्य सहगामी कार्यक्रम और प्रतिवेदन समर्पण किया जा रहा है। शैक्षणिक कार्यक्रमों, शोध गतिविधियाँ और पाठ्येतर घटनाएँ सूचनाएँ ऐसे कई कार्यक्रम 2016-17 में किए गए काम और बहु - विमीय बुद्धिगत प्रयोग शैक्षणिक और प्राशासनिक दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्टता और अनुसंधान मूलभूत कार्यक्रम हैं। छात्रों की भर्ती इस शैक्षणिक वर्ष में भी पूर्व जैसा लगभग स्थिर है। प्रतिवेदनानुसार विद्यापीठ शैक्षिक अखंडता, मौलिक अनुसंधान कार्यक्रम और आधारिक संरचना के कारण वर्ष के दौरान छात्र संख्या में वृद्धि हुई । धीरे धीरे विद्यापीठ संस्कृत अध्ययन और अनुसंधानों से अंतर्राष्ट्रीय लक्ष्य के लिए उन्मख हो रही है । विश्वविद्यालय के इस शैक्षणिक वर्ष के अंतर्गत वार्षिक कार्य योजना अत्यंत सतर्क और साथ-ही-साथ भर्ती नियमित आयोजन और नवाचारी के साथ-साथ अंशकालिक पाठ्यक्रम, शोध कार्यक्रम, सेतु पाठ्यक्रम विचार-विनिमय विकास कार्यक्रम, खेल और कूद, परीक्षाओं का आयोजन, परिणामों का प्रकट करना और अखिल भारत संस्कृत छात्र प्रतिभा उत्सव आदि सभी कार्यक्रमों का आयोजन समस्त प्राध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्रों और अन्य के सहयोग से अत्यंत शांतिपूर्वक रूप से होता आया है। विद्यापीठ के छात्रों ने देश के अलग-अलग राज्यों द्वारा आयोजित प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेकर कई पुरस्कार को जीत कर संस्था का नाम रोशन किया है। प्राध्यापकों ने भी देश - विदेशों मेंह्न आयोजित कई संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों में भाग लेकर अपना आलेख प्रस्तुत किए हैं । भारतीय संस्कृति का परिचय होगा। उत्कृष्टता केंद्र के अंतर्गत निम्न सभी योजनाओं का अनुपालन किया गया है -1. शास्त्रवारिधि (चुने गए प्रमुख पारंपरिक शास्त्रों के पाठ्य को इस पाठ्यक्रम में अध्ययन किया जाता है।) 2. प्रकाशन 3. आडियो और विडियो प्रलेखीकरण 4. आडियो - विडियो रेकार्डिंग केंद्र की गतिविधियाँ,5. लिपि विकास प्रदर्शिनी 6. प्राचीन पांडुलिपि अध्ययन के विद्युतीकरण साधन 7. संस्कृत स्व - अध्याय कीट्स 8. प्रलेखीकरण अर्टिफ्याक्ट्स 9. गणकीकृत पांडुलिपियाँ 10. योग. दबाव प्रबंधन और हेलिंग केंद्र11. संगोष्ठियों कार्यशालाएँ 12. कंप्यूटर विज्ञान सेतु पाठ्यक्रम और संस्कृत भाषा तकनीकी और अन्य योजना का आयोजन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 11 वी योजना में प्राप्त हुआ है क्योंकि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उदारतापूर्वक सहयोग को आगे बढाया है । ई.पी.जी पाठशाला परियोजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विद्यापीठ को व्याकरण शास्त्र में ई पाठशाला का कार्य ले लिया है जो दिए गए समय के पहले संपन्न होगा ।

साहित्य विभाग और शिक्षा एवं दर्शन विभागों के लिए प्राप्त विशेष सहायता कार्यक्रम (साप) को सफलतापूर्वक निभाया जा रहा है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने आठ प्रमुख शोध परियोजना और दो निम्न शोध परियोजना तथा कई परिचयात्मक प्राच्य व्यक्तित्व सुधार और नवाचीरी पाठ्यक्रम आदि को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अनुपालन कर इस शोध दिशा में ज्यादा-से-ज्यादा बढावा देने में मदत किया है। इसलिए इस शैक्षणिक वर्ष में यह प्रतिवेदन और भी संतोषजनक नजर आता है। एक और हर्षदायक बात तो यह है कि गत वर्ष में कई छात्रों ने नेट और जे.आर्. एफ. पास होकर अन्यों के लिए इस दिशा में निर्देश किया है। विद्यापीठ से गए

छात्रों ने देश - विदेश में बडे - बडे ओहदों पर जाकर इस संस्था का नाम रोशन किया है। मन को शांत रखने के लिए शारीरिक तंदूरुस्ती, खुशदिमाग और चेतनयुक्त शरीर के लिए निरंतर व्यायाम की जरूरत पडती है, हमारे छात्र शारीरिक शिक्षा के साथ-ही-साथ योग कार्यक्रमों में भाग लेकर सेहत से तंदुरुस्त हो रहे हैं। संपूर्ण वातावरण सुंदर है, परिसर में जेनरेटर है । हर प्रकार से सभी का सहयोग रहने से प्रशासन अपना लक्ष्य पारंपारिक संस्कृत अध्यापन और समयानुसार संस्कृतिक मूल्यों को देश भर में प्रसारित करने में कामयाब हो सकता है।

यह संस्था आधारभूत संरचना में समयावधि में अनुभवात्मक दृश्यमान प्रगति एवं विकास किया और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने योजनेतर अनुदान के साथ-ही-साथ योजना अनुदान के अंतर्गत वित्तीय सहायता मंजूर किया है। वार्षिक लेखा और लेखा प्रतिवेदन सी.ए.जी, भारत सरकार द्वारा पारित हुआ है तथा वार्षिक आय तथा व्यय के स्टेटमेंट को विद्यापीठ ने समर्पित भी किया हैं ।

पुनः एक बार, मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूँ जो विद्यापीठ की उन्नति हेतु निरंतर अपना योगदान देते आ रहे हैं और उपलब्धि के लिए प्रयास कर रहे हैं।

(प्रो. वि. मुरलीधर शर्मा)
कुलपति

अनुक्रमणिका

वार्षिक प्रितवेदन 2016-17

विषय	पृष्ठ संख्या
प्राक्कथन	165-166
शैक्षिक सत्र 2016-17 की मुख्य विशेषताएँ	168
प्रतिवेदन एक नजर 2016-17	169-174
प्रबंधन बोर्ड के सदस्य	175
विद्वत् परिषद के सदस्य (शैक्षिक सदस्य)	176
वित्त समिति के सदस्य (वित्त सदस्य)	177
विद्यापीठ के अधिकारी	178
विद्यापीठ के विविध संकाय अधिष्ठाता	178
विद्यापीठ के विभाग	179
प्राध्यापक वर्ग सूची	180-182
प्रस्तावना	183
I. शैक्षिक - कार्यक्रम	184
अ.शैक्षिक	184-190
आ.अनुसंधान	190-192
इ. प्रकाशन	192-193
ई. प्रशिक्षण	193-194
उ. संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला	194-195
II. पाठ्यसहगामी गतिविधियाँ	196-198
III. पाठ्येतर गतिविधियाँ	199-228
IV. विशेष कार्यक्रम	229-242
V. परियोजनाएँ	243-248
VI. आधारिक संरचना	249-252
VII. प्रशासन	253

❖❖❖

शैक्षिक सत्र 2016-17 की मुख्य विशेषताएँ

- वर्ष के दौरान प्रतिवेदन के तहत 2037 नई पुस्तकों को पुस्तकालय ने हासिल किया और 1337 पांडुलिपियाँ डिजिटलकृत किया गया ।
- दिनांक 30 जनवरी से 2 फरवरी 2017 को ग्यारह वीं अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा महोत्सव-2017 को आयोजित किया गया था । इसमें 22 विश्वविद्यालय तथा कालेजों ने भाग लिया था ।
- दिनांक 23 फरवरी, 2017 को विद्यापीठ का 20 दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया ।
- विद्यापीठ ने सामुदायिक विकास कार्यक्रमों कों अपने एन एस एस के पाँच इकाइयों द्वारा मार्च 17 से 23 तक, तथा 15 से 21 मार्च, 2017 तारीख तक पाँच शिबिरों के माध्यम से आयोजित किया था ।
- आचार्य के नए छात्रों के लिए सेतु पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया ।
- अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछडे और अल्पसंख्यक संबंधित छात्रों के लिए कैरियर कौउन्सलिंग सेल, नेट, प्रशिक्षण केंद्र और उपचारात्मक प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से हर एक शैक्षिक वर्ष में शिक्षण दिया जा रहा है ।
- दिनांक 14.04.2016 भारत रत्न डॉ.बी.आर.अम्बेडकरजी को श्रद्धाञ्चलि समर्पित किया गया था ।
- अनुसंधान परियोजनाएँ और एक सामान्य अनुसंधान परियोजना मंजूर की गई और परियोजनाएँ प्रगति पर है ।
- दिनांक 16 से 22 अगस्त से सितंबर 2016 तक संस्कृत सप्ताह समारोह आयोजित किया गया ।
- 02.10.2016 को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस मनाया गया ।
- स्वच्छ भारत कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित किया था ।
- वार्षिक लेखा प्रतिवेदन हर साल पी.डी.ए., हैदराबाद द्वारा आयोजित किया गया था ।

प्रतिवेदन पर एक नजर - 2016-17

1.	संस्था का नाम एवं पता	:	राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ मानित विश्वविद्यालय तिरुपति - 517 507 (आं.प्र.)
2.	स्थापना वर्ष	:	1961
3.	मानित विश्वविद्यालय स्तर का मान्यता वर्ष	:	1987
4.	कुलाधिपति का नाम	:	**डॉ.नी.गोपालस्वामी**
5.	कुलपति का नाम	:	**प्रो.वि.मुरलीधर शर्म (15.01.2017 से)**
	कुलपति का नाम	:	**प्रो.एम.एल.नरसिंह मूर्ति (01.07.2017-14.01.2017)**
	कुलपति का नाम	:	**प्रो.एस.सत्यनारायण मूर्ति (16.04.2016-30.06.2016)**
	कुलपति का नाम	:	**प्रो. हरेकृष्ण शतपथी (18.4.2016 तक)**
6.	कुलसचिव का नाम	:	**प्रो. सी. उमाशंकर**
7.	विद्यापीठ के प्राधीकारी	:	
	7.1 प्रबंधक मंडल के सदस्य	:	सूची संलग्न है
	7.2 विद्वत् परिषद के सदस्य	:	सूची संलग्न है
	7.3 वित्त समिति के सदस्य	:	सूची संलग्न है
8.	संस्थान का परिसर	:	41.48 एकड
9.	कुल छात्रों की संख्या	:	**1781**
10.	कुल अध्यापक कर्मचारियों की संख्या	:	81
11.	कुल अध्यापकेतर कर्मचारियों की संख्या	:	82
12.	आधारिक संरचना	:	

12.1 **छात्रावास :** विद्यापीठ के परिसर में सात (सप्ताचल) छात्रावासों का निर्माण किया गया है । (1) शेषाचल (2) वेदाचल (3) गरुडाचल (4) पद्माचल (5) विद्याचल (6) नीलाचल और (7) सिंहाचल (8) वकुलाचल को विद्यापीठ में अध्ययन करनेवाले छात्र एवं छात्राओं के निवास एवं भोजन हेतु आवश्यकतानुसार बनाए गए हैं । एक और छात्रवास सिंहाचल नाम से निर्माण किया गया है । वह संपूर्ण रूप से शोध छात्रों संबंधी है।

12.2 **शैक्षिक भवन :** शैक्षिक भवन का निर्माण सभी प्राध्यापक एवं छात्रों के अध्ययन हेतु कक्षाएँ बनाई गई हैं। बनाया हुआ परिसर 5365.78 वर्ग मीटर है । प्रस्तुत शैक्षिक भवन के पास ही दूसरा शैक्षिक भवन का निर्माण किया ।

12.3 **प्रशासनिक भवन :** इस भवन में कई कार्यालय हैं - कुलपति, कुलसचिव, वित्ताधिकारी, परीक्षा नियंत्रक, स्थापना कार्यालय और प्रशासनिक इकाइयाँ, वित्त और लेखा-परीक्षा इकाइ आदि । इस भवन का परिसर 1479.00 वर्ग मीटर है ।

12.4 **इंडोर स्टेडिएम :** इस इंडोर स्टेडिएम का निर्माण छात्र एवं कर्मचारियों के खेल-कूद हेतु अवश्यकतानुसार निर्माण किया गया है । इसमें बहुविध व्यायाम शाला के 16 कार्य केंद्र है । बनाया हुआ परिसर 850.00 वर्ग मीटर है ।

12.5 **खेल मैदान :** इस खेल मैदान को विश्वविद्यालय में सभी खेल - कूद हेतु बनाया गया है । इसका परिसर 5.00 एकड है । विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने रु. 65.00 लाख खेल मैदान की आधारिक संरचना हेतु मंजूर किया है ।

12.6 **शिक्षा भवन :** इसको प्राध्यापक एवं छात्रों के अध्ययन हेतु कक्षाएँ अवश्यकतानुसार निर्माण किया गया है । इस शिक्षा विभाग में मनः शास्त्र प्रयोग शाला और बहु-विध भाषा प्रयोगालय है। इसको 2005.50 वर्ग मीटर परिसर में निर्माण किया गया है ।

12.7 **अगाऊ कंप्यूटर केंद्र :** इस में छात्रों के अवश्यकतानुसार करीब 100 कंप्यूटर ई-प्रशिक्षण हेतु बनाए गए हैं । फिलहाल वि.अ.ए. के वित्तीय सहायता से उच्छ - स्थानीय कंप्यूटर केंद्र बनाया गया है।

12.8 **संस्कृत - नेट केंद्र :** इसमें उत्कृष्ठता केंद्र कार्यक्रम के निदेशक को कार्यालय, रामायण और महाभारत परियोजनाएँ चलाई जाती हैं । इस के अलावा, इस में आडियो - विडियो रिकार्डिंग हेतु ई-स्टूडियो विश्वविद्यालय के शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए बनाई गई है ।

12.9 **संक्रमण निवास /अतिथि गृह :** अतिथि गृह में बारह कमरे हैं उसमें एक विशेष अतिथि के लिए उपयुक्त एवं एक शयनशाला है । इसके निर्माण का परिसर 433.00 वर्ग मीटर है । अतिथि गृह/संक्रमण निवास में मौजूदा मंजिल पर और एक मंजिल पुननिर्मित किया गया। इस वर्ष में अतिथिगृह में एक लिफ्ट को भी व्यवस्थित किया गया ।

12.10 **ग्रंथालय :** ग्रंथालय भवन में महत्वपूर्ण किताबों का संग्रह है । पत्रिकाएँ एवं पांडुलिपियाँ इसमें 98.568 किताबें और 3,897 पांडुलिपियाँ संग्रहित हैं । इसके ग्राहकों में 150 भारतीय पत्रिकाएँ एवं 10 विलायती पत्रिकाएँ हर साल आते हैं । वि.अ.ए. के सहायता से इस ग्रंथालय को इन्फ्लीबनेट कार्यक्रम के अधीन पूरे स्वचालित बनाया गया है । इसके निर्माण का परिसर 150.21.18 वर्ग मीटर है ।

12.11 **कर्मचारी मकान :** विद्यापीठ ने दो टाइप - V मकान, एक टाइप - IV मकान, एक टाइप - III मकान, एक टाइप - II मकान और दो टाइप - I मकान 22 विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को निवास हेतु बनाया गया है ।

12.12 **महिला सुविधाएँ केंद्र :** महिला छात्र एवं कर्मचारियों के सहायता के उन्नयन केलिए आयोजित केंद्र है ।

12.13 **आंध्र बैंक भवन :** बैंक कर्मचारियों तथा छात्रों की और जनता की रकम की लेन देन की आवश्यताओं की पूर्ति कर रही है ।

ए.टी.एम. सुविधा : आंध्र बैंक, विद्यापीठ के शाखा ए.टी.एम. की विस्तार सेवा परिसर में महिला छात्रायाँ/ कर्मचारियों की सेवार्थ संचलित है ।

12.14 **डाक - घर :** विभागीय डाक घर विद्यापीठ के छात्र, कर्मचारी और जनता का भी सेवा कर रही है।

12.15 **योग मंदिर भवन :** योग और ध्यान कक्षाएँ छात्रों की, कर्मचारियों तथा जनता की भी जरूरतों की पूर्ति के लिए है ।

13. **शैक्षिक कार्यक्रम :**

13.1 **औपचारिक कार्यक्रम :** प्राक - शास्त्री ; शास्त्री (बी.ए.) ; बी.ए. ; बी.एससी. आचार्य (एम.ए.), एम्.ए.(हिंदी) ; कंप्यूटर विज्ञान एवं भाषा तकनीकी में एम.एससी.

13.2 **अनुसंधान कार्यक्रम :** एम.फिल (विशिष्टाचार्य), पी.एच.डी.(विद्यावारिधी), डी.लिट (विद्यावाचस्पति)

13.3 **डिप्लोमा और प्रमाण - पत्र पाठ्यक्रम :** डिप्लोमा में मंदिर संस्कृति ; पौरोहित्य ; वेब तकनीकी ; योग विज्ञान ; प्राकृतिक भाषा प्रक्रमण ; संस्कृत एवं कानून ; प्रबंधन प्रमाण - पत्र पाठ्यक्रम : मंदिर संस्कृति ; पौरोहित्य ; प्रयोजन मूलक अंग्रेजी और ज्योतिष ।

13.4 **दूरस्थ शिक्षा :** प्राक - शास्त्री ; शास्त्री (बी.ए.) ; आचार्य (एम.ए.) ; संस्कृत में प्रमाण - पत्र; संस्कृत में डिप्लोमा और स्नातकोत्तर योग विज्ञान ।

13.5 **नवाचारी पाठ्यक्रम :** वि.अ.ए. के मदद से विद्यापीठ में निम्न पाठ्यक्रमों का नवाचारी कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है : शाब्दबोध में एम.ए. ; एम्.ए.आई.टि(प्राचीनी भारत प्रबन्धन तकनिकों में मास्टर (दो वर्ष))।

13.6 **सेतु पाठ्यक्रम :** स्नातकोत्तर में प्रवेश लेनेवालों को विद्यापीठ में छात्रों के ज्ञान विकास हेतु सेतु पाठ्यक्रम का आयोजन किया जाता है ।

14. **परियोजनाएँ-**

14.1 **पारंपरिक शास्त्र के लिए उत्कृष्टता केंद्र :** वि.अ.ए. ने विद्यापीठ में पारंपरिक शास्त्र के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में मान्यता दी है और XI वी योजना के अंतर्गत 3.00 करोड रुपये की मंजूरी भी की है । सी.ओ.ई. के अंतर्गत निम्न कार्यक्रमों को चलाया जा रहा है -

1. शास्त्र वारिधि (प्रमुख पारंपरिक शास्त्र के विषय पर अध्ययन)
2. प्रकाशन
3. संस्कृत स्वंय अध्यय कीट्स
4. लिपि विकास प्रदर्शिनी
5. संस्कृत - नेट गतिविधि का विस्तार
6. सामान्य भाषा मास्टर का प्रक्रमण
7. शास्त्रीक - डिस्कोर्सेस का आडियो-विडियो प्रलेखिकरण
8. आडियो-विडियो रिकार्डिंग केंद्र

9. पांडुलिपियों का डिजिटिलैजेशन
10. प्राचीन लिपियों के अध्ययन उपकरण
11. रीचुल्स में अर्टफ्याक्ट्स उपयोग प्रलेखीकरण
12. योग, दबाव प्रबंध एवं नीरोग केंद्र

दिनांक 8-9 जुलाई, 2015 को मध्य सत्र समिती विद्यापीठ का दौरा करके यहाँ के उपलब्धियाँ और तर्कि की परीक्षण कर संतुष्ठ हुए ।

14.2 **उत्कलपीठ –** उडीसा सरकार द्वारा प्रयोजित उत्कलपीठ अध्ययन केंद्र बीज अनुदान 50 लाख रुपये के साथें राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ में श्रीचैतन्य महाप्रभु और श्री जयदेव जी को भगवान जगन्नाथ के योगदान में हमारे देश की सांस्कृतिक विरासत में प्रकाशित करने के लिए औपचारिक रूप से दिनांक 14 अक्टूबर 2000 में पूर्व मुख्यन्यायाधीश, भारत और केंद्रीय संस्कृत मंडल के अध्यक्ष श्री रंगनाथ मिश्रा जी द्वारा उद्घाटन किया गया ।

14.3 **सॉप (विशेष सहायता कार्यक्रम) :** विश्वविद्यालय अनुदान आयोग - साप के मदद से तीन विभागों को अनुदान प्राप्त हुआ है - साहित्य विभाग और शिक्षा विभाग में चलाए जा रहे हैं ।

1. **साहित्य विभाग :** 1.4.2013 से 31.3.2014 तक के वि.अ.ए. के वित्तीय सहायता के अधीन विशेष सहायता कार्यक्रम डी.आर.एस.I स्तर को साहित्य विभाग में पाँच साल के लिए अनुदान दिया गया है । इसके लिए रुपये 31.00 लाख तथा दो अनुसन्धान अध्येयताओं की मंजूरी दी है । इस कार्यक्रम का विषय है -**''भारत में संस्कृत काव्यशास्त्र''।** प्रो. सी. ललिताराणी समन्वयक और डॉ. के. राजगोपालन सह समन्वयक हैं ।
2. **शिक्षा विभाग :** सन 2015-2020 से वि.अ.ए. के अधिन विशेष सहायता कार्यक्रम डी.आर.एस. I स्तर को शिक्षा विभाग को पाँच साल के लिए दिया गया है । इसके लिए रुपये 97.50 लाख की वित्तीय सहायता की मंजूरी दी है । इस कार्यक्रम का विषय है - **''भाषा विकास एवं सामग्री उत्पादन''** । प्रो. वि.मुरलीधरशर्मा समन्वयक और प्रो.प्रह्लाद आर.जोशी सह समन्वयक हैं ।
3. **दर्शन विभाग :** सन् 2011-12 से वि.अ.ए. के अधीन विशेष सहायता कार्यक्रम डी.आर.एस.I स्तर दर्शना विभाग को पाँच साल के लिए दिया गया है। इसके लिए रुपये 14.72 लाख की वित्तीय सहायता तथा दो अनुसंधान अध्येयताओं की मंजूरी दी है। इस कार्यक्रम का विषय है - नव्य न्याया (गंगेशोपाध्याय द्वारा तत्त्वचिंतामणि की टीकाएँ एवं उपटीकाएँ की महत्वपूर्ण सर्वेक्षण)

14.4 **योगी नारेयणी परियोजना :** राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति ने योगी नारेयणी दर्शन परियोजना दार्शनिक कार्यों को संस्कृत, हिंदी और तेलुगु भाषाओं में अनुवाद गोकुल एजुकेशनल फाउंडेशन, कैवारं, कर्नाटक के समझौता के साथ परियोजना को शुरू किया है। प्रो. टी.वी.

राघवाचार्युलु समन्वयक है । कार्य प्रगति के लिए परियोजना अध्येता की नियुक्ति के लिए आवश्यक कदम लिया गया ।

14.5 **ई-पी.जी. पाठशाला :** स्नातकोत्तर विषयों संस्कृत (व्याकरण में आचार्य) (ई-पी.जी. पाठशाला) के लिए ई सामग्री विकास के उत्पादन के बारे में एल.आर.एफ.1-9/2013 पत्र संख्या के अनुसार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मंजूर किया गया था । रु. 11.2 लाख की 16 कागजातों प्रयोजन के लिए आवंटित किया गया था । प्रो. एस. सत्यनारायण मूर्ति, प्रोफेसर, व्याकरण विभाग को प्रधान अन्वेषक के रूप में नियुक्त किया गया था ।

15. **पाठ्येतर गतिविधियाँ / पाठ्यसहगामी गतिविधियाँ :**

15.1 **ग्यारह वीं अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा उत्सव :** राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ ने कुलपति प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा तथा कुलसचिव प्रो.सी. उमाशंकर, के देख रेख में दिनांक 30 जनवरी, 2017 से 2 फरवरी, 2017 तक ग्यारहवीं अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा महोत्सव का आयोजन किया था । भारत भर से 22 टीम समारोह में भाग लेने के लिए आए थे। इस अवसर पर आचार्य विश्वनाथ गोपालकृष्ण शास्त्री, सेवा निवृत्त प्रांशुपाल, गौतमी विद्यापीठ, राजमंद्री उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि थे और आचार्य के.ई. देवनाथन, कुलपति, श्री वेंकटेश्वर वेद विश्वविद्यालय, तिरुपति सम्मानन अतिथि थे । समापन समारोह के मुख्य अतिथि डा.नी.गोपालस्वामी, ऐ.ए.एस, कुलाधिपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति थे । इस बार रोलिंग शील्ड राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के छात्रों ने जीता ।

15.2 **वार्षिक खेल - कूद :** अलग-अलग विधाओं के इंडोर खेलों का आयोजन विद्यापीठ के कई छात्र एवं कर्मचारियों के लिए किया गया था ।

15.3 **राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियाँ :** विद्यापीठ रा.से.यो.कार्यक्रमों के आयोजन करने का मूल उद्देश्य छात्रों में स्वतन्त्र कार्यकुशलता संबंध में शक्ति भरना है।

रा से यो के सदस्य तिरुपति के उपशहरी प्रांतों में घूमकर रक्तदान, रक्त संचारण, हृदरोग, एच.आई वी के बारे में महत्वपूर्ण विचारों से अवगत करवाया। और स्वच्छभारत कार्यक्रम में भाग लिया ।

15.4 **संगोष्ठियाँ / सम्मेलन / कार्यशालाएँ :**

अ. राष्ट्रीय संगोष्ठी : अद्वैत वेदांत विभाग के द्वारा 1.1.2017 से 3.1.2017 तक को तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।

आ. एक-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला : धर्मशास्त्र विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था ।

इ. तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी : शोध छात्रों के लिए तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन अनुसंधान एवं प्रकाशन विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के द्वारा किया गया ।

15.6 **उत्सवों का आयोजन /त्योहार :**

(i) **संस्कृत सप्ताह का आयोजन :** दिनांक 16 अगस्त से 22 अगस्त, 2016 तक विद्यापीठ में संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया था।

(ii) **ओणम :** केरलावालों के नये वर्ष के उपलक्ष्य में पोंप और गैएटी का आचरण 14 सितंबर, 2016 विद्यापीठ में किया गया था ।

(iii) **पोंगल :** दिनांक 14 जनवरी, 2017 को उत्तरायण पवित्र काल और मकर संक्रांति धार्मिक त्योहार मनाया गया था।

लेखा - 2016-17

1.	योजनेतर अनुदान बजट प्राप्त	:	1958.42 लाख रुपये
	योजनेतर अनुदान बजट का व्यय	:	2158.95 लाख रुपये
2.	XII योजना अनुदान प्राप्त	:	-
	(अ) एस.सि.एस.टि.ओबीसी कोचिंग स्कीम	:	36 लाख रुपये बारह वीं योजना
	(आ) स्पोर्ट इनफ्रास्ट्रक्षर	:	52 लाख रुपये
	व्यय	:	57 लाख रुपये
3.	आय के स्रोत	:	वि.अ.ए., ति.ति.दे./ एम एच और डी. और अन्य से निधियाँ प्राप्त
4.	मां.सं.वि.मं. अनुदान (आर. एस.के.एस	:	1.10 लाख

लेखा परीक्षा की स्थिति

वर्ष 2016-17 का सांविधानिक लेखापरीक्षा को प्रधान निदेशक लोखापरीक्षा (सेंट्रल), हैदराबाद आं.प्र. दिनांक 25.7.2017 से 14.8.2017 किया गया और प्रतिवेदन प्राप्त हुआ ।

* * *

प्रबंधक बोर्ड के सदस्य

कुलपति/अध्यक्ष

प्रो. वि. मुरलीधर शर्मा

(15.1.2017 से)

प्रो. एम.एल. नरसिंह मूर्ती (1.7.2016 से 14.1.2017 तक)

प्रो. एस. सत्यनारायण मूर्ती (19.4.2016 से 30.6.2016 तक)

प्रो. एच. के. शतपथी (18.4.2016 तक)

1. संयुक्त सचिव, (सी.यु. & एल.)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

2. प्रो. वि.कुटुम्बशास्त्री
पूर्व कुलपति
आर.एस.संस्थान, नई दिल्ली,
सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, वीरवल,
नई दिल्ली ।

3. प्रो. के.वि.रामकृष्णमाचार्युलु
पूर्व कुलपति, जे.आर.आर.संस्कृत
विश्वविद्यालय, जयपुर

4. श्री एन. मुक्तेश्वर राव
(2.2.2017 से)

प्रो. आर. देवनाथन
(7.1.2017 को स्वर्गवास हुआ था)
पूर्व कुलपति, जे.आर आर संस्कृत
विश्वविद्यालय, जम्मू कैंप,
आर.एस.संस्थान

5. प्रो. लक्ष्मीनिवास पांडे
प्राचार्य, आर.एस.संस्थान
गर्ली परिसर, आर.एस.संस्थान

6. प्रो. के.ई.देवनाथन्
कुलपति, एस.वि.वेद विश्वविद्यालय,
तिरुपति.

7. श्री चम्मू कृष्ण शास्त्री
(20.12.2016 तक)
वरिष्ठ सलाहकार, भाषाएँ
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

8. प्रो. वि.पुरन्धर रेड्डी
(02.02.2017 से)
दर्शन संकाय प्रमुख
राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

प्रो. राधाकांत ठाकुर
(19.11.2016 तक)
शैक्षिक संकाय प्रमुख
राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

9. प्रो. सी.एच.पी.सत्यनारायण
(02.02.2017 से)
साहित्य संकाय प्रमुख
आचार्य, अनुसंधान एवं प्रकाशन विभाग
राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

प्रो. रजनीकांत शुक्ल
शिक्षा विभाग
संकाय प्रमुख
राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

10. प्रो. जे.रामकृष्ण
वेदवेदाङ्ग विभाग के संकाय प्रमुख
आचार्य, व्याकरण विभाग
राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

11. डा. सि.राघवन्
सह आचार्य, विशिष्टाद्वैतवेदान्त विभाग, राष्ट्रीय
संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

प्रो. सी. उमाशंकर
कुलसचिव / सचिव
राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

विद्वत परिषद के सदस्य

प्रो. वि.मुरलीधर शर्मा - कुलपति/अध्यक्ष

1. प्रो. जे.रामकृष्ण, संकाय प्रमुख, वेद वेदांग, आर.एस.वि.,तिरुपति
2. प्रो. वि.पुरंधर रेड्डी, दर्शन संकाय प्रमुख, आर.एस.वि.,तिरुपति.
3. प्रो.सि.हेच्.पि.सत्यनारायण, संकाय प्रमुख, साहित्य और संस्कृति, आर.एस.वि.,तिरुपति
4. प्रो.प्रह्लाद आर.जोशी, संकाय प्रमुख, शिक्षा विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति.
5. प्रो. आर.एल.नरसिंहशास्त्री, शैक्षिक संकाय प्रमुख, आर.एस.वि.,तिरुपति.
6. प्रो.ओ.एस.रामलाल शर्मा, विभागाध्यक्ष, न्याय विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
7. प्रो. टि.वि.राघवाचार्युलु, विभागाध्यक्ष, आगम विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
8. प्रो. एम.एस.आर सुब्रह्मण्य शर्मा, विभागाध्यक्ष, अद्वैत विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
9. प्रो. विरूपाक्ष. वि. जड्डीपाल, विभागाध्यक्ष, अनुसंधान तथा प्रकाशन विभाग , आर.एस.वि.,तिरुपति
10. प्रो. सि.ललिता राणी, विभागाध्यक्ष, साहित्य विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
11. प्रो. एन.लता, विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
12. प्रो. नरसिंहचार्य पुरोहित, विभागाध्यक्ष, द्वैतवेदांत विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
13. प्रो.वि.सजाता, विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, आर.एस.वि.,तिरुपति
14. प्रो.उन्निकृष्णन् नम्पियातिरि, विभागाध्यक्ष, ज्योतिष विभाग,आर.एस.वि.,तिरुपति
15. प्रो. सि.राघवन्, विभागाध्यक्ष, विशिष्टाद्वैत वेदांत विभाग,आर.एस.वि.,तिरुपति
16. डॉ. जि.श्रीधर, विभागाध्यक्ष, कम्पयूटर विभाग,आर.एस.वि.,तिरुपति
17. प्रो.एम.एल.नरसिंहमूर्ति, विभागाध्यक्ष, अद्वैत वेदांत विभाग,आर.एस.वि.,तिरुपति
18. प्रो.एस.सुदर्शन शर्मा, साहित्य विभाग
19. प्रो.राधाकांत ठाकुर, ज्योतिष विभाग
20. प्रो.जि.एस.आर.कृष्ण मूर्ति, साहित्य विभाग
21. प्रो.आर.जे.रमाश्री, कम्प्यूटर विभाग
22. प्रो.ए.श्रीपाद भट्ट, ज्योतिष विभाग
23. प्रो.रजनीकांत शुक्ला, शिक्षा विभाग
24. प्रो.वि.एस.विष्णुभट्टाचार्युलु, आगम विभाग
25. प्रो.पि.टि.जि.वै.सम्पत्कुमारायार्युलु, न्याय विभाग
26. प्रो.सत्यनारायण आचार्य, साहित्य विभाग
27. प्रो.पि.वेंकट राव, शिक्षा विभाग
28. प्रो.आर.दीप्ता, अंग्रेजी विभाग
29. प्रो.राणी सदाशिव मूर्ति, साहित्य विभाग
30. प्रो. के.सूर्यनारायण, अनुसंधान तथा प्रकाशन विभाग
31. डॉ. के.राजगोपालन, सह आचार्य,साहित्य विभाग
32. डॉ. एस.आर.शरण्य कुमार, सह आचार्य, हिस्टरी विभाग
33. डॉ.वि.रमेश बाबू, सहायक आचार्य, गणित विभाग
34. डॉ.एस.मुरलीधर राव, सहायक आचार्य, शिक्षा विभाग
35. प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, संकाय प्रमुख, शास्त्र विभाग, कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बेंगलूरु.
36. प्रो.वै.एस.रमेश, विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जयपुर कैंपस
37. डां चांद किरण सलुजा, संस्कृत प्रमोषण फैन्डेशन, डेरीवाला, दिल्ली - 110 006.
38. कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
39. कुलपति, श्री लाल बहादूर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
40. विद्वान जनार्दन हेगडे, संस्कृत भारती, 'अक्षरम्', गिरिनगर, बेंगलूरु
41. डा. के. गणपति भट्ट, परीक्षा नियंत्रक प्रभारी, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

प्रो. सी. उमा शंकर - कुलसचिव / सचिव

वित्त समिति के सदस्य

प्रो. वि.मुरलीधर शर्मा कुलपती	अध्यक्ष
संयुक्त सचिव केन्द्रीय और मानितविश्वविद्यालयाएँ मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य
संयुक्त सचिव, आई.एफ.डी. मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
प्रो. के.वि.रामकृष्णमाचार्युलु ४-४५, सत्यसाई मंदिर सामने साई नगर, केशवायन गुण्टा, तिरुपति	सदस्य
श्री जि.फणिकुमार, ऐ.ए.एस् (रिटैर्ड) जि-५, शांग्रिला अपार्टमेंट्स् बिहैंड लुम्बिनि माल/ब्रांड फैक्टरी हैदराबाद - ५०० ०३४ (तेलांगाना)	सदस्य
वित्ताधिकारी	सचिव

विद्यापीठ के अधिकारी

1. **प्रो.वि.मुरलीधर शर्मा**	कुलपति
2. **प्रो. सी. उमा शंकर**	कुलसचिव
3. **डॉ के.गणपति भट्ट**	परीक्षा नियंत्रक प्रभारी
4. **श्री.वी.जी.शिवशंकर रेड्डी**	उप कुलसचिव और वित्ताधिकारी प्रभारी
5. **डा.एस. दक्षिणामूर्ति शर्मा**	जन-संपर्क अधिकारी
6. **श्री.सी.वेंकटेश्वर्लु**	सहायक कुलसचिव (वित्त एवं लेखा)
7. **श्री.टी.गोविंदराजन**	सहायक कुलसचिव (शैक्षिक)
8. **श्रीमती एम. उषा**	सहायक कुलसचिव (प्रशासन)
9. **श्री.सी.ईश्वरय्या**	सहायक परीक्षा नियंत्रक/वि.का.

विद्यापीठ के विविध संकाय अधिष्ठाता

शैक्षणिक कार्य	:	**प्रो. आर.एल.एन.शास्त्री**
साहित्य और संस्कृति संकाय	:	**प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा (२६.०७.२०१६ तक)**
		प्रो. सि.हेच.पि.सत्यनारायण(२७.०७.२०१६ से)
वेद वेदांग संकाय	:	**प्रो. जे. रामकृष्ण**
दर्शन संकाय	:	**प्रो. वी.पुरन्दर रेड्डी**
शिक्षा संकाय	:	**प्रो. प्रह्लाद आर.जोशी**

विद्यापीठ के विभाग

❖ **शिक्षा शास्त्र संकाय:**

1. शिक्षा विभाग
2. शारीरिक शिक्षा विभाग

❖ **साहित्य एवं संस्कृति संकाय**

1. साहित्य विभाग
2. पुराणेतिहास विभाग
3. अंग्रेजी विभाग
4. तेलुगु विभाग
5. हिंदी विभाग

❖ **अनुसंधान एवं प्रकाशन विभाग**

❖ **दर्शन संकाय**

1. न्याय विभाग
2. अद्वैत वेदांत विभाग
3. विशिष्टाद्वैत वेदांत विभाग
4. द्वैत वेदांत विभाग
5. आगम विभाग
6. मीमांसा विभाग
7. सांख्य योग और योगविज्ञान विभाग
8. शाब्दबोध सिस्टम्स और कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स

❖ **वेद वेदांग संकाय**

1. व्याकरण विभाग
2. ज्योतिष विभाग
3. धर्मशास्त्र विभाग
4. वेद भाष्य विभाग
5. कंप्यूटर विज्ञान विभाग
6. इतिहास विभाग
7. गणित विभाग

प्राध्यापक वर्ग सूची

शिक्षा शास्त्र संकाय

❖ शिक्षा विभाग

1. प्रो. वी.मुरलीधर शर्मा, आचार्य (15.01.2017 से राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के कुलपति के रूप में नियुक्त हुए ।)
2. प्रो. रजनीकांत शुक्ला, आचार्य
3. प्रो. प्रह्लाद आर. जोशी, आचार्य और संकाय प्रमुख
4. प्रो. एन्. लता, आचार्य
5. डा. पी. वेंकट राव, सह आचार्या
6. श्री पी. नागमुनि रेड्डी, सहायक आचार्य (चयन वर्ग)
7. डा. के. कादम्बिनी, सहायक आचार्य
8. डा. राधागोविंद त्रिपाठी, सहायक आचार्य
9. डा. एस. दक्षिणा मूर्ति शर्मा, सहायक आचार्य
10. डा. एस. मुरलीधर राव, सहायक आचार्य
11. डा. आर. चंद्रशेखर, सहायक आचार्य
12. डा. ए. सच्चिदानन्द मूर्ति, सहायक आचार्य
13. डा. ए. सुनीता, सहायक आचार्या

साहित्य एवं संस्कृति संकाय

❖ साहित्य विभाग

1. प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा, आचार्य
2. प्रो. जी. एस. आर.कृष्णमूर्ति, आचार्य
3. प्रो. सी. ललिता राणी, आचार्या
4. प्रो. सत्यनारायण आचार्य, आचार्य
5. प्रो. आर. सदाशिव मूर्ति, आचार्य
6. डा. सी. रंगनाथन, सह आचार्य
7. डा. के. राजगोपालन, सह आचार्य
8. डा. प्रदीपकुमार बाग, सहायक आचार्य
9. डा. भारत भूषण रथ, सहायक आचार्य
10. डा. जे.बी. चक्रवर्ति, सहायक आचार्य
11. के.लीनाचंद्र, सहायक आचार्या
12. डा. श्वेतपद्म शतपथी, सहायक आचार्या
13. डा. ज्ञान रंजन पण्डा, सहायक आचार्य

❖ पुराणेतिहास विभाग

1. डा. पारमिता पण्डा, सहायक आचार्या

❖ **अंग्रेजी विभाग**

1. प्रो. वी. सुजाता, आचार्या
2. प्रो. आर. दीप्ता, आचार्या

❖ **तेलुगु विभाग**

1.डा. नल्लन्ना, सहायक आचार्य
2. डा. विजयलक्ष्मी, सहायक आचार्या

❖ **हिंदी विभाग**

डा. टी.लता मंगेश, सहायक आचार्या

❖ **अनुसन्धान एवं प्रकाशन विभाग**

1. प्रो. सी.एच.पी. सत्यनारायण, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, निदेशक, दूरस्त शिक्षण एवं संकाय प्रमुख
2. प्रो. विरूपाक्ष वी. जड्डीपाल, आचार्य
3. डा. के. सूर्यनारायण, सह आचार्य
4. डा. सोमनाथ दास, सहायक आचार्य
5. डा. सी.नागराजु, सहायक आचार्य

दर्शन संकाय

❖ **न्याय विभाग**

1. प्रो. ओ.श्री रामलाल शर्मा,आचार्य
2. प्रो.पी.टी.जी. वाई. संपत्कुमाराचार्युलु,आचार्य

❖ **अद्वैत वेदांत विभाग**

1. प्रो. एम.एल. नरसिंह मूर्ति,आचार्य और विभागाध्यक्ष
2. प्रो.वी. पुरंदर रेड्डी, आचार्य और संकाय प्रमुख
3. प्रो.एम.एस.आर.सुब्रह्मण्य शर्मा,आचार्य
4. डा.के. गणपति भट्ट, सह आचार्य
5. डा. के. विश्वनाथ, सहायक आचार्य

❖ **विशिष्टाद्वैत वेदांत विभाग**

1. प्रो. के. ई. देवनाथन्, आचार्य
   (20.2.2014 का लीन लिया - एस.वी. वेदिक विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में नियुक्त हुए ।)
2. डा. सी. राघवन्, सह आचार्य

❖ **द्वैत वेदांत विभाग**

1. प्रो. नरसिंहाचार्य पुरोहित,आचार्य
2. डा. नारायण,सहायक आचार्य

❖ **आगम विभाग**

1. प्रो.टी.वी. राघवाचार्युलु, आचार्य
2. प्रो. वी. एस. विष्णुभट्टाचार्युलु, आचार्य
3. डा. पि.टि.जि.रंग रामानुजाचार्युलु, सहायक आचार्य

❖ **मीमांसा विभाग**

डा. टी. एस.आर. नारायणन, सहायक आचार्य

❖ **सांख्य योग और योग विज्ञान विभाग**

डा. डी. ज्योति, सहायक आचार्या

वेद वेदांग संकाय

❖ **व्याकरण विभाग**

1. प्रो. एस. सत्यनारायण मूर्ति, आचार्य
2. प्रो. आर.एल. नरसिंह शास्त्री, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
3. प्रो. जे. रामकृष्ण,आचार्य एवं संकाय प्रमुख
4. डॉ. एन.आर.रंगनाथन ताताचार्य, सहायक आचार्य
5. श्री यशस्वी, सहायक आचार्य
6. श्री सन्तोष माजी, सहायक आचार्य

❖ **ज्योतिष विभाग**

1. प्रो. राधाकान्त ठाकुर, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
2. प्रो. ए. श्रीपाद भट्ट, आचार्य
3. प्रो. वी. उन्निकृष्णन् नम्पियातिरी, आचार्य
4. डा. कृष्णेश्वर झा,सहायक आचार्य

❖ **धर्मशास्त्र विभाग**

1. डा. शितांशु भूषण पण्डा, सहायक आचार्य
2. डा. सुधांशु शेखर मोहापात्र, सहायक आचार्य

❖ **वेद भाष्यम विभाग**

डा. निरंजन मिश्र, सहायक आचार्य

❖ **कंप्यूटर विज्ञान विभाग**

1. प्रो. आर.जे. रमाश्री, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष
2. डा. जी. श्रीधर, सह आचार्य

❖ **शाब्दबोध विभाग**

डा. ओ.जी.पी. कल्याण शास्त्री , सहायक आचार्य

❖ **इतिहास विभाग**

डा. एस. आर. शरण्य कुमार, सहायक आचार्य (द्वितीय चरण से तृतीय चरण कि पदोन्नति हुई)

❖ **गणित विभाग**

1. डा. वी. रमेश बाबु, सहायक आचार्य
2. डा. ए.चन्दुलाल, सहायक आचार्य

❖❖❖

प्रस्तावना

तिरुमल पर्वत के पादतल में स्थित यह राष्ट्रियसंस्कृत विद्यापीठ गत पाँच दशकों से संस्कृत के अध्ययन एवं अध्यापन की दृष्टि से छात्रों एवं विद्वानों का लक्ष्य हो गया है। यहाँ देश के विभिन्न भाग से विभिन्न धर्म जाति एवं भाषा के छात्र आते हैं जिससे यह विद्यापीठ एक छोटे भारत की तरह दिखता है। यहाँ अध्ययन एवं अनुसंधान केलिए उत्कृष्ट सुविधा एवं अत्यन्त अनुकूल वातावरण उपलब्ध है। नए पाठ्यक्रम, भव्यभवन, कम्पूटर आदि आधुनिक उपसाधनों ने संस्कृत अध्ययन - अध्यापन के क्षेत्र में इस विद्यापीठ को उन्नत बना दिया है। तिरुपति शहर के मध्यभाग में स्थित विद्यापीठ परिसर विशाल तरू के छाया से, सुंदर बगीचे एवं मनोहर वन से अत्यंत आकर्षणीय लगता है।

स्थापना - भरत सरकार द्वारा गठित केन्द्रीय संस्कृत आयोग की 1950 वर्ष में अनुशंसा पर पारंपरिक संस्कृत की आधुनिक अनुसंधान शैली के साथ प्रचार-प्रसार हेतु शिक्षामंत्रालय द्वारा तिरुपति में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति सोसाइटी नाम से एक स्वयत्त संस्था पंजीकरण करवाया। विद्यापीठ का शिलान्यास 4 जनवरी, 1962 में तत्कालीन उपराष्ट्रपति डा. एस. राधाकृष्णन् ने किया था। तिरुमल-तिरुपति-देवस्थान ट्रष्ट बोर्ड के तत्कालीन कार्यनिर्वहणाधिकारी डाँ.सी.अन्नाराव जी ने बयालीस एकड जमीन तथा भवन निर्माण हेतु 10 लाख रूपये दिये थे।

सुविख्यात विद्वान एवं राजनेता भारत के भूतपूर्वमुख्य न्यायाधीश पतंजली शास्त्री विद्यापीठ सोसाइटी के अध्यक्ष रह चुके। उसके बाद प्राच्यविद्या के प्रसिद्ध विद्वान पी. राघवन तथा लोकसभा के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री.एम. अनन्तशयनम अय्यंगार जी अध्यक्ष हुए। डाँ. बी. आर. शर्माजी ने 1962-1970 तक प्रथम निर्देशक के रूप में काम किया। श्री वेंकटराघवन, डॉ. मण्डन मिश् डॉ.आर.करुणाकरन, डॉ.एम.डी बाल सुब्रह्मण्यम एवं प्रो.एन.एस.रामानुज ताताचार्य ने क्रमशः प्राचार्य के रूप में अपने वैदुष्य एवं प्रशासनिक अनुभव से इस विद्यापीठ की सेवा की।

केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ को अप्रैल, 1971 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के संरक्षण में शिक्षामंत्रालय की स्वायत्त संस्था का रूप दिया गया। रजत जयंती महोत्सव के दौरान वर्ष 1987 में **श्री.पी.वी.नरसिंहाराव** जी भारत सरकार के तत्कालीन केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के यू.जीयसी अधिनियम 1956 के अनुभाग 3 (राजपत्र अध्यादेश नं.एफ.9/285 यू - 3. दिनाङ्क 16 -11-1987) के अनुसार विद्यापीठ को **मानित विश्वविद्यालय** घोषित किया। **मानित विश्वविद्यालय** का औपचारिक रूप से उद्घाटन दिनांक 26-8-1989 को तत्कालीन राष्ट्रपति **आर. वेंकटरामन्** के द्वारा किया गया। शैक्षणिक वर्ष1991 - 1992 से विद्यापीठ एक मानित विश्वविद्यालय के रूप में कार्य कर रहा है । तब से इस संस्था में महामहोपाध्याय श्री पट्टाभिराम शास्त्री और प्रो. रमारंजन मुखर्जी तथा डाँ.वी.आर.पंचमुखी जी जैसे प्रख्यात हस्तियों ने कुलाधिपतियों पद पर शुशोभित हुए । प्रो. एन.एस.रामानुजताताचार्य (1989-1994), प्रो. एस.बी.रघुनाथाचार्य (1994-1999) और प्रो.डी.प्रह्लादाचार्य (1994-2004) ने कुलपति के रूप में विश्वविद्यालय कि सेवा की। प्रो.के.ई.गोविंदन, विश्वविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य ने प्रभारी कुलपति के रूप में दो साल (अप्रैल 2006) तक कार्य किए । महामहिम डा. जे.बी.पट्नायक, असम के राज्यपाल, जून 16, 2008 से 20.4.2015 तक विद्यापीठ के कुलाधिपति थे। दिनांक 21 अक्टूबर 2015, भारत सरकार के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त तथा पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित **श्रीमान् नी.गोपालस्वामी जी** को विद्यापीठ के कुलाधिपति के रूप में नियुक्त किया गया ।

1. प्रो. हरेकृष्ण शतपथी 18-4-2016 से विद्यापीठ के कुलपति हैं और दूसरे बार के लिए भी उन्हें कुलपति का कार्य भार को सोंपा गया ।
2. प्रो. एस.सत्यनारायण मूर्ति, कुलपति प्रभारी (19.04.2016 से 30.06.2016 तक)
3. प्रो. एम.एल.नरसिंह मूर्ति, कुलपति प्रभारी (01.07.2016 से 14.01.2017 तक)
4. प्रो. वि.मुरलीधर शर्मा, 15.01.2017 से अबतक कुलपति कार्यभार को संभाला ।

शिक्षण, अनुसंधान, प्रकाशन और संवर्धन तथा संस्कृत के प्रचार प्रसार के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों के लिए प्रतिवेदन के तहत विद्यापीठ को विशिष्ठ सम्मान प्राप्त हुए हैं ।

- **युजीसी द्वारा पारंपरिक शास्त्रों के विषय में उत्कृष्ठता के लिए मान्यता प्राप्त ।**
- **3.71, 4 बिंदु पैमाने पर राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा 2015 को "ए" ग्रेड मान्यता प्राप्त ।**
- **मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा नियुक्त 'टांडन कमिटी' ने विद्यापीठ को मानित विश्वविद्यालयों में सर्वश्रेष्ठ माना ।**

I. शैक्षणिक - कार्यक्रम

अ. शैक्षिक

संस्कृत पढनेवाले छात्रों के लिए विद्यापीठ औपचारिक अध्यापन, व्यावसायिक एवं अनौपचारिक रुप से कई पाठ्यक्रम प्रस्तुत करता है। 2016-2017 के लिए निम्न पाठ्यक्रमों को चलाया जा रहा हैं -

I. औपचारिक शिक्षा :

1. स्नातक पाठ्यक्रम

1. प्राक् - शास्त्री (इंटरमीडियट के समकक्ष)
2. शास्त्री (बी.ए. समकक्ष)
3. शास्त्री वेदभाष्य (बी.ए.समकक्ष)
4. बी.ए.
5. बी.एस.सी.

2. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

1. आचार्य (एम्.ए.के समकक्ष) 14 शास्त्रों में
2. आचार्य संस्कृत में (शाब्दबोध प्रणाली तथा भाषा तकनीकी)
3. एम. एससी. कम्प्यूटर विज्ञान और भाषा तकनीकी

वि.अ.ए के नवाचारी कार्यक्रम

4. एम.ए.हिंदी
5. तुलनात्मक सौन्दर्य शास्त्र (साहित्य) में पी.जी.डिप्लोमा
6. एम.ए.आई.एम.टी

3.शोध कार्यक्रम

1. एम्.फिल्.(पांडुलिपि शास्त्र और पुरालिपि शास्त्र को मिलाकर 11 शास्त्रों में)
2. एम्.फिल (शिक्षा शास्त्र)
3. विद्यावारिधि -(पीएच्.डी.समानांतर) सभी शास्त्रों/साहित्य/शिक्षा शास्त्र
4. विद्यावाचस्पति (डि.लिट्.समानांतर) सभी शास्त्रों और शिक्षा में

4.वृत्तिक पाठ्यक्रम-

1. शिक्षा शास्त्री (बी. एड्. समानांतर)
2. शिक्षा आचार्य (एम्, एड्. समानांतर)

II सायंकालीन एवं अंशकालिक कार्यक्रम

1. स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

1. योग विज्ञान
2. प्राकृति भाषा संसाधन
3. वेब तकनीकी

2. डिप्लोमा पाठ्यक्रम-

1. मंदिर संस्कृति
2. पौरोहित्य
3. संस्कृत एवं कानून डिप्लोमा
4. प्रबंधन और प्राच्य अभिविन्यास

3. प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

1. मंदिर संस्कृति
2. पौरोहित्य
3. प्रयोजनमूलक अंग्रेजी
4. ज्योतिष
5. ई-अधिगम

4. विद्यापीठ के निम्न वृत्ति आभिविन्यास कार्यक्रम

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वित्तीय सहायता से चलाए जानेवाले पाठ्यक्रम

1. भारतीय भाषाओं में डी.टी.पी.
2. वेब तकनीकी शास्त्र
3. पुराणेतिहास
4. वास्तु शास्त्र
5. संस्कृत और क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद तकनीक और रचनात्मक लेखन

प्रवेश प्रक्रिया - विद्यापीठ के शैक्षणिक-सत्र जून-जुलाई से शुरु होता है और अप्रैल-मई में परिक्षाएँ समाप्त हो जाती हैं अर्ध वार्षिकीय परीक्षा केवल नियमित शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रम मे होती हैं। शिक्षाशास्त्री एवं शिक्षा आचार्य में नही होती है। प्राकशास्त्री, शास्त्री, बि.ए. पाठयक्रम में प्रवेश के लिए पूर्वपरीक्षा के प्राप्तांक एवं व्यक्तिगत साक्षात्कार को आधार माना जाता है। आचार्य (एम्.ए.) पाठयक्रम, शिक्षाशास्त्री (बि.एड) शिक्षा आचार्य(एम.एड) और विद्यावारिधि में नामांकन हेतु विद्यालय स्तर पर तथा राष्ट्रीय स्तर पर विद्यापीठ द्वारा प्रवेश परीक्षा ली जाती है। नेट-स्लेट-एम.फिल-पी.एच.डी उपाधिवालो को विद्यावारिधि प्रवेश परीक्षा से छुट दी गई है। वे नियमित या अंश कालिक के आधार पर अनुसंधान कर सकते हैं। सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश की सूचनाएँ विद्यापीठ की वेबसाईट- http://www.rsvidyapeetha.ac.in पर उपलब्ध है ।

शैक्षणिक वर्ष 2015-16 के स्नातकोत्तर स्तर तक के कार्यक्रम जून में ही शुरु हुए। शिक्षा शास्त्री (बी.एड) और शिक्षा आचार्य (एम.एड) और विद्यावारिधी (पी.एच.डी) के अतिरिक्त सभी पाठ्य क्रमों के लिए योग्यता परीक्षा और मौखिक के आधार पर प्रवेश दिये गये है। शिक्षा-शास्त्री (बि.एड.) शिक्षा आचार्य (एम.एड) और विद्यावारिधि (पि.एच.डी) के प्रवेश राष्ट्रीय स्थरीय संयुक्त प्रवेश परीक्षा क्रमशः CPSST-CPSAT औरCVVT की नामावली में आयोजित की गई नेट, स्लेट, एम.फिल, पी.एच.डी,धारकों को CVVT से छूट दी गयी है । शोधार्थी अपने शोध कार्य को नियमित या रेगुलर और निजी या प्राईवेट के रूप में आगे बढा सकते है। सभी शास्त्रों के पाठ्यक्रम को केवल संस्कृत के माध्यम से ही पढाया जाता है। और परीक्षा संस्कृत में भी आयोजित की जाती है। आधुनिक विषयों के लिए शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी और अन्य भाषाओं के लिए संबंधित भाषा शिक्षा का माध्यम और परीक्षा का माध्यम है।

परीक्षाएँ - स्नातक और स्नातकोत्तर उपाधियों के लिए अर्ध वार्षिकीय के अनुरूप परीक्षाएँ ली जाती है । प्राकशास्त्री (इंटर मीडियट) के लिए वार्षिक पैटर्न का पालन किया जाता है। अन्य नाँन सेमिस्टर डिप्लोमा उपधियाँ पी.जी.डिप्लोमा परीक्षाएँ मार्च और अप्रैल में रखी गयी है ।

छात्रों की भर्ती - 2016-17

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	कुल			ओ.सी.			बी.सी.			एस.सी.			एस.टी.			अल्प.सं.			शा.वि.		
		पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु
1	प्राक्-शास्त्री प्रथम वर्ष	52	30	82	22	14	36	19	12	31	7	3	10	4	1	5	-	-	-	-	2	2
2	प्राक्-शास्त्री द्वितीय वर्ष	103	62	165	29	27	56	48	19	67	10	3	13	16	13	29	-	-	-	-	1	1
	कुल (1 - 2)	155	92	247	51	41	92	67	31	98	17	6	23	20	14	34	-	-	-	-	3	3
3	शास्त्री प्रथम वर्ष	90	64	154	26	18	44	46	34	80	13	6	19	5	6	11	-	-	-	-	-	-
4	शास्त्री द्वितीय वर्ष	103	62	165	36	30	66	46	13	59	11	4	15	10	15	25	-	-	-	-	-	-
5	शास्त्री तृतीय वर्ष	106	55	161	39	18	57	59	20	79	-	7	7	8	10	18	-	-	-	1	-	1
	कुल (3 - 5)	299	181	480	101	66	167	151	67	218	24	17	41	23	31	54	-	-	-	1	-	1
6	बी.एससी. प्रथम वर्ष	3	5	8	2	3	5	1	1	2	-	1	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	बी.एससी. द्वितीय वर्ष	5	8	13	3	7	10	2	-	2	-	1	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8	बी.एससी. तृतीय वर्ष	10	10	20	7	8	15	2	1	3	1	-	1	-	-	-	-	1	1	-	-	-
	कुल (6 - 8)	18	23	41	12	18	30	5	2	7	1	2	3	-	-	-	-	1	1	-	-	-
9	बी.ए. प्रथम वर्ष	16	10	26	5	2	7	5	4	9	2	1	3	4	3	7	-	-	-	-	-	-
10	बी.ए. द्वितीय वर्ष	19	10	29	5	2	7	8	6	14	1	2	3	5	-	5	-	-	-	-	-	-
11	बी.ए. तृतीय वर्ष (नया ब ाच 2014-15)	20	9	29	3	4	7	11	4	15	2	-	2	4	1	5	-	-	-	-	-	-
	(कुल 9-11)	55	29	84	13	8	21	24	14	38	5	3	8	13	4	17	-	-	-	-	-	-
12	शास्त्री वेदभाष्यम प्रथम वर्ष	7	-	7	7	-	7	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
13	शास्त्री वेदभाष्यम द्वितीय वर्ष	5	-	5	5	-	5	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
14	शास्त्री वेदभाष्यम तृतीय वर्ष	4	-	4	4	-	4	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (12 - 14)	16	-	16	16	-	16	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
15	शिक्षा शास्त्री (बि.एड़)	61	39	100	20	16	36	26	15	41	10	5	15	5	3	8	-	-	-	-	-	-
	स्नातक कुल (1-15)	604	364	968	213	149	362	273	129	402	57	33	90	61	52	113	-	1	1	1	3	4
	स्नातक कुल (3-15)	449	272	721	162	108	270	206	98	304	40	27	67	41	38	79	-	1	1	1	-	1

पु. - पुरुष, स्त्री - स्त्री, कु. - कुल

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	कुल			ओ.सी.			बी.सी.			एस.सी.			एस.टी.			अल्प.सं.			शा.वि.		
		पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु
16	आचार्य प्रथम वर्ष	96	85	181	44	40	84	37	41	78	11	2	13	4	2	6	-	-	-	-	-	-
17	आचार्य द्वितीय वर्ष	116	86	202	63	37	100	40	46	86	9	1	10	4	2	6	-	-	-	1	-	1
	कुल (16 - 17)	212	171	383	107	77	184	77	87	164	20	3	23	8	4	12	-	-	-	1	-	1
18	एम.ए. (सं.) शाब्दबोध 1 वर्ष	1	-	1	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
19	एम.ए. (सं.) शाब्दबोध 2 वर्ष	-	1	1	-	1	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (18 - 19)	1	1	2	1	1	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
20	एम.एससी. प्रथम वर्ष	8	3	11	4	2	6	2	1	3	2	-	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-
21	एम.एससी. द्वितीय वर्ष	4	1	5	1	-	1	3	1	4	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (20 -21)	12	4	16	5	2	7	5	2	7	2	-	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-
22	एम.ए.ऐ.एम.टि. प्रथम वर्ष (2012-13 से शुरू प्रशासन)	5	1	6	3	1	4	-	-	-	1	-	1	1	-	1	-	-	-	-	-	-
23	एम.ए.ऐ.एम.टि. द्वितीय वर्ष	12	7	19	9	5	14	1	1	2	2	1	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (22 - 23)	17	8	25	12	6	18	1	1	2	3	1	4	1	-	1	-	-	-	-	-	-
24	एम.ए. हिन्दी प्रथम वर्ष (2013-14 से प्रवेश प्रारंभ)	11	2	13	5	1	6	6	1	7	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
25	एम.ए. हिन्दी द्वितीय वर्ष	7	6	13	2	1	3	2	3	5	1	2	3	2	-	2	-	-	-	-	-	-
	कुल (24 - 25)	18	8	26	7	2	9	8	4	12	1	2	3	2	-	2	-	-	-	-	-	-
26	शिक्षा-आचार्य (एम.एड)	6	3	9	2	2	4	-	1	1	4	-	4	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	पी.जी. कुल (16 - 26)	266	195	461	134	90	224	91	95	186	30	6	36	11	4	15	-	-	-	1	-	1
27	एम.फिल.	36	41	77	12	20	32	17	19	36	6	2	8	1	-	1	-	-	-	3	-	3
	एम.फिल. शिक्षा	1	1	2	1	1	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (27)	37	42	79	13	21	34	17	19	36	6	2	8	1	-	1	-	-	-	3	-	3
28	विद्यावारिधि 2014-15	48	15	63	33	14	47	8	1	9	5	-	5	2	-	2	-	-	-	-	-	-
29	विद्यावारिधि 2015-16	44	12	56	26	7	33	12	4	16	4	1	5	2	-	2	-	-	-	-	-	-
30	विद्यावारिधि 2016-17*																					
	कुल (28-29)																					
	कुल (16-30)	385	262	647	198	131	329	125	118	243	46	9	55	16	4	20	-	-	-	4	-	4
	व्यावसायिक पाठ्यक्रम कुल (15-26)	67	42	109	22	18	40	26	16	42	14	5	19	5	3	8	-	-	-	-	-	-

क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम	कुल			ओ.सी.			बी.सी.			एस.सी.			एस.टी.			अल्प.सं.			शा.वि.		
		पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु	पु	स्त्री	कु
	प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम																					
31	मंदिर संस्कृति मे प्रमाणपत्र	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
32	ज्योतिष मे प्रमाणपत्र	7	3	10	4	3	7	2	-	2	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-
33.	पौरोहित्य में प्रमाणपत्र	9	1	10	8	1	9	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (31-33)	16	4	20	12	4	16	3	-	3	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	डिप्लोमा पाठ्यक्रम																					
34	पौरोहित्य में डिप्लोमा	1	-	1	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
35	मंदिर संस्कृति में डिप्लोमा	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (34- 35)	1	-	1	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम																					
36	योगा में पी.जी. डिप्लोमा (सायंकालिन कार्यक्रम)	33	20	53	19	11	30	9	9	18	4	-	4	1	-	1	-	-	-	-	-	-
37	पी.जी. नेचुरोपती (सायंकालिन कार्यक्रम)	27	21	48	12	10	22	11	6	17	4	3	7	-	1	1	-	1	1	-	-	-
38	तुलनात्मक सौन्दर्य शास्त्र में पी.जी. डिप्लोमा में भूमंडलीय परिप्रेक्ष्य	5	5	10	-	-	-	3	5	8	2	-	2	-	-	-	-	-	-	1	-	1
39	पौरोहित्य में पी.जी. डिप्लोमा	1	1	2	1	1	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (36 - 39)	66	47	113	32	22	54	23	20	43	10	3	13	1	1	2	-	1	1	1	-	1
	अन्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम																					
40	भारतीय भाषाओं में डी.टी.पी.	14	-	14	5	-	5	7	-	7	2	-	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-
41	वेब तकनीकी	1	10	11	-	5	5	-	4	4	1	1	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-
42	संस्कृत और क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद तकनीक और रचनात्मक लेखन में प्रमाणपत्र	7	-	7	3	-	3	4	-	4	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (40-42)	22	10	32	8	5	13	11	4	15	3	1	4	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कुल (03)	105	61	166	53	31	84	37	24	61	14	4	18	1	1	2	-	1	1	1	-	1
	कुल (01)	604	364	968	213	149	362	273	129	402	57	33	90	61	52	113	-	1	1	1	3	4
	कुल (02)	385	262	647	198	131	329	125	118	243	46	9	55	16	4	20	-	-	-	4	-	4
	कुल (1,2,3)	1094	687	1781																		

* कुल शारीरिक विकलांग अतिरिक्त

एस्.सी., एस्,टी., ओ.बी.सी.के लिए छात्रवृत्तियाँ :

सरकार द्वारा एस्.सी., एस.टी., ओ बी.सी.के छात्रों के लिए घोषित छात्रवृत्ति विद्यापीठ के द्वारा निरंतर दी जाती है।

आरक्षण नियम पालन

विद्यापीठ में भारत सरकार एवं वि.अ.ए. के अनुसार समय-समय पर लागु होनेवाले आरक्षण नियम एस.सी.,एस.टी.और ओ.बी.सी. छात्रों के संबंध में जैसा भी नियम है उसके अनुसार प्रत्येक शैक्षिक वर्ष के पाठ्यक्रम जैसे प्राक्-शास्त्री, शास्त्री, आचार्य, शिक्षा शात्रि (बी.एड्), शिक्षा आचार्य (एम.एड). एम.फिल और विद्यावारिधी (पी.एच.डी) और शिक्षक और शिक्षकेतर पदों के नियुक्ति के संबंध में भी आरक्षण का पालन किया जाता है।

योग्यता छात्रवृत्तियाँ :

योग्यता छात्रवृत्तियाँ छात्रों को गत परीक्षा के प्राप्त अंकों की प्रतिशतता के आधार पर दी जाती है। प्राक्शस्त्री प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों को, शास्त्री प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्रों को तथा आचार्य प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों को छात्र वृत्ति दी जाती है।

आ. व्यावसायिक पाठ्यक्रम :

शिक्षा संकाय

शिक्षा विभाग माध्यमिक विद्यालय के सेवा पूर्व एवं सेवारत-शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाता है। यह विभाग संस्कृत सीखने एवं शिक्षा-शोध को विकसित करने के लिए स्वतः अध्ययन उपकरण तैयार कर रहा है। निम्नलिखित पाठ्यक्रम विवरण इस प्रकारक है -

क्र.सं	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	सीट की संख्या	भर्ती
1	शिक्षा-शास्त्री(बी.एड्)	दो वर्ष	100	100
2	शिक्षा-आचार्य(एम्.एड्).	दो वर्ष	50	09
3	शिक्षा शास्त्र में एम्.फिल्.	एक वर्ष	10	02
4	विद्यावारिधी(पीएच.डी)	2-5 वर्ष	List enclosed in previous page	

अनौपचारिक शिक्षा :

इग्नू की दूरशिक्षा परिषत् ने विद्यापीठ के प्रस्ताव को स्वीकृत किया और 2003-04 से दूर शिक्षा कार्यक्रम प्रारंभ करने की अनुमति दी। **दूर शिक्षा को डा.सी.एच्.पी. सत्यनारायण,** आचार्य, शोध एवं प्रकाशन विभाग निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

वर्ष 2016-17 **में चलाए जानेवाले प्राठ्यक्रमों का विवरण एवं भर्ती निम्न है :**

विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा केंद्र द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए गए हैं, जिसका विवरण इस प्रकार है-

क्रमं.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	भर्ती
1.	प्राक्-शास्त्री	2 वर्ष	28
2.	शास्त्री/बी.ए.	3 वर्ष	66
3.	आचार्य	2 वर्ष	296
4.	योग विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	1 वर्ष	107
5.	संस्कृत में प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम	1 वर्ष	70
6.	संस्कृत में डिप्लोमा	1 वर्ष	64
		कुल	**631**

हर साल में दो बार समस्त पाठ्यक्रमों के लिए संपर्क कक्षाओं का आयोजन विद्यापीठ परिसर में किया जाता है।

आ. अनुसंधान

i. **प्रवेश:**

विद्यापीठ ने **विद्याविरिधी** (पीएच.डी.) साहित्य में /व्याकरण/ज्योतिष (फलित और सिद्धांत), न्याय/ अद्वैत वेदांत/ विशिष्टाद्वैत वैदांत/द्वैत वेदांत/ वेदभाष्य/ आगम / और शिक्षा शास्त्र में दी जाती है।

विश्वविद्यालय उन छात्रों को विद्यावारिधी की उपाधि प्रदान करती है, जिन्होंने अपना शोधकार्य पूरा कर लिया हो तथा शोधप्रबंध का मूल्यांकन विद्यापीठ द्वारा निर्धारित विशेषज्ञ से करा लिया गया हो।

वि.अ.ए. नए नियमों के अनुसार उपाधि, संस्कृत में विद्यावारिधी लिखा रहेगा और अंग्रेजी में **डाक्टर ऑफ फिलासोफी** होगा।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के निर्णयानुसार विद्यावारिधि (पी.एच.डी.) तीन मानित विश्वविद्यालयों यानि राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, एस्.एल्.बि.एस्.आर्.एस्.विद्यापीठ के लिए कार्यक्रम में प्रवेश के लिए आयोजित करने के लिए एक संयुक्त प्रवेश परीक्षा के फैसले के अनुसार राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा पहली परीक्षा CVVET-2011 आयोजित की गई है। रोटेशन के आधार पर वर्ष 2016 में यह CVVET को आयोजन करने के लिए एस्.एल्.बि.एस्.आर्.एस्.विद्यापीठ, नई दिल्ली की बारी है।

संयुक्त विद्यावारिधि प्रवेश परीक्षा (CVVET) का आयोजन सभी केन्द्रों में 8 मई 2016 को किया गया है। सभी योग्य और चयनित उम्मीदवारों का अनुसंधान पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया है। पी.एच.डी. छात्रों की संख्या एवं विभिन्न विभागों का विवरण नीचे तालिका में प्रस्तुत है।

विद्यापीठ से पीएच.डी.उपाधि प्राप्तकर्ताओं की सूची

क्रं. सं.	वि.वि. सं	शोधार्थी का नाम	विभाग	मार्गदर्शक का नाम	पुरस्कार की तारीख
1.	526	चिट्टिहोति सुमलता	साहित्य	डॉ.जे.बलिचक्रवर्ति	16.02.2016
2.	517	मादा रविकिशोर	साहित्य	प्रो.के.रामसूर्यनारायण	16.02.2016
3.	505	के प्रभाकर भट्ट	द्वैतवेदान्त	डॉ. नारायण	03.03.2016
4.	512	मिस.कृष्णाराणी उपाध्याय	साहित्य	प्रो. सत्यनारायण आचार्य	18.03.2016
5.	519	के.लीनाचन्द्रा	साहित्य	प्रो.राणी सदाशिवमूर्ति	29.03.2016
6.	506	स्वपनराणि स्वैन	व्याकरण	डा.एन.आर.आर. ताताचार्य	01.04.2016
7.	529	बिगिनेश्वर मिश्र	शिक्षाशास्त्र	डा.दक्षिणामूर्ति शर्मा	02.04.2016
8.	531	ऐ.लक्ष्मी राजेश	शिक्षाशास्त्र	डा.के.कादम्विनी	02.04.2016
9.	539	रुद्रनारायण रथ	शिक्षाशास्त्र	डा.राधागोविन्द त्रिपाठि	02.04.2016
10.	541	ए.चारुकेश	शिक्षाशास्त्र	प्रो.वि.मुरलीधर शर्म	02.04.2016
11.	543	ए.शेखर रेड्डि	शिक्षाशास्त्र	प्रो.वि.मुरलीधर शर्म	02.04.2016
12.	514	वीरेश कुमार शर्म	शिक्षाशास्त्र	प्रो.रविशङ्कर मीनन	05.04.2016
13.	525	दीपक	द्वैत वेदान्त	डा.नारायण	25.04.2016
14.	537	सुमन्त प्रमाणिक	साहित्य	प्रो.के.सूर्यनारायण	28.04.2016
15.	540	पि.पवन कुमार	ज्योतिष	डा.कृष्णेश्वर झा	02.05.2016
16.	547	मिस.महिमा तिवारि	शिक्षाशास्त्र	प्रो.एन.लत	24.06.2016
17.	548	सिस्टर.प्रबीर बेरा	शिक्षाशास्त्र	प्रो.वेंकट राव	24.06.2016
18.	538	टि.मानस	साहित्य	डा.सोमनाथ दास	11.07.2016
19.	544	मिस्टर. पुरं अरविंद कुमार	सोमदत्त शिक्षाशास्त्र	प्रो.प्रह्लाद आर जोशि	08.08.2016
20.	549	मिस्टर. तपस कुमार पंडा	शिक्षाशास्त्र	डा.ए.सच्चिदानन्द मूर्ति	08.08.2016
21.	550	मिस्टर. सुकदेब दास	शिक्षाशास्त्र	डा.आर. चन्द्रशेखर	11.08.2016
22.	524	कु.शुभश्री मोहापात्र	धर्मशास्त्र	डा.राधाकान्त ठाकूर	22.08.2016
23.	527	सुध के.के	साहित्य	डा.के.विश्वनाथ	23.08.2016
24.	523	सत्यब्रत मिश्र	अद्वात वेदान्त	डा.के.विश्वनाथ	05.09.2016
25.	534	बि.वेंकटकृष्ण	ज्योतिष	डा.राधाकान्त ठाकूर	15.09.2016
26.	532	मिष्टर.मर्ति वेंकट शिव वीरनागेन्द्र	ज्योतिष	डा.कृष्णेश्वर झा	26.09.2016
27.	551	मिष्टर.प्रदीप शर्म	ज्योतिष	डा.श्रीपादभट	26.09.2016
28.	535	सुदर्शन.वि.एस.	साहित्य	प्रो.जि.एस.आर.कृष्णमूर्ति	20.10.2016
29.	542	करणं रामु	साहित्य	डा.रङ्गनाथन	24.10.2016
30.	555	उदय कुमार.डि	साहित्य	प्रो.सत्यनारायण	24.10.2016
31	554	नीनु	सांख्ययोग	डा.ज्योति	24.10.2016

क्रं. सं.	वि.वि. सं	शोधार्थी का नाम	विभाग	मार्गदर्शक का नाम	पुरस्कार की तारीख
32.	552	दत्तात्रेय शर्म	शक्षाशास्त्र	प्रो.प्रह्लाद आर जोषि	31.10.2016
33.	559	मनोज कुमार अगस्ति	शिक्षाशास्त्र	डा.राधागोविन्द त्रिपाठि	31.10.2016
34.	520	गणपति	व्याकरण	डा.एन.एन.ताताचार्य	04.11.2016
35.	530	वि.अन्नेश	साहित्य	डा.राणि सदाशिवमूर्ति	10.11.2016
36.	546	डि.नागसायि लक्ष्मि	साहित्य	डा.सि.रङ्गनाथन	10.11.2016
37.	557	फल्गुणि मुखोपाध्याय	साहित्य	प्रो.सि.ललिताराणि	10.11.2016
38.	562	वेलुवर्ति श्रीनिवास नारायण	व्याकरण	प्रो.आर.एल.एन.शास्त्रि	22.11.2016
39.	545	आलोक कुमार झा	ज्योतिष	प्रो.श्रीपादभट	25.11.2016
40.	563	गोविन्द प्रसाद अधिकारि	वेदभाष्यम	डा.निरंजन मिश्र	29.11.2016
41.	567	दशरथ भ्रसागर	शिक्षाशास्त्रि	डा.राधागोविन्द त्रिपाठि	16.12.2016
42.	556	शिवराम रामकृष्ण भट	व्याकरण	प्रो.आर.एल.एन.शास्त्रि	16.12.2016
43.	558	डा.लक्ष्मीनारायण	व्याकरण	प्रो.आर.एल.एन.शास्त्रि	16.01.2017
44.	566	वि.पवन कुमार	साहित्य	डा.सि.रङ्गनाथन	27.01.2017
45.	568	टि.सिद्धलिङ्गेश्वरय्य	अद्वैतवेदान्त	डा.गणपतिभट	27.01.2017
46.	574	सुदेष्ण दास	अद्वैतवेदान्त	डा.गणपतिभट	27.01.2017
47.		अपूर्व शर्म	शिक्षाशास्त्र	डा.राधागोविन्द त्रिपाठि	10.02.2017
48.		टि.श्रीतेज	आगम	प्रो.टि.वि.राघवाचार्युलु	17.02.2017

इ-प्रकाशन

सन् 2016-17 में विद्यापीठ ने कई महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का प्रकाशन किया है, वे निम्न हैं -

क्र. सं.	ग्रन्थ का नाम	लेखक / सम्पादक
1.	श्रीमदन्नंभट्टविरिचतं तत्त्वचिंतामन्यलोकसिद्धांजनम (मंगलवाद)	डा. इंद्रगंटि उमा रामाराव
2.	श्रीमच्छंकरभागवद्पादाचार्यविरचित शारीरकसूत्रभाष्य पंचाधिकरणि	डॉ. शंकरनारायणन्
3.	श्रीनिधिग्रन्थमाला	श्री एस. सौंदर राजन श्री वी. करुणाकरन
4.	भास्कराचार्य विरचितमु लीलावति गणितमु	प्रो. पी.वी. अरुणाचलं प्रो. सी. उमाशंकर डा. वी. रमेश बाबु
5.	पाणिनीयव्याकरणोदाहरणकोश (भाग 1(4))	एफ. ग्रीमल, वी. वेंकटराज शर्मा, एस. लक्ष्मी नरसिंहम

शेमुषी - विद्यापीठ वार्ता पत्रिका

विद्यापीठ में मासिक रूप में शेमुषी नामक से पत्रिका निकाला जाता हैं। इस वार्ता पत्रिका में विद्यापीठ के समस्त समाचारों को प्रकाशित किया जाता है और उसे भारत के समस्त विश्वविद्यालय एवं गण्यमान्य व्यक्तियों तक पहुंचाया जाता है।

विभागीय पत्रिकायों

1. शिक्षा विभाग - शिक्षालोक
2. साहित्य विभाग - रसधुनी

ई. प्रशिक्षण

अ. उपचारात्मक अनुशिक्षण केंद्र -

उद्देश्य - विद्यापीठ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की वित्तीय सहायता के साथ अनुसूचित जातियाँ, अनुसूचित जनजातियाँ और अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों के लिए उपचारात्मक अनुशिक्षण केंद्र शैक्षणिक वर्ष 2007-2008 से आरंभ किया गया था। ये अनुशिक्षण केंद्र अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अल्पसंख्यक श्रेणियों के लिए शिक्षण कक्षाओं का आयोजन करता है। अन्यश्रेणियों तथा जिसे शिक्षण की जरूरत होती है उन्हें भी कक्षाओं में भाग लेने की अनुमती दी जाती है। शैक्षणिक वर्ष 2016-17 के लिए अनुशिक्षण कक्षाएँ -

उपचारात्मक कोचिंग कक्षाओं को सितंबर 2016 को शुरू किया और मार्च 2017 को बंद कर दिया। कक्षाओं को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था। वर्ष 2016-17 में उपचारात्मक अनुशिक्षण केंद्र द्वारा पाठ्यक्रम की पूर्ती - उपचारात्मक अनुशिक्षण केंद्र द्वारा सभी शास्त्रों - (1) आचार्य प्रथम वर्ष (2) आचार्य द्वितीय वर्ष (3) शास्त्री प्रथम वर्ष (4) शास्त्री द्वितीय वर्ष (5) शास्त्री तृतीय वर्ष (6) प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष (7) प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष और (8) शिक्षा शास्त्री (बी.एड) के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्याक श्रेणियों के छात्रों के लिए कक्षाएँ आयोजित किया गया। 44 शिक्षकों को.शिक्षण हेतु नियुक्त किया गया। उपचारात्मक अनुशिक्षण केंद्र ने पढने की सामग्री दिया तथा समय समय पर परिक्षाएँ रखते थे ।

आ. कोचिंग फर एंट्री इंटू सर्वीसेस - विषय

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछडा वर्ग और अल्प संख्यक समुदाय के छात्रों के लिए नौकरियों प्रवेश के लिए कोचिंग कक्षाएँ -

विद्यापीठ में पढ रहें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछडा वर्ग और अल्पसंख्यक छात्र समुदाय के लिए नौकरियों में प्रवेश के लिए यू जी सी ने कोचिंग कक्षाओं की मंजूरी देदी । दिनांक 15.09.2016 बारहवीं योजना को जारी की गई पत्र संख्य एफ/नं./आर एस वी टी/एस सी/एस टी/ ओबीसी.

योजना का उद्देश्य -

इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से वंचित अनुसूचित जाति (एस सी) और अन्य पिछडे वर्ग उम्मीदवारों के लिए प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में उपस्थित होने तथा निजी/सरकारी क्षेत्रों में उपयुक्त नौकरी पाने के लिए अच्छी गुणवत्ता कोचिंग प्रदान करना है । प्रो. वेंकट राव, शिक्षा विभाग, इस कार्यक्रम के समन्वयक हैं ।

दिनांक 14 दिसंबर 2016 में उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया था । प्रो. एम.एल.एन. मूर्ति जी, कुलपति प्रभारी, समारोह के मुख्य अतिदथि थे । 15.12.2016 से कोचिंग कक्षाओं का आरंभ किया गया था और 31.3.2017 तक जारी रहे । सभी पाठ्यक्रमों के छात्रों ने इस अवसर का लाभ उठाया । छात्रों को अंग्रेजी, संचार कौशल, अंकगणित, रीजनिंग, कंप्यूटर, और प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण आदि जडैसे विषयों में प्रशिक्षण दिया गया है ।

उ. संगोष्ठियाँ/सम्मेलन/कार्यशालाएँ

(I) अद्वैत वेदांत मे राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांङ्क 01.01.2017 से 03.01.2017 तक यूजीसी के वित्तीय सहायता से अद्वैत वेदान्त विभाग ने ब्रह् श्री गोडा सुब्रह्मण्य शास्त्र द्वार लिखा गया। ब्रह्मसूत्रभाष्य प्रदीपिका क्रोडपत्रएं और अप्पयदीक्षिता के सिद्धान्तलेखसंग्रह के कार्य पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी का उद्घाटन रा.स.वि के पूर्व कुलपति प्रो.डि. प्रह्लादचार और वर्तमान कुलपति प्रो. वि. मुरलीधरशर्मा द्वारा किया गया। चेन्नई से महामहोपाध्याय श्री गोपलकृष्ण शास्त्री जी और महामहोपाध्याय श्री आर.कृष्णमूर्ति जी ने इस संगोष्ठी मे भाग लिया। और उनके मार्गदर्शन मे इत तीन दिवसीय व्याख्यार्थ सभा मे पूरे भारत के प्रसिद्ध विद्वानो ने भाग लिया। प्रो.कुटुम्ब शास्त्री जी, प्रो. एम.एल.एन. मूर्ति जी, प्रो. के.ई.देवनाथन जी, प्रो. मणिद्राविड शास्त्री जी, श्रीपाद सुब्रह्मण्य शास्त्री जी विभिन्न सत्रों के अध्यक्ष थे। शोध छात्रों के लि एक समानांतर सत्र भी आयोजित किया गया था और उस सत्र मे 20 से अधिक शोध पत्रोको प्रस्तुत किया गया था। श्री लालबहादूर शास्त्री राष्ट्रीयसंसकृतविद्यापीठम् नई दिल्ली से डाँ. सतीश और पूना विश्वविद्यालय से डाँ.दिनेश उन सत्रों के अध्यक्ष थे।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. आर. कृष्णमूर्तिशास्त्री थे और माननीय कुलपति प्रो.मुरलीधर शर्मा जी ने इस समारोह की अध्यक्षता की। अद्वैतवेदान्त विभाग के सहाचार्य डाँ.के.गणपतिभट्ट इस राष्ट्रियसंगोष्ठी के समन्वयक थे। समन्वयक जी के द्वारा दिया गया संक्षिप्त सारांश और धन्यवाद के साथ संगोष्ठी संपन्न हुआ था।

(II) एक दिवसीय कार्यशाला

संविधान दिवस के अवसर पर राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठं ने 25 नवंबर 2016 को एक दीवसीय राष्ट्रीयकार्यशाला का आयोजन किया था। धर्मशास्त्र विभाग राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम तिरुपति को नोडल विभाग के रूप में पहचना गया और उन्हें कार्यक्रम आयोजित करने की जिम्मेदारी सौपी गई। दिनांक 25.11.2016 को सुबह 11:30 बजे पद्मश्री रमारंजनमुखर्जी सभागार मे राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन करके सत्र आयोजित किया गया था। कार्यशाला को संविधान की स्मृति मे आयोजित किया गया था। प्रो.मनोज कुमार सिन्हा, निर्देशक, राष्ट्रीय कानून संस्थान, नई दिल्ली उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि थे। उन्हो ने दीप प्रज्वालन के साथ सत्र को आरभ्य किया। उद्घाटन भाषण मे प्रो.सिन्हा जी ने धर्म को हमरे कानून प्रोफेसर प्रो.टी.वि. सुब्बराव जी सम्माननीय अतिथि थे। उन्होने हिंदू कानून के महत्व पर प्रकाश डाला। इसमे प्रतिज्ञा पढने का कार्यक्रम था। इसमे दर्शनो ने भारत की प्रस्तावना को पढा। प्रो. राधाकांत ठाकूर, शैक्षिक शंकाय प्रमुख इस समारोह के अध्यक्ष थे। वाग्वर्धिनी परिषद् के समन्वय डाँ.सी.रंगनाथन जी ने समारोह का संचालन किया। डाँ. सितांशु भूषण पण्डा धर्मशास्त्र विभाग के प्रभारी अध्यक्ष समारोह के समन्वयक थे।

(III) शोधच्छात्रों का सम्मेलन

दिनाङ्क 27.03.2017 को विद्यापीठ के पद्मश्री रमारंजन मुखर्जी सभागार मे शोध छात्रो के लिए त्रिदिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो.वि.मुरलीधरशर्मा द्वारा किया गया। प्रो. अर.एल.एन.शास्त्री, शैक्षिक संकाय प्रमुख विशेष अतिथि थे और प्रो.सि.हेच.पि.सत्यनारायण, साहित्य और संस्कृति के संकाय प्रमुख ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता कि इन तीन दिनो मे वेद, वेदभाष्य, आगम,व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, न्याय, वेदान्त, शिक्षाशास्त्र, धर्मशास्त्र, पुराणेतिहास और सांख्ययोग मे 12 शैक्षणिक सत्रों का आयोजन किया गया। इन विभागों के अध्यक्ष एवं विभागाध्यक्षो ने 12 सत्रों की अध्यक्षता की और जबकि वरिष्ठ अनुसंधान विद्वानो ने इन सत्रों की आयोजित कार्यवाही को संभाला। प्रो. किशोर चन्द्र महापात्रा, धर्मशास्त्र विभाग के अतिथि प्राध्यापक ने धर्मशास्त्र सत्र की अध्यक्षता की। इस त्रिदिवसीय सम्मेलन मे 87 शोधछात्रो ने भाग लिया। विद्यापीठ के शोध छात्रो के अलावा पुदुच्चेरी केन्द्रीयविश्वविद्याल, श्रीचन्द्रशेखर सरस्वती संस्कृत विश्वविद्यालय, कांचीपुरम ने अपने पत्र प्रस्तुत किए। सम्मेलन ने एम.फल और विद्यावारिधि विद्वानों को उनकेचुने हुए। अनु संधान विषयों पर पत्र प्रस्तुत करने का अवसर दिया।

II. पाठ्यसहगामी गतिविधियाँ

(अ) वाग्वर्धिनी परिषद्

वाग्वर्धिनी परिषद का उद्घाटन

वाग्वर्धिनी परिषटद का उद्घाटन दिनांक 16.08.2016 का प्रो.एम.एल.एन. नरसिह मूर्ति प्रभारी कुलपति,राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठ द्वारा किया गया। जिसे समारोह के मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर सभी संकाय सदस्य और छात्र उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का आयोजन समन्वयक डाँ. सि.रंगनाथन, अतिरिक्त समन्वयक डाँ. भरतभूषण रथ ने किया था।

वर्ष 2016-2017 के लिए वाग्वर्धिनी परिषद ने 13 सप्ताहिक प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया तथा छात्रों के विकास और सुधार करने के लिए। एव संस्कृत बोलने की क्षमता की विशेष सुझाव दिए। वाग्वर्धिनी परिषद के मार्गदर्शन में विद्यापीठ के छात्रों ने पूरे भारत में विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया और पुरस्कार और पदक जीते। विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले छात्र निम्नानुसार हैं-

1. इस्कांन, तिरिपतिद्वारा आयोजित भाषण और निबंध प्रतियोगितायाँ।

2. श्रीरामचन्द्र मिशन द्वारा आयोजित अखिल भारतीय निबंध लेखन प्रतियोगिता।

3. ग्लोरी फर्स्ट-पूरी, ओडिशा

4. राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थान का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता।

5. अखिलभारतीय शास्त्रार्थ स्पर्धा - राष्ट्रियसंस्कृसंस्थान।

6. शिक्षामंडल वर्धा

7. ग्यारहवें अखिलभारतीय संस्कृतछात्रप्रतिभा समारोह- राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम् - तिरुपति. शैक्षणिकवर्ष 2016-17 के दौशान निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

संस्कृसाप्ताहिक समारोह के अंतगीत विद्यापीठ के साथ साथ विभिन्न स्थानीय स्कूलों और कालेजों के लिए विविध प्रतियोगिताआँ राष्ट्रीय संगोष्ठी,कवितागोष्ठी का आयोजन किया गया।

ग्यारहवें अखिलभारतीय संस्कृतछात्रप्रतिभा महोत्सव पचपन वें अखिलभारतीय शास्त्रार्थ स्पर्धा-राष्ट्रीयसंस्कृतसंस्थान-राज्यस्तरीय प्रतियोगिताएं।

आजादी-70,निबंध लेखन और भाषण प्रतियोगिता मतृभाषा दिवस, वार्षिक साहित्यिक प्रतियोगिताएँ।

(आ) मैक्स मुलर अंग्रेजी क्लब

हमेशा विद्यापीठ ने बदलाव का साथ दिया। लगभाग डेठदशकों के पहले मैक्समुल्लर अग्रेजी क्लब को एक स्वैच्छिक छात्र संगठन के रूप मे प्रारंभ किया था। जीससे संस्कृत के शिक्षार्थियों के जरूरतों को पूरा कर सके। वर्तमान में क्लब अंग्रेजी विभाग के मार्गदर्शन में काम करता है। संस्कृत छात्रो में अंग्रेजी बोलने में सुधार लाने के साथ टीम की एकता एवं संगठनात्मक क्षमताओं को प्रदान करना क्लब का मुख्य उद्देश्य है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए क्लब हर शनिवार को कई गतिविधियों का आयोजन कर रहा है।

वर्ष 2016-17 के लिए अंग्रेजी लिखने में और अपने आप को अच्छे भाषण अभिव्यक्त करने के लिए छात्रें को प्रेरित किया। क्लब का शुभारंब 16 आगस्त 2016 को हुआ था। प्रो. एम. एल.एन मूर्ति प्रभारी कुलपति उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि थे। साहित्य और संस्कृति के संकाय प्रमुख प्रो.सि.एच.पि.सत्यनारायण जी सम्मानीय अतिथि थे। और प्रो.राधाकान्त ठाकूर ने समारोह की अध्यक्षता की इस शैक्षिणिक वर्ष में क्लब ने पूरे 13 सत्रों का आयोजन किया था। कहानी बोलना,आशुभाषण, कहानि लेखन गतिविधियों अलावा ट्रेजरहण्ट खेल प्राक्शास्त्री, शास्त्री और आचार्य छात्रों के लिए आयोजित किया गया था। 17 मार्च 2017 क्लब का समापन समारोह आयोजित किया गया था। कुलपति प्रो.मुरलीधरशर्मा जि मुख्य अतिथि थे। प्रो.आर.एल.एन.शास्त्री, शैक्षिकसंकाय प्रमुख, समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर साप्ताहिक सत्रों के विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को गणमन्य अतिथियों द्वारा पुरस्कार दिए गए।

(इ) तुलसीदास हिंदी परिषद

शैक्षणिक वर्ष 2016-2017 मे तुलसीदास हिंदीपरिषद का उद्घाटन 2सितंबर 2016 को मुख्य अतिथि माननीय प्रभारी कुलपति प्रो. एम.एल.नरसिंहमूर्ति द्वारा किया गया। प्रो.सि.एच.पि. सत्यनारायण,साहित्य और संस्कृति के संकायप्रमुख सम्माननीय अतिथि थे और प्रो. आर.के. ठाकूर समारोह के अध्यक्ष थे। इस अवसर पर सभी संकाय सदस्य और छात्र उपस्थित थे। वर्ष के दौरान परिषद् मे सफलतापूर्वक 16 सत्रों का आयोजन किया। सभी 16 सत्रो मे विभिन्न गतिविधियाँ जैसे - संवाद अभ्यास, भाषण आशुभाषण, वादविवाद, नाटक, प्रश्नोत्तरी आदि का आयोजन प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक किया गया। वर्ष 2016-2017 की समापन समारोह 26 मार्च को आयोजित की गई थी। प्रो. मुरलीधर शर्मा माननीय कुलपति राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम् समारोह के मुख्य अतिथि थे। शैक्षिक संकाय के प्रमुख प्रो. आर.के.ठाकूर और साहित्य और संकाय प्रमुख प्रो.सि.एच.पि सत्यनारायण ने समारोह की अध्यक्षता की और इस अवसर पर विजेताओं को पुरस्कार वितरित किया गया।

(ई) अन्नमय्या साहित्य कलापरिषद

अन्नमय साहित्य कलापरिषद् राष्ट्रीयसंस्कृतविद्यापीठ के साहित्यिक परिषदों में से एक है। तेलुगु भाषा में भाषण एवं लेखन कौशलों में सुधार लाना अन्नमाचार्य साहित्य कला परिषद् का मुख्य उद्देश्य है वर्ष 2011 में अन्नमाचार्य साहित्य कलापरिषद शुरु किया गया था।

शैक्षिणिक वर्ष 2016-17 के लिए परिषद द्वारा कार्यक्रम राष्ट्रीयसंस्कृतविद्यापीठ के प्रभारी कुलपति प्रो.एम.एल.नरसिंहमूर्ति द्वारा औपचारिक उद्घाटन के साथ दिनाङ्क 11.08.2016 को शुरु किया गया था। परिषद ने ग्यारह सत्रों में हर रविवार को भाषण, लेखन, गायन, चित्र प्रदर्शन इत्यादि के साथ सफलता पूर्वक संचालिए किया। विद्यापीठ के संकायों सदस्यों ने विभिन्न साप्ताहिक सत्रों के निर्णायक के रूप में काम किया था। इस के अलावा प्रत्येक शुक्रवार को परिषद के सदस्य विद्यापीठ के परिसर स्थापित सम्माननीय संगीतकार श्री अन्नमाचार्य के प्रतिमा के पास होकर पूजा करते है। गिडुगु राममूर्ति जी के जन्मदिन दिनाङ्क 29.08.16 का तेलुगुभाषा दिवस निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

तेलुगु भाषा दिवस के उपलक्ष्य में श्रीवेङ्कटेश्वर विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित विद्वान प्रो. जी. दामोदर नायुजु जी को आमंत्रित किया गया था। दिनाङ्क 17.03.2016, समापन समारोह के साथ परिषद की गतिविधियाँ समाप्त हुई। समापन समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठ के कुलपति प्रो.वि.मुरलीधर शर्मा जि थे। प्रो.वि.मुरलीधर शर्मा जी ने परिषद के कार्यक्रमों में सदस्यों की जिम्मेदारी की बधाईक्षी आगे से भी ऐसे ही भागीदारी को निभाने के लिए और प्रोत्साहन दिया। तेलुगु भाषा में ज्ञान और दक्षता को प्राप्त करने की शैक्षिक संकाय प्रमुख प्रो.सि.एच.पि.सत्यनारायण जी ने परिषद के सप्ताहिक सत्रों के प्रतिभागियों और विजेताओं को बधाई दी।

(उ) सांस्कृतिक कलापरिषद

सांस्कृतिक कला परिषद् का उद्देश्य विद्यापीठ के छात्रों में सांस्कृतिक कला, ज्ञान को विकसित करना है। इस वर्ष भी स्वतन्त्रता दिवस, संस्कृत सप्ताह समारोह, गणतंत्र दिवस और अखिल भारतीय संस्कृत प्रतिभा उत्सव आदि में कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। डा. आर. सदाशिव मूर्ति इस परिषद के संयोजक थे।

(ऊ) प्रयोजनमूलक संस्कृत :

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संस्थापित यह प्रयोजनमूलक संस्कृत पाठ्यक्रम नोडाल केंद्र विश्वविद्यालय में चलाया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम के केंद्र द्वारा शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाता है और अलग-अलग प्रयोजनमूलक संस्कृत विषयों पर समयानुसार संगोष्ठियों का आयोजन तथा राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण ज्ञान का विकास किया जाता है । इस केंद्र में आडियो दृश्य प्रयोगालय एवं ग्रंथालय है । यह केंद्र यज्ञ एकाग्रता, वैदिक संस्कार आदि पर आडियो-विडियो प्रलेखन आदि बनाया गया है। इस केंद्र द्वारा वैज्ञानिक आवरण से प्राक्-शास्त्री एवं शास्त्री छात्रों के लिए नियमित अध्यापन चलाया जाता है । यह प्रयोजनमूलक संस्कृत इकाई में अर्चकत्वं और पौरोहित्य में प्रमाण-पत्र डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाया जाता है।

(ऋ) सेतु पाठ्यक्रम

आचार्य पाठ्यक्रम के नए छात्रों के लिए सेतु पाठ्यक्रम 22 जुलाई से आगस्त 2016 विभिन्न पाठ्यक्रम में मूर्ति लिए छात्रों के लिए विद्यापीठ सेतु पाठ्यक्रम का आयोजन कर रहा है। शैक्षणिक वर्ष 2016-17 के लिए 22 जुलाई से आगस्त 2,2016 तक आयोजित किया गया था। 150 से अधिक छात्र विभिन्न शास्त्रों से अर्थात साहित्य, व्याकरण, ज्योति, धर्मशास्त्र, वेदान्त, विशिष्टाद्वैतवेदांत, मीमास, पुराण अन्य सेतु पाठ्यक्रम में उपस्थित थे। जुलाई 2016 को पाठ्यक्रम का उद्घाटन प्रभारि कुलपति प्रो. एम.एल.नरसिहशास्त्री जी ने किया। प्रो.आर.के.ठाकूर जी समारोह की अध्यक्षता की, समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमें कुलपति और शैक्षिक संकाय प्रमुख उपस्थित थे। विद्यापीठ के कई विद्वान आचार्यों ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए। साहित्य विभाग के सह आचार्य डाँ.सी.रङ्गनाथन और समन्वयक डाँ. नारायण, सहायक आचार्य उपसमन्वयक डाँ.रङ्गरामानुजाचार्युलु सहायक आचार्य समन्वयक ये पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों के विभिन्न क्षेत्रों का अवगत कराना तथा उन्हें विविध शास्त्र अर्थात साहित्य,दर्शन,संगणक,व्याकरण,शिक्षाशास्त्र और अंग्रेजी का अध्ययन के लिए तैयार करना....

(ए.) प्रथम कुलाधिपति प्रो.एम.एम.पट्टाभिराम शास्त्री जी की स्मृति में व्याख्यान माला :-

मिमांसा और साहित्य के प्रखंड विद्वान और विद्यापीठ के प्रथम कुलाधिपति प्रो.पट्टाभिराम शास्त्री जी के योगदान के स्मृति में संस्था ने पट्टाभिराम शास्त्री व्याख्यानमाला का आरंभ किया था । इस योजना के तहत कई प्रख्यात विद्वानों को आमंत्रित कर संस्कृत साहित्य और भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान न देने के लिए अनुरोध किया। प्रतिवेदन के तहत वर्ष के दौरान प्रथम और दूसरे व्याख्यान दिनांक -25.10.2016 को प्रो. एम.एल.नरसिंह मूर्ति, कुलपति (प्रभारी) आयोजित किया गया । डॉ. सीएच. श्रीरामशर्मा, राजमंद्री ने पूर्वमीमांस में पहला व्याख्यान दिए । दूसरा व्याख्यान दिनांक 14.12.2016 को अद्वैत वेदांत में प्रो. विश्वनाथ गोपालकृष्ण शास्त्रि, राजमंद्री व्याख्यान दिये । प्रो. एम.एल.नरसिंह मूर्ति, कुलपति (प्रभारी) अध्यक्ष थे । प्रतिवेदन के तहत वर्ष के दौरान प्रो. आर.एल.एन. शास्त्री, व्याकरण विभाग, डॉ. टि.एस.आर. नारायणन्, मीमांसा विभाग, इस व्याख्यान माला के संयोजक और अतिरिक्त संयोजक थे ।

III. पाठ्येतर गतिविधियाँ

(अ) खेल कूद प्रतियोगिता -

वर्ष 2016-17 के छात्र प्रवेश के बाद सभी छात्रों को यह सूचित किया गया कि वे सुबह 6.00 से 7.00 बजे को नियमित रूप से विशेष प्रशिक्षण सत्र में भाग लें । यह कार्यक्रम हर साल चलाया जाता है ताकि छात्र दक्षिण अंचल अंतर विश्वविद्यालय स्पर्धा और अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय स्पर्धाओं में खेलने हेतु तैयार किया जाता है। मुक्त व्यायम के बाद विशिष्ट खेलों में छात्रों को सुबह और शाम में इंडोर तथा अउटडोर स्टेडियम में प्रशिक्षण दिया जाता है ।

इंडोर सभांगण सुबह 6.00 बजे से 8.00 बजे और शाम में 5.00 बजे से 7.30 बजे तक खुला रहता है। ताकि विद्यापीठ के सभी छात्र और कर्मचारी अलग अलग उपकरणों से भरपूर फायदा उठाए । खेलों में भाग लेने हेतु चुने हुए छात्रों को बहुविध व्यायाम शाला में श्रृंखला बद्ध प्रशिक्षण दिया जाता है । विभाग के प्रशिक्षकों/शिक्षकों तथा विशेषज्ञों उन्हें निर्देशित करते रहते हैं ।

स्वस्था तथा सर्वश्रेष्ठ दक्ष छात्रों की पहचान कर उन्हें चुना जाता है। चुने गए छात्रों को विभिन्न खेलकूद में प्रशिक्षित करने के बाद अंतर/दक्षिण अंतर एवं अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय खेलों भाग लेने केलिए भेजा जाता है ।

अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता :-

एस.आर.एम. विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय बॉल बैडमिंटन खेल प्रतियोगिता दिनांक 29 दिसंबर 2016 से दिनांक 2 जनवरी 2017 तक आयोजित किया गया था । राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के व्यायाम विभाग के प्रभारि खेल सचिव, डॉ. सी. गिरिकुमार जी के मार्गदर्शन में 8 छात्रों की एक दल स्पर्धाओं में भाग लिया था । गंगाधर एस हीरेमत (आ.2) दुर्गा श्रीनिवास राव (शिक्षाशास्त्र-1) कोनजेटी मल्लिकार्जुन राव (शा.2), रायलचेरुवु हेमंत (बी.एसी. - 3) विघ्नेश एम.ए.आई.एम.टी.1), बोड्डपटी शिवप्रसाद, तमलमपूजी अनिरुद्ध रेड्डी (बी.एससी.-3), तमुल गणेश (बी.एससी.-2) - प्रतिभागी थे ।

दक्षिण अंचल अंतर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता :-

दिनांक 2 जनवरी से 11 जनवरी 2017 तक दक्षिण अंचल अंतर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता का आयोजन हिंदूस्थान विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा आयोजित किया गया । राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के शारीरिक विभाग के प्रभारी व्यायाम सचिव डॉ. सी. गिरिकुमार के मार्गदर्शन में 14 लोगों का एक दल भाग लिया था। बुंगा जनार्दन (एम.फिल.), रागिपाटि श्रीकांत बाषा (एम.फिल.) सुनील कुमार रामी (एम.एड. 2) मूले अंकश्चा (आ.2) मन्मेपल्ली शिवरामय्या (एम.एससी. - 1), आर. विघ्नेश (एम.ए.आई.एम.टी.-1) अर्जुन मंडल (बी.ए. 3), बिक्रम साहु (बी.. 3) शंकर प्रधान (शा.3), अमिया कुमार पंडा (शा.3), नराल नरसारेड्डी (आ.2), सागर केशरी सामंतराय (शा.3) तमलपूडि अनिरुद्ध रेड्डी (बी.एससी. 2) तुपुराणि साई श्री हर्षा (शा.2) प्रतिभागी थे।

दिनांक 8 से 13 जनवरी 2017 तक दक्षिण अंचल अंतर विश्वविद्यालय खेलप्रतियोगिता (पुरुष) का आयोजन मंगलूर विश्वविद्यालय, मंगलूर में किया गया था । 12 छात्रों का एक दल भागलिया था । आरवीटि आर.टी. नागेंद्र कुमार (आ.2), सीरंसेट्टी वेंकट कोटय्या (आ.2), एस.वी. विजय कुमार (एम.एड.2) मन्नेपल्ली शिवरामय्या (एम.एससी. 1), रायलचेरुवु हेमंत (बी.एससी.), पुचुनूतल रमेश श्रबी.ए.3), आकाश शर्मा (बी.ए.3) संतोष सबर (शा.3), अमियाकुमार पंडा (शा.3), बिक्रम साहु (बी.ए.3) तूमुल गणेश बी.एससी. 2) और गोपिरेड्डी श्रीकांत रेड्डी (बी.ए. 3) ने राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के व्यायाम विभाग के प्रभारी खेल सचिव डॉ. सी. गिरिकुमार जी के मार्गदर्शन में भाग लिए थे ।

वार्षिक दिवस समारोह (2016-17)

वार्षिक दिवस समारोह के अवसर पर वर्ष 2016-17 के लिए व्यायाम विभाग ने छात्र एवं कर्मचारियों के लिए खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया था । कर्मचारियों के लिए अलग से प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई थी। दिनांक 24 फरवरी 2017 को आयोजित वार्षिक दिवस समारोह पर खेल प्रतियोगिता विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्रों को वितरित किए विभिन्न श्रेणी खेल प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण विशेष अमंत्रित अतिथियों द्वारा दिया गया । छात्र खेल चाम्पियन मे नागय्या हीरेमत (शा.3) और छात्रा में स्वाती कल्याणी (आ.1) थी। और पुरुष कर्मचारी में पी. बालसुब्रमण्यम, डेटा एंट्री आपरेटर और महिला कर्मचारिणी में डॉ. के लीनाचंद्रा, साहित्य विभाग की थी ।

(आ) राष्ट्रिय सेवा योजना :-

विद्यापीठ के एन एस एस कार्यक्रमों को छात्रों के प्रति निःस्वार्थ सेवा के प्रति ऊर्जा को बढाने कि उद्देश्य से कर रहे हैं । विद्यापीठ में पाँच एन एस एस इकाइयाँ हैं चार लडकों के लिए और तीन लडकियों के लिए, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम वर्ष 2016-17 के लिए विद्यापीठ के छात्रों के नामांकन के साथ शुरू किया जाता है । सभी कार्यक्रमों को स्वयं सेवकों के द्वारा आयोजित किया गया । प्रत्येक इकाई के लिए 100 स्वयं सेवकों को वर्ष 2016-17 के लिए रासेयो के अंतर्गत दर्ज किया गया । इस प्रकार विद्यापीठ ने रासेयो के पाँच इकाइयों में 700 स्वयं सेवकों को एकत्रित किया ।

उद्देश्य - विद्यापीठ रा.से.यो.इकाइयाँ अपने सेवाओं से समाज के कई लोगों के जीवन में बदलाव लाने को प्रेरित करता हैं।

रा.से.यो. कार्यक्रम-विशेष शिबिर -

विद्यापीठ के सभी राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों ने एक प्रकार से जादू सा बदलाव लाना चाहता है । रा.से.यो. एक ऐसा मंच है जो समाज की सेवा करता है। और कई चेहरों पर मुस्कान ला दें । समाज के लिए एक प्रकार सा त्यौहार सा निर्माण करना चाहते हैं। जहाँ पर अपनी चालाकियों को उजागर कर सकें । यह कोई आसान काम नहीं है फिर भी आगामी वर्षों के लिए विरासत में काम आ सकें ।

इकाई सं	कार्यक्रम अधिकारी	विशेष शिबिर जिन गाँवों को अपनाया	स्वयं सेवकों की संख्या
1.	डॉ. भरतभूषण रथ	संजीवरायपुरम	50
2.	डॉ. परिमिता पण्डा	बलिजिपल्लि	50
3.	डॉ. जे.बी. चक्रवर्ती	पी.वी. पुरम	50
4.	डॉ. ए. सच्चिदानंदमूर्ति	बलिजपल्लि	50
5.	डॉ. सी.गिरिकुमार	पी.वी. पुरम	50
6.	डॉ. टी. लतामंगेश	गंगमांबपुरम	50
7.	डॉ. ए. सुनीता	रामिरेड्डीपल्लि	50

दिनांक 15 मार्च से 21 मार्च 2017 तक सात इकाइयों मे विशेष शिबिरों का आयोजन किया ।

सामाजिक तथा आर्थिक प्रतिकूल स्थितियों को दृष्टि में रखते हुए विद्यापीठ रा.से.यो.इकाइयों ने चित्तूर जिला के उपरोक्त पिछडे गाँवों में जागरुकता लाने हेतु चुना था। रा.से.यो.लक्ष्य प्राप्ति के लिए कार्यक्रम अधिकारियों के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने 7 दिनों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया । सात इकाइयाँ दिनांक 15 मार्च, 2017 से 21 मार्च 2017 तक विशेष शिबिर चलाया गया। रा.से.यो.के संयोजक और कार्यक्रम अधिकारियों के नतृत्व में शिबिरों को प्रभावपूर्ण ढंग से आयोजित किया था । निम्न योजनाओं द्वारा चुने हुए गाँवों में विकास लाया ।

सर्वे - रा.से.यो. के संयोजनाधिकारी के आदेशानुसार सभी छात्र सदस्यों को गाँव में घूमकर मुफ्त सर्वे किया गया। एक-एक घर जाकर उनको सरदार द्वारा प्राप्त सुविधाएँ, शिक्षा व्यवस्था, गैर सरकारी सुविधा आदि की जानकारि और आरोग्य संबधि जानकारी भी ली गई थी। उसके बाद हम अपनी ओर से कुछ बदलाव लाने हेतु नए विचार प्रकट करते हैं। यह सुनकर गाँव का सरपंच और विद्यालय मुख्याध्यापक सभी काफी प्रभावित हुए थे ।

श्रमदान - स्कूल और गाँव के चारों तरफ साफ सफाई की। खेल मैदान साफ कर उसका एक आकार भी दिए थे । हमने अलग-अलग तरह के 25 प्रकार पौधों का रोपन किया । स्कूल के चारों ओर बीज रोपण कर काफी सुंदर बनाया। स्कूल भवन को चूने से लेपन कर सफेद बनाया। इसके लिए स्कूली बच्चों और ग्रामीण से रा.से.यो.इकाईयों के सदस्यों की काफी प्रशंसाये प्राप्त हुई थीं।

गाँववालों से नाटक - समूह के सदस्यों ने स्कूल के वातावरण पर तेलुगु भाषा में एक नाटक का आयोजन किया। उस में महिला शिक्षा संबंधी महत्व दिया गया था । तंबाकु सेवन से होने वाली हानि, शराब लेने से होने वाली बुराई पर प्रकाश डाला। इससे गाँव वाले बहुत प्रभावित हुए। हमारे सामने गाँव वालों ने यह निर्णय लिया कि शराब और धूमपान सेवन नहीं करेंगे।

आपदा प्रबंधन -बाढ और अकाल जैसे अलग-अलग परिस्थितियों का मुकाबला करना तथा जीवन को कैसे बचाया जाए, इस पर एक उपयोगी व्याख्यान दिया गया। झूठी परिस्थितियों में कर्तव्यों का बोध करवाया गया। विविध आधुनिक और जीवत तकनीकों से गाँववालों को गतिविधियों का संचालन करना सिखाया ।

साक्षारता कार्यक्रम –रा.से.यो.स्वयं सेवकों ने गाँवों में घूमकर स्कूल आयु के बच्चों और उनके अभिभावकों को एक स्थान पर एकत्रित किया। उनको बालाश्रम द्वारा होने वाली हानियाँ और शिक्षा के महत्व के बारे में बताया। बच्चों के माता-पिता ने व्याख्यानों से प्रभावित होकर बच्चों को पास वाले स्कूल में भर्ती करवाया। यह एक मुश्किल काम था। लेकिन हम ने इसे आसान तरीके से पूरा किया ।

संस्कृति और जागरूकता कार्यक्रम :

इस वर्ष विद्यापीठ ने ग्रामीणों को नए विचारों से उत्तेजित की सोच से व्याख्यानों करने और भारतीय विरासत तथा संस्कृति पर नाटक जैसे पुराणों का प्रवचन, सनातन धर्म में सांप्रदायिक सद्भाव को अपनाया ।

स्वयं सेवकों ने ग्रामीणों में ए.आई.डी.एस. और उसकी जटिलताओं, नियंत्रित करने के लिए इस खतरनाक प्रभावित सिंड्रोम से सावधानी से जीवन व्यतीत करने की जागरूकता का सर्वश्रेष्ठ तरीकों से प्रयास की ।

पर्यावरण जागरुकता -

* ग्रमामीणों को पर्यावरण प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग और वृक्षारोपण के महत्व के बारे में बताया गया ।
* शौचालय उपयोग और उन्हे एवं घर और परिस प्रांतो को साफ सुथरे तरीके से रखने में अभ्यसिव करना ।
* गाँवों में मंदिरों को साफ करने चूने से लेपन कर सफेद बनाया तथा मंदिरों को एक नया रूप दिया ।
* बच्चों के लिए 'संस्कत पढो' शिबिर कार्यक्रम का आयोजन किया ।
* दूसरी ओर कार्यक्रम अधिकारियों और सदस्यों ने गाँव वालों को धर्म और मूल्य प्रणाली तथा संरक्षण पर व्याख्यान दिए। इसके लिए सभी की ओर से रा.से.यो.इकाइयों को अच्छी प्रशंसा प्राप्त हुई ।

एक दिन शिबिर -

एक दिन शिबिर कार्यक्रम भी रा.सं.वि.परिसर प्रांत में आयोजित की जाती है । 45 एकड भूमि पर विभिन्न इमारतों जैसे पुस्तकालय, शैक्षिकभवन, छात्रावास, प्रशासनिक भवनों का निर्माण किया गया । एक बडा मैदान भी है जिसमें नियमित से रा.से.यो कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है। इन इकाइयों ने पुस्तकालय परिसर प्रांत में स्वच्छता एवं हरा भरा पौधों का रोपण करवाया । इन इकाइयों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रम सूचीबद्ध है -

कंकडे और पत्थरों को निकालकर बैडमिंटन, वॉलीबाल, और खो खो मैदान को समतल बनाया तथा क्रिकेट पिच को सीधा किया ।

स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम

मानव संसाधन उन्नति मंत्रालय और युवा मामलों का मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशन के अनुसार आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2019 तक भारत को स्वच्छ बनाना चाहते हैं। जाति पिता श्री गाँधीजी के स्वप्नों को साकार बनाने के लिए उनका 150 वॉ जन्म दिन के सुअवसर पर विद्यापीठ एन.एस.एस इकाई ने इस कार्यक्रम का आयोजन साल भर के लिए किया । विद्यापीठ के सभी नौकरी करनेवाले अपने काम करने की जगह को

साफ रखे । विद्यापीठ के प्रांगण को स्वच्छ बनाने के लिए अन्य वाहनों को न प्रवेश करे । संगोष्ठी, सम्मेलन, कार्यशाला और अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों में शिक्षकों का भाग लेना।

रक्त दान शिबिर -

एन एस एस के इकाइयों के सहयोग से विद्यापीठ के छात्रों ने 02.10.2016 (गाँधी जयंती) रक्त दान शिबिर का आयोजन किया। इस अवसर पर कुलपति ने रक्तदान की महत्व और यह किस प्रकार जीवन बचा सकता है उसके बारे में बताया । लगभग 54 छात्रा और विद्यापीठ के सदस्यों ने इस रक्त दान शिबिर में भाग लिए । और 142 इकाई रक्त जमा किया गया ।

इ. द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन सांख्य योग, योग, तनाव प्रबंधन एवं हीलिंग केन्द्र, सीओई और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा किया गया। इस समारोह की सुव्यवस्थित आयोजन करने के लिए कर्मचारियो एवं छात्रों के लिए निबंध लेखन, भाषण और योगासन प्रतियोगिताओं के आयोजित किया गया ।

कार्यक्रम में प्रो. सीएच.पी. सत्यनारायण, प्रो. राधाकांत ठाकूर जी, प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा जा, डॉ. सी. रंगनाथन, डा. सी. राघवन, डा. डी. ज्यती, डा.ॅ. राजेंद्ररेड्डी, डा. डी. नल्लन्ना, डा. वी.जी. शिवशंकर रेड्डी, डा. दक्षिणामूर्ति, आदि शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी तथा सभी छात्र उपस्थित थे । इस अवसर पर कई गतिविधियों का आयोजन किया गया ।

महर्षि पंतजलि के प्रतिमा को पुष्पमाला का समर्पण

दिनांक 21 जून 2016 को द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को वैदिक प्रार्थना एवं महर्षि पतंजलि के प्रतिमा को प्रभारी कुलपति प्रो. श्रीपाद सत्यनारायण द्वारा पुष्पमाला को समर्पित करते हुए कार्यक्रम का आरंभ किया गया । कुलपतिजी ने कर्मचारियों, छात्रों ओर जो पूजा मे शामिल होने आए सभी योग के उत्साही लोगों का स्वागति किया। उन्होंने एकत्रित सभा की संबंधित करते हुए कहा कि माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्रमोदी का अथक प्रयासों के कारण ही जून 21 पूरा राष्ट्र एवं विश्व अंतराष्ट्रीय योग दिवस मना रहा है । इस अवसर पर उन्होंने कहा कि योग एक भारतीयविज्ञान और कला है जिससे इस संदर्भ में उन्होंने डा. ए. राजेन्द्ररेड्डी, परियोजनानिर्देशक, योग तनाव प्रबंधन, सीओई से जनता के लाभ के लिए विस्तार गतिविधियों का आयोजन करने के लिए अनुरोध किया । और समारोह में उपस्थित सभी लोगों को खुशी और शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की वसुदैव कुटुंबम को स्थापना कर सकते हैं ।

सामान्य योग मसविदा :-

महर्षि पतंजली को प्रार्थना करने के बाद सभी कर्मचारियों और छात्रों ने एस.बी.आर. सभा भवन में सामान्य योग मसविदा में भाग लेने के लिए एकत्रित हुए । प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा जी ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और उद्घाटन भाषण दिया । उन्होंने कहा कि योग 5000 वर्ष प्राचीन भारतीय शारीरक, मानसिक और आध्यात्मिक प्रथा है जिसका मुख्य उद्देश्य परिवर्तन है जो शरीर एवं मन तथा मनुष्य और प्रकृति के बीच सद्भाव सुनिश्चित करता है ।

सामान्य योग मसविदा में शामिल होने से पहले सभी संकायों विभागाध्यक्षों, आचार्यों, शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने एकत्रित छात्र समुदाय को अलग अलग आसन, प्राणायाम, विविध, मुद्रा आदि का प्रदर्शन करके प्रेरित किया । सामान्य योग मरविदा मे भागीदारी लेनेवाले योग अभ्यासार्थों को डॉ. . राजेन्द्र रेड्डी और श्री लक्ष्मीनारायण जी ने निर्देश दिए ।

प्रदर्शनी :- एक चित्र प्रदर्शनी, सांख्या योग विभाग, तनाव प्रबंधन और चिकित्सा केंद्र के उपलब्धियों को उजागर करती हुई योग मंदिर में व्यवस्थित की गई थी । इस प्रदर्शन को दर्शकों के लिए शाम तक खुला रखा ।

योग जागरूकता मार्च -

प्रो. राधाकांत ठाकुर, शैक्षिक संकाय प्रमुख ने योगजागरूकता मार्च का ध्वजांकित किया था । प्रो. सी.एच.पी. सत्यनारायण, प्रो.वी.मुरलीधर शर्मा, डॉ ए. श्रीपाद भट्ट, डॉ. सी.रंगनाथन, डॉ. प्रह्लादा जोशी, डॉ. भरत भूषण रथ, डॉ. ए. श्रीपाद भट्ट, डॉ. वै. विजयलक्ष्मी, डॉ. टी.लतामंगेश, डॉ.डी.ज्योति, डॉ. ए.राजेंद्र रेड्डी और शिक्षकेतर कर्माचारियों ने जुलुस में उत्साह के साथ भाग लिया। अंतराष्ट्रीय योग दिवस से संबंधित संदेशों के प्लेकार्ड के साथ छात्रों, कर्मचारियों और अन्य योग समर्थकों ने 2.0 किमी की दूर तक भाग लिए थे।

संगोष्ठि -

योग पर्व से संबंधित 'योग और व्यक्तिपरक उपजीवन' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें एस.वी. आयुर्वेद कॉलेज, तिरुपति के मुख्य चिकित्सा अधिकारी स्विमस् तिरुपति के विभाग के डॉ वी.वनजा, दूर विद्या निदेशालय के निदेशक प्रो.सी.एच.पी.सत्यनारायण अद्वैतवेदांत विभाग के प्रो.एम.एल.एन.मूर्ति, प्रो.एम.एस.आर.सुब्रह्मण्य शर्मा ने अपने विशिष्ट भाषणों से सभा को प्रभावित किया। डॉ.डी.ज्योति ने गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया । उन्होंने पतंजली योग सूत्र और इह योग प्रदीपिका से संबंधित आसन, क्रिया, प्राणायाम और दर्शन के उपयुक्त संस्कृत श्लोकों का वर्णन करते हुए प्रतिभागियों का ध्यान आकर्षण किया । उन्होंने कहाकि ये केवल सैद्धांतिक स्पष्टीकरण नहीं है बल्कि मानव कल्याण के गहरे जडे हैं। उन्होने सभी से अनुरोध किया कि वे इस समारोह के भाग बनकर इसको सफल बनाए । राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के कुलसचिव प्रो.सी. उमाशंकर ने दीपप्रज्वालन कर समारोह का उद्घाटन किया । उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में उन्होंने कहा कि यह कल्याण कार्यक्रम तनाव मुक्ति दुनिया एवं योग संदेश फैलाने तथा शांति और सद्भावना पर ध्यान केंद्रित करेगा ।

प्रो.एम.एल.एन मूर्ति जी ने सांसारिक गडबडियों से मन को दूर रखने के लिए तथा योग की भूमिका पर विचार व्यक्त किया । उन्होंने अद्वैत वेदांत के व्यावहारिक सिद्धांतों को बडे पैमाने पर उद्धृत किया जैसे मुमुकसुत्वा, नित्यनित्यवस्तुविवेका, वैराग्य, समाधि सटका, भक्ति और अष्ठांगयोग । तथा खुशी जीवन का नेतृत्व करने के लिए उनके महत्व का ब्यौरा दिया ।

रामकृष्ण मिशन के अनुयायी डॉ मुरलीकृष्ण ने स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए मानव मूल्यों पर प्रेक्षकों को प्रेरित व्याख्यान दिया । उन्होंने स्वामी विवेकानंद के राजयोग से कई अंशो को बताते हुए प्रत्येक आदमी संभावित रूप से दैवीय है और योग उस दिव्यता को लाने के लिए एक मात्र व्यावहारिक तरिका कहा ।

प्रो. सि.एच.पी.सत्यनारायण जी ने योग प्रेमियों को संदेश दिया । उन्होंने कहा कि योग में 'अष्ठांग योग' में शामिल है । जिीसकी अभ्यास से एकी कृत व्यक्तित्व विकसित होती है । उन्होंने कहा कि योग मूल्या, कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को बढावा देता है और व्यक्तियों, परिवार के सदस्यों और विषयों से सामाजस्यपूर्ण अस्तित्व बनाए रखने में सहायता देता है ।

रामचंद्र मिशन की विचारधारा का प्रतिबिधित्व करने वाली डॉ. वी वनजा ने ध्यान की बुनियादी सिद्धांतो और प्रथा को लागू करके सभी को प्रभावित किया । उनके अनुसार ध्यान करने का तात्पर्य है मन और शरीर को आराम से रखना। विस्तृत स्पष्ठीकरण शामिल नहीं है । लेकिन शरीर और मन को आराम रखने के लिए एक सरल दृष्टिकोण की आवश्यकता है । संगोष्ठी का मुख्य आकर्षण ध्यान के व्यावहारीक प्रदर्शन। जिसमें कुछ प्रतिभागियों ने सचमुच ही सो गये ।

प्रो. एम.एस.आर.सुब्रह्मण्य शर्मा ने योग के मूल्यो पर एक प्रतिष्ठित भाषण दिया । वेदिक कवितौ - 'द्वा सुपर्णा सयुजा सखाये समनम् वक्छं परि सस्वजते तयोरणयः पिप्पलम् स्वद्वत्य नासन्ननयो अभि चक्चसिति ' उन्होंने कहा कि आनंद प्राप्ति हमारे कर्मां से ही होती है । हम जो कुछ करने हैं उसका फल ही भुगते हैं । यही दूसरे जन्मो में प्रवेश करता है इसलिए, भगवानकृष्ण ने अर्जुन को श्रीमदभगवतगीता में 'निष्कामकर्मा और वर्णश्रमधर्म' के सिद्धांतो का पालन करने को आने कर्तव्यनिर्वहण करने तथा उसके बाद के शांति पूर्ण जीवन बिताने की उपदेश दिया ।

समापन समारोह :

समापन समारोह में कुलसचिव प्रो.सी.उमाशंकर जी ने अंतराष्ट्रीय योगदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित निबंध लेखन, भाषण और योगासन प्रतियोगिताओं के 16 विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया । हर्ष एवं उल्लास के साथ मंच पर गणमान्य अतिथियों को सम्मानित किया गया ।

डॉ. ए. राजेंद्र रेड्डी, परियोजना निर्देशक, योग, तनाव प्रबंधन, थेरेपी केंद्र के सीओई ने धन्यवाद भाषण दिया । उन्होंने कहा कि ऋषि पतंजलि व्यवस्थित करने से पहले से ही योग की प्रथा प्रचलित थी । योग एक प्राचीन प्रथा जो भारतीय गुरुकुलों के संस्थापकों अर्थात दर्शानिकों से विरासत मिली । इस प्रकार आस्तिक और नास्तिक के दरारों के बावजूत व्यावहरिक विज्ञान का मार्ग प्रशस्त हुआ । उन्होंने कहा कि जैमिनी, कानादा, बादरायण, बौद्ध, वर्धमान और अन्य महान प्राचीन व्यक्तियों ने योग का अभ्यास किया गया और उनकी शिक्षाओं की सच्चाइयों का एहसास दिलाया । उन्होंने विद्यापीठ में विभिन्न योग कार्यक्रमो की पेशकश के लिए विद्यापीठ के अधिकारियों को आभार व्यक्त किया । उन्होंने संकाय प्रमुखों, विभागाध्यक्षो और अन्य लोगों को धन्यवाद अर्पण किया । और उन्होंने इस कार्यक्रम को संपन्न में सहायता दिए सभी के धन्यवाद दिया । समारोह वैदिक प्रार्थना के साथ समाप्त हो गया ।

सर्वे भवन्तु सुखिनः

सर्वे सन्तु निरामया

सर्वे भद्रानि पश्यन्तु

मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत् ।

संगोष्ठी, सम्मेलन, कार्यशाला और अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों में शिक्षकों ने भाग लिए -

आचार्य आर.एल.नरसिंह शास्त्री

1. कांची कामकोटि पीठम् के श्री जगद्गुरु जयेन्द्र सरस्वती शंकराचार्य स्वामी जी के जयंती के उत्सव कांची कामकोटि शंकर मठ, शिबिर लब्बिपेट, विजयवाडा आन्ध्र प्रदेश में 20.7.2016 से 22.7.2016 तक आयोजित किया गया । इस में वे राष्ट्रीय स्तर के साहित्य विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया ।

आचार्य जे.रामकृष्णा

1. उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार में 17.7.2016 से 22.7.2016 तक चलनेवाला योग विभाग के लिए शिक्षण संकाय का चयन करने के लिए साक्षात्कार बोर्ड के सदस्य के रूप में भाग लिया ।
2. ब्रह्म श्री एम.एम. मद्दुलपल्लि माणिक्यशास्त्री की शताब्दी जन्मोत्सव के संबंध में दर्शन और वेदांगों पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिए । वे ब्रह्म श्री एम.एम. मद्दुलपल्लि माणिक्यशास्त्री समिति विजयवाडा में 13 मार्च 2017 को वे अपना ''वृद्धीरादैच्'' पपत्र को समर्पित किया ।
3. आचार्य श्री सीतारामशास्त्री व्याकरणमाला में् शामिल होकर, व्याकरण विभाग, एस. वी. डी.डी. के संकाय बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वारणासी के द्वारा आयोजित 26 फरवरी से 3 मार्च, 2017 को वे अपना प्रपत्र ''व्याधिकरणबहुव्रीहीविचारह'' पर प्रस्तुत किया ।
4. श्री अंबासत्रम, श्री शृङ्गेरी शारदापीठ सपरिकराद्वैत वेदांत सभा, भद्राचलम के द्वारा आयोजित वाक्यार्थ सदन में भाग लेकर 31 मार्च 2017 से 2 अप्रैल 2017 को ''वान्तोथि प्रत्यये'' प्रत्याय पर अपना प्रपत्र को समर्पित किया ।
5. एकलव्य कैंपस द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान अगरतला के द्वारा 28 दिसंबर, 2016 को अखिल भारतीय उपक्रम प्रतियोगिता में एक विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया ।

आचार्य ए. श्रीपादा भट्ट

1 3.5.2016 को एस.वि. वैदिक यूनिवर्सिटी तिरुपति के द्वारा वेद और संबद्ध विषयों पर किए गए रिफ्रेश पाठ्यक्रम में एक व्याख्यान दिया । 2.

2. 1.6.2016 को एस.वि. वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति में वेद और संबद्ध विषयों पर रिफ्रेश पाठ्यक्रम पर एक व्याख्यान दिया ।
3. आर.एस.संस्थान नई दिल्ली के द्वारा आयोजित 11.7.2016 को पीएच.डी. की विद्या परीक्षा में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिए ।
4. श्री लालबहादूर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 12.7.2016 को वास्तु शास्त्र के चयन के लिए एक विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया ।
5. एस.एम.एस.पी. संस्कृत महाविद्यालय, उडुपी में संस्कारोत्सव समारोह में 19.8.2016 को व्याख्यान दिये ।

आचार्य वि. उन्निकृष्णन नमपियात्री

1. 07.07.2016 से 08.07.2016 तक केरल विश्वविद्यालय तिरुवनंतपुरम में गोपनीय परीक्षा कार्यक्रम में भाग लिये ।

2. 16.07.2016 को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, राजीवगाँधी परिसर, शृंगेरी - कर्नाटक में सत्र 2016-17 के वास्तु डिप्लोमा कोर्स में प्रवेशों के लिए आयोजित मौखिकी में बाह्य विशेषज्ञ के रूप में भाग लिए ।

डा. निरंजन मिश्रा

1. जगन्नाथ रथ यात्रा के संदर्भ में पुरी में 3-7-2016 से 18.7.2016 तक श्री जगन्नाथ सांस्कृतिक लाइव टैलीकास्ट कार्यक्रम पर आध्यात्मिक भाषण प्रस्तुत किया गया है ।

2. जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान पुरी में 5.7.2016 से 7.7.2016 तक श्री जगन्नाथ सांस्कृतिक टेलीकास्ट कार्यक्रम (कर्ल टी.वी.) द्वारा आध्यात्मिक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया है ।

3. मार्च 30,31 - 2017 को श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री विहार, पुरी के वेद विभाग द्वारा आयोजित द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ऋग्वेदानुक्रमन्यानुसारामुख्यार्थ विचारः नामक प्रपत्र प्रस्तुत किया गया ।

4. फरवरी 8,9 - 2017 को व्याकरण विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी मं भाग लिया और समासे स्वर विचारः नामक प्रपत्र प्रस्तुत किया । 10 फरवरी 2017 को अद्वैत वेदान्त विभाग द्वारा आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी मं भाग लिया और 'ईशावास्योपनिषदि आत्मस्वरूपम' नामक प्रपत्र प्रस्तुत किया । 11 फरवरी 2017 को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, पुरी के सर्वदर्शन विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

आचार्य आर.जे.रमा श्री

1. श्री पद्मावलती महिला विश्वविद्यालय, तिरुपति - इन्स्ट्यूट ऑफ फार्मासूटिकल टेक्नोलजी में 2-8-2016 को बी.फार्मसी छात्रों की प्रायोगिक परीक्षा में बाह्य-परीक्षक के रूप में उपस्थित थे ।

2. राऊस इन्स्ट्यूट ऑफ मेनेजमेंट स्टडीस, नेल्लूर में सत्र 2016-17 में एम.सी.ए. और एम.बी.ए. चलाने हेतु अंशकालिक रूप से मान्यता प्रदान करने के निमित्त आयोजित परीक्षण समिति सदस्य के रूप में 1.8.2016 को वहाँ उपस्थित थे ।

3. 13.6.2016 और 14.7.2016 को सी.एम. और सी.एस. श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति के कंप्यूटर विभाग द्वारा आयोजित एम.सी.ए. चार सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षा में बाह्य परीक्ष के रूप में थे।

4. 24.8.2016 को सिद्धार्थ कॉलेज ऑफ कंप्यूटर साइन्स, मुसुमूर, कावली में संचालित एम.सी.ए. चार सेमेष्टर की प्रायोगिक परीक्षा में बाह्य परीक्षक के रूप में उपस्थित थे ।

5. श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय में डी.वी.टी.जे.आर.एफ. के लिए 29.8.2016 आयोजित चयनित मंडल में सदस्य के रूप में उपस्थित थे ।

6. 22.9.2016 को कृष्ण चैतन्य इन्स्टिट्यूट ऑफ साइन्स एण्ड टेक्नोलाजी, काकुतूर, नेल्लोर में एम.सी.ए. 2 सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षा में उपस्थित होकर परीक्षा का संचालन किया गया ।

7. 22.11.2016 को यू.जी.सी. - एच.आर.जी.सी. द्वारा श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय में आयोजित 76 वें ओरियंटेशन प्रोग्राम में रिसोर्स पर्सन के रूप में उपस्थित होकर ''इनफर्मेशन टेक्नोलाजी'' नामक विषय पर भाषण दिये ।

8. 15.12.2016 को श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय तिरुपति के डिपार्टमेन्ट ऑफ कम्यूनिकेशन एण्ड जर्नलिजम, यू.जी.सी. मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट में प्रोजेक्ट फेलो की चयनित समिति मे विषय विशेषज्ञ के रूप में रहें ।

9. 9.2.2017 से 10.2.2017 तक कंप्यूटर विभाग, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय - तिरुपति में एम.सी.ए. - 4 सेमेस्टर छात्रों की मौखिक परीक्षा के अवसर पर उपस्थित होकर परीक्षा चलाई गयी।

डॉ.श्रीधर

1. श्री वेंकटेश्वर वेद विश्वविद्यालय में दिनांक 26.7.2016 को 'वेद-साइन्स' नामक विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिए ।

डॉ. ए.चंदूलाल

1. ओपन जर्नल ऑफ अल्लाइड एण्ड थियोराटिकल मैथीमैटिक्स 2(4) । 353-365 ऐ.एस.एस.एन : 2455-7102 में ''एपेक्ट ऑफ सर्फेस स्ट्रेस ऑन एलास्टिक वेव्स ऑफ एन इन्फिनिटि प्लेट'' नामक प्रकाशित हुआ ।

2. 19.12.2016 से 21.12.2016 तक गणित विभाग, आइ.आइ.टी. (आइ.एस.एम.) धनबाद, ढारखंड द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''सर्फेस स्ट्रेसस ऑन दी प्रायापगेशन ऑफ एलास्टिक वेव्स नामक विषय का लेख प्रकाशित किया गया ।

3. 23.12.2016 से 25.12.2016 तक गणित विभाग, बाबा इन्स्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलाजी एण्ड साइन्स, विशाखपट्टणम, आन्ध्रप्रदेश द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''दी प्रापगेशन ऑफ एलास्टिक वेव ऑफ देयर इन्फ्लूएन्स'' नामक प्रपत्र प्रस्तुत किया गया ।

4. 03.01.2017 से 07.01.2017 तक श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय - तिरुपति के 104 वें इंडियन साइन्स कान्ग्रेस में भाग लेकर ''वेव प्रापगेशन माइक्रो एलास्टिक सालिड़'' नामक प्रपत्र प्रस्तुत किया गया ।

5. बाबा इन्स्ट्यूट ऑफ टेक्नोलाजी एण्ड साइन्स, विशाखपट्नम, आन्ध्रप्रदेश में 23.12.2016 से 25.12.2016 तक आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित होकर ''मैथमेटिक्स एण्ड इंजीनीयरिंग अप्लिकेशन्स, सत्र का अध्यक्ष थे ।

6. 9.12.2016 से 11.12.12016 तक गणित विभाग, एन.बी. के. आर. इन्स्टिट्यूट ऑफ साइन्स एण्ड टेक्नोलाजी नेल्लोर, ए.पी. द्वारा ''आन्ध्रप्रदेश समाज के लिए गणित शास्त्र'' नामक विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिए ।

7. 6.3.2017 से 11.3.2017 तक यू.जी.सी. अकादमिक स्टाफ कॉलेज, जे.एन.टी.यू., हैदराबाद द्वारा आयोजित ''ई-लर्निंग एण्ड ऐ.सी.टी. फर टीचिंग एण्ड लर्निंग'' के शार्ट टर्म कोर्स में शामिल हुए ।

8. 06.02.2017 से इंडियन साइन्स कान्ग्रेस आसोसियेशन का सदस्य सदस्यता संख्या (नं. एल. 31828)

आचार्य एम.एल.एन.मूर्ति

1. 11.3.2017 से 13.3.2017 तक ब्रह्मश्री एम.एम. मद्दुलपल्ली माणिक्यशास्त्री समिति, विजयवाडा द्वारा दर्शन और वेदांग विषय पर आयोजित राष्ट्रयी संगोष्ठी में भाग लेकर 'फलधीकरणम' नामक प्रपत्र प्रस्तुत किये हैं ।

2. कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बेंगलूर, कन्नड साहित्य परिषद मंदिर, चामराजपेट बेंगलूर में 17.4.2017 से 18.4.2017 तक शुक्ल यजुर्वेद विषय पर आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर भाषण दिये ।

आचार्य एम.एस.आर.सुब्रह्मण्य शर्मा

1. 29.8.2016 से 31.8.2016 तक अद्वैत वेदान्त विभाग, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी में संचालित विद्यावारिधी (पीएच.डी.) मौखिक परीक्षा के बाह्य परीक्षक के रूप में रहें ।

डॉ. के.गणपति भट्ट

1. 19.10.2016 से 20.10.2016 तक संस्कृत और प्राकृत भाषाएँ, सावित्रि बाई फूले, पुने विश्वविद्यालय, पुने में आयोजित संगोष्ठी में 'वेदांत दर्शन' पर भाषण दिये ।

2. 16.3.2017 से 17.3.2017 तक राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, गुरुवायूर कैम्पस, केरल में आयोजित द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अद्वैत वेदांत' पर विशेष भाषण दिया गया ।

3. 13.3.2017 को ब्रह्मश्री एम.एम. मद्दुलपल्लि माणिक्य शास्त्री समिति, विजयवाडा द्वारा 'दर्शन और वेदांग विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थित होकर ''अनुमानबधोद्धार' नामक प्रपत्र प्रस्तुत किया गया है ।

4. 22.3.2017 को संस्कृत वेदांत विभाग श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कारडी, केरल में 'वेदांत' विषय पर आयोजित त्रि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकगर प्रपत्र प्रस्तुत किया गया ।

5. 31.3.2017 से 1.04.2017 तक श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, वीरावल, गुजरात में संचालित बोडँऑफ स्टडीस मीटिंग में उपस्थित होकर विषय विशेषज्ञ के रूप में थे ।

6. मई 1 और 2, 2017 को खरगोन जिले में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'श्री आदिशंकराचार्य जयंती महोत्सव' के अवसर पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा राज्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया ।

7. 21.22 जनवरी 2017 को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, शृंगेरी, द्वारा व्याकरण शास्त्र में 'वृत्ति विचार' नामक विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिए ।

डॉ. विश्वनाथ

1. श्री शंकर विद्यालय संघ, श्री शंकर विद्यालय बापट्ल में 9.8.2016 को श्री शंकरविद्यालय उत्सवों के अवसर आयोजित राष्ट्रीय वेद सम्मेलन में भाग लिए ।
2. 20.7.2016 और 21.7.2016 को 'कंचि काम कोटि पीठम शंकर मठ, विजयवाडा में जगद्गुरु जयेंद्र सरस्वती शंकराचार्य स्वामीजी के जंतोत्सवों पर आयोजित शास्त्र परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किये ।
3. श्री कंचि वेद वेदांत शास्त्र सभा, तेनाली में 24.6.2016 को संचालित न्याय परीक्षा के परीक्षक के रूप में उपस्थित थे ।
4. 2.8.2016 और 3.8.2016 को श्री गणपति सच्चिदानंद आश्रम, दत्त नगर, मैसूर में श्री दत्त विजयानंद तीर्थ स्वामीजी के 13 वें चतुर्मास व्रत दीक्षोत्सव के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर 'अर्थनतारत्वव्यापदेशाधिकारणविमर्श' नामक प्रपत्र प्रस्तुत किया गया है ।
5. 13.9.2016 से 16.9.2016 तक श्री श्री जगद्गुरु शंकराचार्य महासंस्थानम्, दक्षिणाम्नाय श्री शारदापीठम्, शृंगेरी में संचालित श्री महागणपति व्याख्यार्थ विद्वत् सभा (राष्ट्रीय स्तर का वार्षिक सम्मेलन) के अवसर पर उपस्थित होकर 'शक्तिवादे सर्वपद विचार' नामक प्रपत्र प्रस्तुत किया गया है।

आचार्य नरसिंहाचार्य पुरोहित

1. 22.8.2016 से 24.8.2016 तक श्री राघवेन्द्र स्वामी मठ, कोप्पल, कर्नाटक में श्री राघवेन्द्र स्वामीजी के आराधना महोत्सवों के अवसर पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किये गये हैं ।
2. श्री राघवेन्द्र स्वामी मठ, मंत्रालय, कर्नूल, आन्ध्रप्रदेश में 31.10.2016 से 4.11.2016 तक द्वैत वेदांत पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिये ।
3. 12.12.2016 से 16.12.2016 तक श्री राघवेन्द्र स्वामी मठ, मंत्रालय, कर्नूल के श्रीमन्यायसुधा मंगल महोत्सव में भाग लिए ।

प्रो.वी.एस.विष्णुभट्टाचार्युलु

1. वेद विश्वविद्यालय, तिरुपति में 24.05.2016 को संचालित रिफ्रेसर कोर्स के अवसर पर 'आगम शास्त्र का महत्व' नामक प्रपत्र प्रस्तुत किया गया है ।
2. 8.8.2016 और 9.8.2016 को श्री वैखानस संघ, मैसूर, द्वारा संचालित कार्यक्रम श्री वैखानस कल्पसूत्र वैशिष्ट्य' पर प्रपत्र प्रस्तुत किया गया है ।
3. 5 जून 2016 को पोट्टि श्री रामुलु विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'वेदांग ज्योतिष का महत्व' पर प्रपत्र प्रस्तुत किया गया है ।

डॉ.टि.एस.आर.नारायणन

1. 4.10.2016 को वैष्णविजयम् विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा ''श्रीरामानुज के कार्य और उनका प्रभाव'' नामक विषय पर आयोजित द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लि?ए और प्रपत्र प्रस्तुत किये ।

डॉ.डि.ज्योति

1. 19.7.2016 से 21.7.2016 तक 'वेदिक फाउण्डेशन्स ऑफ इंडियन मैनेजमेंट और राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिए और 'वर्तमान समाज के लिए योग का महत्व' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किये ।
2. 19.8.2016 को राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति द्वारा ''आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''सर्वलोकहितय - अष्टांगयोजस्य महत्वम्' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया है ।
3. 15, 16 अक्तोबर 2016 को शिक्षा संस्कृत उत्थान, नई दिल्ली और राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा आयोजित भारतीय भाषा सम्मेलन में 'मातृभाषा मधुर भाषा' विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया गया ।
4. 3,4 अक्तोबर 2016 को इंडियन अकादमी ऑफ सैकोलाजिस्ट्स, मनोविज्ञान विभाग, योगिवेमन विश्वविद्यालय, कडपा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में ''कल्टिवेशन ऑफ करेक्ट सैकोलाजिकल आटिट्यूड्स बाइ योगासन टु रीच ब्लिसफुलस्टेट'' नामक विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया गया है ।
5. 25.11.2016 को धर्म शास्त्र विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेकर ''संविधान में समान अधिकार''' नामक विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया गया है ।
6. श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति द्वारा 3.1.2017 से 7.1.2017 तक आयोजित 104 वें 'दि इंडियन साइन्स भीरतीय विज्ञान केंद्र' में भाग लिए ।
7. हिंदी और संस्कृत से संबंधित एक राष्ट्रीय जर्नल में ऐ.एस.एस.एन. नं. 2454-9177, एक लेख प्रकाशित किया गया ।
8. हिंदी और संस्कृत से संबंधित एक राष्ट्रीय ऑन लाइन जर्नल में ऐ.एस.एस.एन.नं. 2454-9177, ''एपेक्ट ऑफ योग थेरपी एण्ड होमियोपथि ऑन ओबेसिटी'' नामक लेख प्रकाशित हुआ ।
9. ''हिंदी और संस्कृत संबंधित एक राष्ट्रीय जर्नल में ऐ.एस.एस.एन. नं. 2454-9177, ''योग डाक्ट्रिनेस इन पुराणास'' नामक पत्र प्रकाशित हुआ ।
10. व्यासश्री वा. 9-एक रिसर्च जर्नल - ऐ.एस.एस.एन. 2320-2025, में ''संख्य डाक्ट्रिनीस इन पुराणास'' नामक प्रपत्र प्रकाशित हुआ ।
11. ए जर्नल ऑफ क्लासिकल आइडास एण्ड करैंट रिसेर्च (ऐ.एस.एस.एन. 0972-5431) में ''योगासना एण्ड इट्स इम्पाक्ट ऑन साइकोलाजिकल वेतबीइंग'' नामक पत्र प्रकाशित हुआ ।

12. राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति के द्वारा दिनांक 21 जुलाई 2016 को आयोजित ''अन्तर्राष्ट्रीय योगा दिवस के उपलक्ष्य में संयोजक के रूप में कार्य किये ।

13. केन्द्रीय विद्यालय तिरुपति, रेण्गुंटा और वेंकटगिरि की कर्मचारी - नियुक्ति समिति में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थी ।

14. रिसर्च एण्ड पब्लिकेशन (शोध और प्रकाशन) विभाग द्वारा शोधार्थियों के लिए आयोजित संगोष्ठी का संयोजक ।

15. श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय तिरुपति में संचालित रिफ्रेसर कोर्स के रिसोर्स पर्सन के रूप में उपस्थित थे।

16. राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ-तिरुपति, आन्ध्र विश्वविद्यालय - विशाखपट्नम्, मंगलोर विश्वविद्यालय-मंगलूर, श्री वेंकटेश्वर वेद विश्वविद्यालय-तिरुपति पर्वतनेनि ब्रह्मय्या सिद्धार्थ कॉलेज ऑफ आर्ट्स एण्ड साइन्स-विजयवाडा, द्रविड विश्वविद्यालय - कुप्पम में प्रश्नपत्रों की तैयारी और मूल्यांकन कार्य में संलग्न हैं ।

17. 'महिला सुविधाएँ और समान अवसरों' का केन्द्र संयोजक ।

18. महिला छात्रावास का अतिरिक्त वार्डन, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति ।

प्रोफेसर ओ.एस.रामलाल शर्मा

1. 6,7 फरवरी, 2017 को जगद्गुरु शंकराचार्य श्री श्री श्री स्वरूपानंदेन्द्र सरस्वती महास्वामी विशाख श्री शारदा पीठम- विशाखपट्नम द्वारा आयोजित श्री सच्चिदानंदेन्द्र शास्त्र सभा में भाग लिये।

2. 20 मार्च, 2017 को राष्टीय संस्कृत संस्थान, गुरुवायुर कैम्पस पुनत्तुकारा, केरल में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लेकर ''पदवृत्ति विचार'' पर भाषण दिये ।

प्रोफेसर राणी सदाशिव मूर्ती

1. 19.12.2016 तक परवस्तु पद्यपीठम्, (शोध संस्था), विशाखपट्नम में ''तेलुगु कोशों और साहित्य'' पर आयोजित सम्मेलन सत्रों के अध्यक्ष के रूप में भाग लियें ।

डा. सी. रंगनाथन

1. 21 दिसंबर 2016 को श्री अहोबिल मठ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मधुरांतकम्, तमिलनाडु द्वारा 'श्री भगवद् रामानुज का दर्शन' नामक विषय पर आयोजित त्रि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिए।

2. 24 मार्च 2017 को केन्द्रीय विद्यालय नंबर - 2, तिरुपति में अध्यापकों की नियुक्ति के लिए संचालित मौखिक परीक्षा के विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थि थे ।

3. 28 मार्च 2017 को संस्कृत स्नातकोत्तर विभाग, प्रेसिडेन्सी कालेज, चेन्नई में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''रामानुज के कार्य'' पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

प्रो. सी. ललिताराणी

1. 31 जनवरी, 2017 को संस्कृत और भारतीय संस्कृत विभाग के शोध छात्रों के लिए संचालित पीएच.डी. कमेटी में. उपस्थित होकर बाह्य विशेषज्ञ के रूप में भाग लिए ।

प्रो. सत्यनारायण आचार्य

1. साहित्य विभाग, श्री सदाशिव कैम्पस, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान - पुरी में 19 और 20 फरवरी 2017 को आयोजित द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिए और ''विश्वनाथ महाकाव्यस्य राष्ट्रीय भावना'' नामक प्रपत्र प्रस्तुत किये ।
2. 03.04.2017 से 05.04.2017 तक संस्कृत विभाग, उत्तर ओडिस्सा विश्वविद्यालय, ओडिषा के द्वारा आयोजित पूर्वी भारतीय प्राच्य सम्मेलन - 2017 (ई.आइ.ओ.सी.-2017) में भाग लेकर ''गीता भारती राष्ट्रीय चेतना'' नामक प्रपत्र प्रस्तुत कियें ।
3. 27 और 28 फरवरी, 2017 को आधुनिक साहित्य विभाग, श्री सदाशिव कैम्पस, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, पुरी में ''श्री जगन्नाथ ट्रेडिशनल ऑन इट्स रीमैपिंग त्रू लिटरेचर, फिलोसफी, सोसाइटी, एकोनमी एण्ड मैनेजमेंट'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिये और ''संस्कृत साहित्य श्री जगन्नाथ'' नामक प्रपत्र प्रस्तुत किये ।

डॉ. भरतभूषण रथ

1. यू.एन. कालेज, कटक - ओडिशा द्वारा आयोजित संस्कृत पोएटिक्स पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर एक प्रपत्र को समर्पित किया ।
2. माताओं अंतराष्ट्रीय स्कूल नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''बच्चों के साहित्य'' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 9 से 11 सितंबर, 2016 तक भाग लेकर वे अपना प्रपत्र को प्रस्तुत किया ।
3. 19 वीं और नवंबर 2016 प्लेस : एनएम. कॉलेज, ओडिशा के द्वारा आयोजित ''लोकतंत्र और सुशासन'' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर अपना प्रपत्र को प्रस्तुत किया ।
4. एस.वि. यूनिवर्सिटी, तिरुपति के द्वारा 22 से 23 फरवरी, 2017 को आयोजित 'संस्कृत और पर्यावरण' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर वे अपना प्रपत्र को प्रस्तुत किया ।
5. एस.वि. वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति के द्वारा आयोजित ''अथर्व वेद'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर वे अपना प्रपत्र को प्रस्तुत किया ।

डॉ. जे.बि.चक्रवर्ती

1. वाग्वर्धिनी परिषद आर.एस. विगद्यापीठम, तिरुपति के द्वारा ''संस्कृता शास्त्रानां लोकोपयोगिता'' पर 19.8.2016 को भाग लेकर 'श्री रामचंद्रस्या लघुकाव्य संग्रह लोकोपयोगीता'' नामक विषय पर वे अपना प्रपत्र को प्रस्तुत किया ।

2. शिक्षा संस्कृति उत्तान न्यास, नई दिल्ली, आर.एस. विद्यापीठ, तिरुपति के द्वारा 15.10.2016 से 16.10.2016 तक ''भारतीय भाषा सम्मेलन'' में भाग लेकर वे ''भासिल्ले भाष मन तेलु भाष'' नामक प्रपत्र को प्रस्तुत किया ।

3. यस.वि. ओरिएंटल कॉलेज तिरुपति, हिन्दी विभाग के द्वारा आयोजित ''वैष्णव भक्ति साहित्य में मानव मूल्य'' 6.2.2017 से 7.2.2017 तक संगोष्ठी में भाग लेकर ''रामस्य भक्तवाकत्सल्यम'' नामक अपना प्रपत्र को समर्पित किया ।

4. श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति में 22.2.2017 से 23.2.2017 तक आयोजित ''संस्कृत साहित्य में पर्यावरण का प्रभाव'' संगोष्ठी में भाग लेकर ''महाभारतान्तर्गत पर्यावरणांशं नामक अपना प्रपत्र को प्रस्तुत किया ।

5. यस.वि. विश्वविद्यालय, तिरुपति और श्री नारायण गुरु धर्म प्रचार सभा, शिव गिरि मठ, केरला 17.10.2016 से 18.10.2016 को समाज शास्त्र विभाग के द्वारा आयोजित ''इंटलर धार्मिक सद्भाव'' पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेकर प्राचीन भारतीय धर्माहा - समाजहितैका जीवनम' नामक प्रपत्र को प्रस्तुत किया ।

6. तेलुगु वभिाग आदि कवि नन्नय विश्वविद्यालय राजमंद्री और येलगिरि भारती तमिल संघम के द्वारा आयोजित 9.12.2016 को ''द्रविड भाषा में नाटकीय साहित्य'' संगोष्ठी में भाग लेकर, ''द्रविड भाषा में नाटकीय साहित्य'' संगोष्ठी में भाग लेकर, ''द्रविड भाषागत एकांकीरूपांक नाम संस्कृत मूलत्वम'' पर वेअपना प्रपत्र को समर्पित किया ।

7. राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, धर्मशास्त्र विभाग के द्वारा आयोजित ''संविधान दिवस'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला 25.11.2016 को भाग लेकर वे अपना ''समसमाज स्थापनाया सनातन धर्मा'' पर प्रपत्र को प्रस्तुत किया ।

8. 9 दिसंबर, 2016 तेलुगु विभाग, आदिकवि नन्नया विश्वविद्यालय, राजमंद्री के द्वारा आयोजित ''द्रविड भाषा में नाटकीय साहित्य'' विषय पर अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी में एक संसाधन व्यक्ति और सत्र अध्यक्ष व्यक्ति के रूप में भाग लिया ।

डा. परमित पंडा

1. फरवरी 8 और 9, 2017 को व्याकरण विभाग के द्वारा आयोजित ''समासविमर्श'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर वे ''समास स्वर विचारह'' पर अपना प्रपत्र को समर्पित किया ।

2. 10 फरवरी, 2017 को अद्वैत वेदांत विभाग के द्वारा आयोजित द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया । वे ''उपनिषदि समाजोपयोगिता'' नामक पत्र को समर्पित किया ।

3. सर्वदर्शन के विभाग में श्री सदाशिव परिसर को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, पुरी के द्वारा आयोजित 11 फरवरी, 2017 को संगोष्ठी में भाग लेकर ''श्रीमद्भगवद्गीतायाम समाजविज्ञानम्'' पर अपना प्रपत्र को समर्पित किया ।

डा. डी. नल्लन्ना

1. तेलुगु विभाग विक्रम सिंहपुरि विश्वविद्यालय, नेल्लूर, तिक्कना साहिती पीठम के सहयोग से ''गुरुजाड साहिती समालोचनम्'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 22 और 23 फरवरी, 2016 को किया गया । वे इस में भाग लेकर ''कन्याशुल्कम सन्निवेश हास्यालु'' नामक पत्र को समर्पित किया ।

2. विनयमबाडी भारती तमिल संगम और तमिल विभाग एस.वि. विश्वविद्यालय, तिरुपति, तमिल संगम के द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन ''द्रविड भाषा में भक्ति साहित्य'न विषय पर 16 वीं और 17 अप्रैल, 2016 को किया गया । वे इस में भाग लेकर ''धूर्जटी भक्ति तत्वम'' नामक अपना प्रपत्र को समर्पित किया ।

3. तेलुगु विभाग, आन्ध्र विश्वविद्यालय, विशाखपट्टनम के द्वारा आयोजित 'जाषवा साहित्य समालोचन' पर 28 और 29 सितंबर 2016 को राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर 'जातियोद्धम नाटकालु' नामक पत्र को समर्पित किया ।

4. तेलुगु व्रिक्रमसिंहपुरी विश्वविद्यालय, नेल्लूर के द्वारा 'जाषुवा साहित्य' पर राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन जूलै 30, 2016 को किया गया । वे इसमें भाग लेकर मानवतावादी जाषुवा के नाम पर अपना प्रपत्र को प्रस्तुत किया गया ।

5. 15 वीं, 16 अक्टूबर 2016 को शिक्षा संस्मरण प्रधान न्यास, नई दिल्ली और राष्ट्रीय संस्कृति विद्यापीठ, तिरुपति के द्वारा भारतीय भाषा सम्मेलन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वे इसमें भाग लेकर 'मातृ भाषा अंदरदि कावाली' नामक प्रपत्र को प्रस्तुत किया ।

6. नवंबर 2016, तेलुगु विभाग, एस.वि.विश्वविद्यालय जो दर्ज किया गया था, वंडर बुक ऑफ रिकार्डस इंटरनेशनल में के द्वारा 'श्री रामानुजाचार्या विशिष्टाद्वैतवादम' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । वे इस में भाग लेकर 'तेलुगु साहित्य परिणामक्रममुलो शिव कवि युगम' नामक प्रपत्र को समर्पित किया ।

7. 6 और 7 फरवरी 2017 को यस.वि.ओरिएंटल कॉलेज तिरुपति, और आयोध्या अनुसंधान संस्थैान, फैजाबाद उत्तर प्रदेश के सहयोग से आयोजित वैष्णव भक्ति साहित्य में मानव मूल्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस संगोष्ठी में भाग लेकर वे 'नरसिंह शतकम् - जीवन विलुवलु' नामक प्रपत्र को समर्पित किया ।

8. सी.पी.ब्राउन भाषा केंद्रम, तेलुगु योगी वेमना विश्वविद्यालय कडपा के द्वारा 24 और 25 मार्च 2017 को '70 येल्ल भारत स्वातंत्र्यम' पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस में वे भाग लेकर 'स्वतार्थानंतर कवित्वम् कोन्नि आविष्करनलु' विषय पर अपना प्रपत्र को समर्पित किया ।

प्रो. विरूपाक्ष वी. जड्डीपाल

1. आप कैंपस में चल रही परियोजनाओं की प्रगति की बैठक के सदस्य के रूप में भाग लिया और मुख्यालय संस्कृत नाट्योत्सव में न्यायाधीश के रूप में भी उपस्थित थे । यह राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान 56-57,

इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली के द्वारा फरवरी 27 से मार्च 3 तक 2017 को आयोजित किया गया ।

2. 16 से 18 मार्च, 2017 को स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान, (एस.व्यास) बैंगलूर (एन.ए.एसी.)पीयर टीम के समन्वयक सदस्य बने थे ।

3. 6 फरवरी 2017 में संस्कृत भारती, अक्षरम बैंगलूर में आनलाइन संसाधन - डिजिटल सामग्री के कार्यशाला में भाग लिया ।

प्रो. आर. दीप्ता

1. 22 दिसंबर, 2016 को अंग्रेजी विभाग, यस.वि.वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति में अंग्रेजी विभाग के अध्ययन बोर्ड सदस्य के रूप में भाग लिया ।

2. श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय, अंग्रेजी विभाग तिरुपति के द्वारा 24-25 मार्च, 2017 को 'सांस्कृतिक अध्ययन' पर द्वि दिवसीय संगोष्ठी में सत्र के अध्यक्ष के रूप में भाग लिया और 'हिन्दू मिथ्स और देवदत्त पट्टानाइक की व्याख्याओं ' पर अपना प्रपत्र को प्रस्तुत किया ।

प्रो. आर. दीप्ता

1. 22 दिसंबर, 2016 को अंग्रेजी विभाग, यस.वि.वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति में अंग्रेजी विभाग के अध्ययन बोर्ड सदस्य के रूप में भाग लिया ।

2. श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय, अंग्रेजी विभाग तिरुपति के द्वारा 24-25 मार्च, 2017 को 'सांस्कृतिक अध्ययन' पर द्वि दिवसीय संगोष्ठी में सत्र के अध्यक्ष के रूप में भाग लिया और 'हिन्दू मिथ्स और देवदत्त पट्टानाइक की व्याख्याओं ' पर अपना प्रपत्र को प्रस्तुत किया ।

डॉ. वै.विजयलक्ष्मीह्न

1. संस्कृत विभाग, एस.वि.विश्वविद्यालय, तिरुपति के द्वारा आयोजित 31, आगस्त, 2016 को 'श्री वेंकटेश वैभव' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस में वे भाग लेकर 'श्री वेंकटाचर महत्यम एरुकता' नामक प्रपत्र को समर्पित किया ।

2. वनियमबाडी भारती तमिल संगम और तमिल विभाग यस.वि.विश्वविद्यालय, तिरुपति तमिल संगम के द्वारा 16, 17 अप्रैल 2016 को दो दिवसीय संगोष्ठी 'द्रविड भाषाओं में भक्ति साहित्य' पर आयोजित किया गया । इस में वे भाग लेकर 'तरिगोंडा वेंगमाम्बा कवित्वमम् श्री वेंकटेश्वर वैभवम्'पर अपना प्रपत्र को प्रस्तुत किया ।

3. तिरुमला तिरुपति देवस्थानम्, आल्वार दिव्य प्रबंधनम् परियोजना और श्री पद्मावती महिला डिग्री कॉलेज, तिरुपति में 31 आगस्त 2016 को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस में भाग लेकर 'वेंकटाचला महत्यम' पर अपना प्रपत्र को प्रस्तुत किया ।

4. भारतीय भाषा सम्मेलनम संगोष्ठी में भाग लेकर वे अपना प्रपत्र 'तेलुगु वेलगाली' नामक एक प्रपत्र को समर्पित किया । शिक्षा संस्मरण उत्थान न्यास, नई दिल्ली, और राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के द्वारा 15 से 16 अक्टूबर 2016 को यह संगोष्ठी आयोजित किया गया ।

5. राष्ट्रीय संगोष्ठी 1 से 2 नवंबर, 2016 को श्री 'श्री रामानुजाचार्य विशिष्टाद्वैत, तेलुगु साहित्यम' पर आयोजित किया गया । यह संगोष्ठी तेलुगु विभाग एस.वि.विश्वविद्यालय जो वंडर बुक रिकार्डस इंटरनेशनल के द्वारा आयोजित किया गया । इस में भाग लेकर 'प्राचीनांध्र कवइतृलु' पर अपना प्रपत्र को समर्पित किया ।

प्रो. पी. वेंकट राव

1. निरंतर और व्यापक संकाय के लिए एक सप्ताह की कार्यशाला में भाग लिया । यह शिक्षा संकाय, आर.एस. विद्यापीठ, तिरुपति के तहत कार्यक्रम के संकाय विकास द्वारा सितंबर 19 से 25 तक 2016 में आयोजित किया गया ।

2. वे स्कूल इंटर्नशिप के फ्रेमवर्क र दिशान्दिशों के भागीदार के रूप में कार्य किया । यह शिक्षा विभाग आर.एस.विद्यापीठम, तिरुपति में 08.07.2016 को आयोजित किया गया । स्कूल इंटर्नशिप पर अभिविन्यास कार्यक्रम हुआ ।

3. उन्नत रिसर्च के संकाय के लिए एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया । यहा यूजीसी द्वारा प्रायोजित कार्यप्रणाली और संकाय के तहत शिक्षा संकाय द्वारा विकास कार्यक्रम आर.एस.विद्यापीठ तिरुपति के द्वारा 4 से 10 अप्रैल 2016 को आयोजित किया गया ।

4. मूल्यांकन के लिए एक मुख्य समन्वयक के रूप में यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया । यह 25 वी और 26 मार्च 2017 को शिक्षा विभाग द्वारा प्रशिक्षण आर.एस विद्यापीठ, तिरुपति के द्वारा आयोजित किया गया । वे एक सत्र के अध्यक्ष के रूप में भी काम किया ।

5. बी.एड, एम एड और पी.हेच.डी में प्रवेश कार्यक्रमों के लिए वे प्रवेश समिति सदस्य के रूप में कार्य किया।

6. एस सी/एस.टी/ओ.बी.सी/अल्पसंख्यक छात्र, यूजीसी के प्रायोजित योजना के समन्वयक के रूप में काम किया ।

7. श्रृंगेर, 2016 में आयोजित शिक्षकों की भर्ती के विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया ।

प्रो. रजनीकांत शुक्ला

1. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, राजीव गाँधी कैंपस, श्रृंगेरी के द्वारा शिक्षा शास्त्री द्विदीय वर्ष के छात्रों के लिए 13.02.2017 से 16.02.2017 तक व्यवहारिक परीक्षा आयोजित करने के लिए वे बाहरी परीक्षक के रूप में काम किया ।

2. श्री वीरबहादूर सिंह पूर्वाचल विश्वविद्यालय के द्वारा पी.हेच.डी छात्रों को 25 मार्च 2017 में मौखिक परीक्षा आयोजित किया गया ।

प्रो. एन लता

1. निरंतर और व्यापक संकाय पर एक सप्ताह की कार्यशाला में भाग लिया । संकाय शिक्षा राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (ए.पि.) के तहत संकाय विकास कार्यक्रम 19 सितंबर से 2016 को आयोजित किया गया ।
2. स्कूल इंटर्नशिप कार्यक्रम, फ्रेम कार्य और दिशानिर्देशों के दौरान प्रतिभागियों के रूप में कार्य किया । शिक्षा विभाग आर एस विद्यापीठ, तिरुपति के द्वारा 08.07.2016 को स्कूल इंटर्नशिप पर अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजित किया गया ।
3. अग्रिम अनुसंधान पर संकाय केलिए एक सप्ताह कार्यक्रम में भाग लिया। यूजीसी द्वारा प्रस्तावित विधि पद्धति और शिक्षा के संकाय के तहत संकाय विकास कार्यक्रम राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के द्वारा 4 से 10 अप्रैल, 2016 को आयोजित किया गया ।
4. सीखने के लिए मूल्याकन पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्टी में प्रपत्र को प्रस्तुत किया । यह शिक्षा विभाग, आर.एस.विद्यापीठ, तिरुपति, में 25 और 26 मार्च 2017 को आयोजित किया गया । वे एक सत्र के अध्यक्ष के रूप में भी काम किया ।
5. द्वितीय वर्ष शिक्षा शास्त्री विद्यार्थियों की शैक्षिक यात्रा 7 से 14 फरवरी 2017 में वे अनुरक्षण के रूप में पदोन्नत पाया ।
6. बि.एड. एम.एड और पी.एच.डी के लिए प्रवेश समिति सदस्य बने ।
7. जनवरी, 2017 के महीन में विभाग के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया ।

डॉ. के कादंबनी

1. उन्नत अनुसंधान पर संकाय के लिए एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया । मैथोडालाजी द्वारा संकाय विकास कार्यक्रम के तहत यू जी सी के द्वारा प्रायोजित शिक्षा संकाय, आर.एस.विद्यापीठ, तिरुपति में 04.04.2016 से 10.04.2017 तक आयोजित किया गया ।
2. शिक्षका प्रशिक्षण वर्ग में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया । शिक्षा विभाग, आर.एस.विद्यापीठ, तिरुपति में 24.11.2016 से 03.12.2016 तक आयोजित किया गया ।
3. संस्कृत विभाग, एस.वि.विश्वविद्यालय, तिरुपति में 22.02.2017 और 23.02.2017 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी पर्यावरण की आवश्यकता उसका प्रभाव संस्कृत साहित्य में पर आयोजित किया गया । इस में वे सत्र के अध्यक्ष के रूप में काम किया और वे 'वेदोपनिषत्सु पर्यावरण जागृति' पर प्रपत्र को समर्पित किया ।
4. द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में वे सत्र के अध्यक्ष बने 'सीखने की अकालन' पर शिक्षा विबाग, आर.एस.विद्यापीठ के द्वारा तिरुपति में 25.03.2017 से 26.03.2017 तक संगोष्ठी का आयोजन किया गया । वे इस में भाग लेकर निरंतर और समग्र मूल्यांकन' पर अपना प्रपत्र को समर्पित किया ।

डॉ. आर चंद्रशेखर

1. 19.08.2016 को राष्ट्रीय संगोष्ठी 'संस्कृतष्ट्रानाम लोकपयोगीता' विषय पर भारत सरकार के मानव संसाधन विकास, और वागवर्धिनी परिषद के साथ संस्कृत सप्ताह समारोह के संबंध में राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति के द्वारा संगोष्ठी आयोजित किया गया । वे इस में भाग लेकर 'धर्मशास्त्री शैक्षिकविचार प्रासंगिकता चा ' पर अपना प्रपत्र को समर्पित किया ।

2. यू जी सी प्रायोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, में भाग लेकर 'मानवाधीकारी' पर प्रपत्र को समर्पित किया । यह कार्यशाला 'संविधान दिवस' पर हुआ । धर्मशास्त्र विभाग के द्वारा राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति में 25.11.2016 को यह कार्यशाला आयोजित किया गया ।

3. राष्ट्रीय संगोष्ठी 'वैष्णव भक्ति साहित्य में मानवीय मूल्यों' पर 6 और 7 फरवरी 2017 को हिन्दी विभाग एस.वि.ओरिएंटल डिग्री और पी.जी.कालेज तिरुपति, तिरुमला, तिरुपति देवस्थानम, अयोध्या अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रायोजित फैजाबाद, संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा यह संगोष्ठी आयोजित किया गया । वे इस में भाग लेकर 'रामचरितमानस में मानवीय मूल्यों' पर अपना प्रपत्र को समर्पित किया।

4. संस्कृत विभाग, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय तिरुपति में 22 से 23 फरवरी को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ''संस्कृत साहित्य में पर्यावरण जागरूकता का प्रभाव'' पर आयोजित किया गया । इस में भाग लेकर प्राचीन संस्कृत शास्त्र में पर्यावरण जागृति'' पर प्रपत्र को प्रस्तुत किया ।

5. शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, गुरुवायूर परिसर, पुरंतुकुरा, त्रिशूर केरल राष्ट्र, 10 और 11 मार्च, 2017 को ''संस्कृत साहित्य में मानव अधिकार शिक्षा'' पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस में भाग लेकर ''धर्मशास्त्री मानवाधिकाराह'' विषय पर अपना प्रपत्र को समर्पित किया ।

6. यूजीसी प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ''सीखने के लिए आकलन'' पर 25 और 26 मार्च 2017 को, शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के द्वारा आयोजित किया गया । इस में भाग लेकर ''अधिगमस्य मूल्यानाम अधिगमार्थ मूल्यानाम् इत्यनयो- तौलनिकमध्ययनम्'' पर अपना प्रपत्र को प्रस्तुत किया ।

7. 19 से 25 सितंबर, 2016 को एक सप्ताह की कार्यशाला ''निरंतर और व्यापक संकाय'' विषय पर शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आं.प्र.) के तहत संकाय विकास कार्यक्रम के द्वारा आयोजित किया गया । इस कार्यशाला में भाग लिए ।

8. ''युवा और अच्छाई'' पर 11.2.2017 को प्रेरित प्रोफेशनल मनोवैज्ञानिक सोसाईटी आफ इंडिया तिरुपति के द्वारा यह कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यशाला में भाग लिए।

9. ''स्कूल इंटर्नशिप'' में भाग लेकर के संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया और पावर पाइंट प्रस्तुतीकरण दिया। स्कूल इंटरर्नशिप कार्यक्रम - फ्रेम कार्य और दिशानिर्देशन, ओरिएंटेशन कार्यक्रम, शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा 8.7.2016 को आयोजित किया गया ।

10. 20.10.2016 को संस्कृत क्रियाविधि के छात्र, शिक्षकों को व्याख्यान दिया । यह शिक्षा के स्कूल, श्री चंद्रशेखरेन्द्रा सरस्वती विश्वमहाविद्यालय, एनात्तूर, कांचीपुरम, तमिलनाडु में संपन्न हुआ ।

11. 25.11.2016 को शिक्षकों के लिए चार कौशल पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया । 24.11.2016 से 3.12.2016 तक बि.एड. छात्रों के लिए स्पोकन संस्कृत पर प्रशिक्षण शिबिर, शिक्षा संकाय, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा आयोजित किया गया ।

12. 25.11.2016 को पठन कौशल पर एक संसाधक व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया । 24.11.2016 तक बि.एड. छात्रों के लिए स्पोकन संस्कृत पर शिक्षक प्रशिक्षण शिविर चला । यह शिक्षा संकाय राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा आयोजित किया गया ।

13. शिक्षकों के लिए 21.12.2016 को लेखन कौशल पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया । स्पोकन संस्कृत पर प्रशिक्षण शिविर 24.11.2016 से 3.12.2016 तक, बि.एड. छात्रों के लिए शिक्षा संकाय राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा आयोजित किया गया ।

14. यू.जी.सी. मानव संसाधन विकास केन्द्र श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति, माइक्रोटीचिंग कौशलों पर 1.12.2016 और 2.122016 को 76 वॉ ओरिएंटेशन प्रोग्राम के दौरान 16.11.2016 से 13.12.2016 तक आयोजित किया गया । इस में भाग लेकर संसाधन व्यक्ति के रूप में शिक्षक प्रतिभागियों के लिए एक व्याख्यान दिया ।

15. संसाधन व्यक्ति के रूप में शिक्षक की गुणवत्ता पर 24.12.2016 को व्याख्यान दिया । यह यू.जी.सी. मानव संसाधन विकास केन्द्र, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति द्वारा 19.12.2016 से 24.12.2016 आयोजित किया गया ।

16. संस्कृत क्रियाविधि के छात्र शिक्षकों को 7.2.2017 को व्याख्यान दिया । शिक्षा के स्कूल में श्री चन्द्रशेखरेंद्र सरस्वती विश्वमहाविद्यालय, एनात्तुर, कांचीपुरम, तमिलनाडु म्निलिखित विषयों पर अपना मत व्यक्त किया ।

    (1) संस्कृत शिक्षण पर दृष्टि डालना

    (2) संस्कृत भाषा के शिक्षण के लिए प्रौद्योगिकी उपयोग

    (3) संस्कृत प्रयोगशाला

    (4) संस्कृत में मूल्यांकन

    वे शिक्षक प्रतिभागियों को व्याख्यान देने के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में काम किया । 14.3.2017 से 16.3.2017 को 77 वाँ ओरिएंटेशन कार्यक्रम यू.जी.सी. मानव संसाधन विकास केन्द्र, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति में 27.202017 से 25.3.2017 तक आयोजन किया गया । विषय 1. माइक्रो टीचिंग स्किल्स, माइक्रो-टीचिंग प्रैक्टिस, माइक्रो - टीचिंग मूल्यांकन ।

17. अंतर्राष्ट्रीय में ''गीताहा शिक्षामात्रम्'' पर संस्कृत में एक लेख प्रकाशित किया गया । बहु आयामी शैक्षिक अनुसंधान (आई.जे.एम.ई.आर). आई .एस.एस.एन. नं. 2271 प्रभाव फैक्टर - 3,318 मान : 5.16 ; आई.एस.आई वैल्यू 2.286 वॉल्यूम 5 अंक 7(5) जुलाई, 2016 , पेज. 251-260.

18. इंटरनेशनल में एडॉल्स्सेंट्स के लिए तनाव प्रबंधन रणनीतियाँ पर एक लेख प्रकाशित किया गया । जर्नल आफ साइको सोशल रिसर्च (आई.जे.पी.एस.आर.) ए पीयर समीक्षित जर्नल । आई.एस.एस.एन. 2360-6381, ग्लोबल इफेक्ट फैक्टर - 0.541 वॉल्यूम - वी, नंबर 1, जुलाई, 2016 पृष्ठ 148-152 उषा श्री इंटरनेशनल पब्लिकेशन्स, तिरुपति के द्वारा प्रकाशित किया गया ।

19. इंटरनेशनल जर्नल संस्कृत में ''संस्कृत वाङ्मय में स्त्री शिक्षा'' पर एक लेख प्रकाशित किया गया । जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लरी शैक्षिक अनुसंधान (आई.जे.एम.ई.आर.) आई.एस.एस.एन. 2277-7881 इफेक्ट फैक्टर - 3.318 ; मान : 5.16, आई.एस.आई. वैल्यू 2.286 वॉल्यूम 5, अंक 8(4) अगस्त 2016, पृष्ट :19 32 .

20. श्री पद्मावती महिला डिग्री और पी.जी. कॉलेज, तिरुपति में 26.11.2016 को ''भारतीय संविधान'' दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेकर भाषण दिया ।

21. यू.जी.सी. प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''संस्कृत साहित्य में पर्यावरण जागरूकता परिरक्षण यह संगोष्ठी 22 और 23 फरवरी 2017 को संस्कृत विभाग, एस.वि.विश्वविद्यालय, तिरुपति द्वारा आयोजित किया गया दो दिवसीय तकनीकी सत्र के लिए 22.2.2017 को सत्र के अध्यक्ष थे ।

22. दो दिवसीय यू.जी.सी. प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सत्र के अध्यक्ष के रूप में काम किया । ''संस्कृत साहित्य में मानव अधिकार शिक्षा'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी तारीख 10 और 11 मार्च, 2017 को आयोजित किया गया । यह संगोष्ठी शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय संस्स्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) गुरुवायूर कैम्पस, पुरानाट्टुकारा त्रिशूर, केरला के द्वारा आयोजित किया गया ।

23. 25 और 26 मार्च 2017 को शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ द्वारा ''सीखने के लिए आकलन'' विषय पर संगोष्ठी आयोजित किया गया । इस दो दिवसीय यू.जी.सी. प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सत्र के अध्यक्ष थे ।

24. विश्वविद्यालय अनुदान द्वारा प्रायोजित फैकल्टी विकास कार्यक्रम के तहत कार्यप्रणाली आयोग और शिक्षा संकाय द्वारा राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति 4.4.2016 से 10.4.2016 को आयोजित किया गया । उन्नत अनुसंधान पर संकाय के लिए एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।

25. 7.7.2016 को शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा आयोजित किया गया । स्कूल इंटर्नशिप पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लिया ।

26. उन्नत अनुसंधान कार्यप्रणाली शिक्षा विभाग के संकाय सदस्यों के तहत फैकल्टी विकास कार्यप्रणाली, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम और 4.4.2016, 10.4.2016 को शिक्षा, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा आयोजित किया गया । एक सप्ताह प्रशिक्षण कार्यक्रम में उन्नत अनुसंधान के समन्वयक के रूप में काम किया ।

27. 8.7.2016 दिनांक शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में संकाय सदस्यों के लिए संगठित ''स्कूल इंटर्नशिप पर अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम के समन्वयक के रूप में काम किया ।

28. यूजीसी प्रायोजित, दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति 25 और 26 मार्च, 2017 को ''सीखने के लिए आकलन'' पर आयोजित किया गया । इस के समन्वयक के रूप में काम किया ।

डॉ. राधा गोविंद त्रिपाठी

1. 8.7.2016 को शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा स्कूल इंटर्नशिप पर अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया ।
2. ''संस्कृतशास्त्रानां लोकोपयोगिती'' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया । यह संगोष्ठी 19.8.2016 को संस्कृत सप्ताह समारोह के दौरान वाग्वर्धिनी परिषद द्वारा आयोजित किया गया । इस में भाग लेकर ''न्यायव्यवस्थायाम धर्मशास्त्रस्य उपयोगिता'' पर प्रपत्र को समर्पित किया ।
3. ''संविधान दिवस'' पर यू.जी.सी. प्रायोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेकर ''संविधानास्य मूल्यस्वरूपम'' विषय पर प्रपत्र को समर्पित किया । यह कार्यशाला 25.11.2016 को धर्मशास्त्र विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के द्वारा आयोजित किया गया ।
4. ''धर्मशास्त्रों के साधनों'' पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया । यह संगोष्ठी पुरोहित उत्थान संकाय, श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय के द्वारा तिरुपति में 5 फरवरी, 2017 को आयोजित किया गया । इस में भाग लेकर ''मानवीय आदर्श दृष्ट्या याज्ञवल्क्यस्मृतेः उपादेयता'' पर अपना प्रपत्र को समर्पित किया ।
5. ''वैष्णव भक्ति साहित्य में मानवीय मूल्यों'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 6 और 7, 2017 को हिन्दी विभाग श्री वेंकटेश्वर ओरिएंटल डिग्री और पी.जी. कलाशाला के द्वारा तिरुपति में संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस में भाग लेकर ''संस्कृत वाङ्मये परोपकाराचिंतनम'' विषय पर अपना प्रपत्र को समर्पित किया ।
6. ''संस्कृत साहित्य में पर्यावरण जागरूकता'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, संस्कृत विभाग, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय तिरुपति में 22 और 23 फरवरी 2017 को आयोजित किया गया । इस संगोष्ठी में भाग लेकर ''स्मृतिवाङ्मये पर्यावरणविचारा'' पर अपना प्रपत्र को प्रस्तुत किया ।
7. राष्ट्रीय संगोष्ठी में पांचवीं तकनीकी सत्र के लिए अध्यक्ष के रूप में काम किया । ''संस्कृत साहित्य में पर्यावरण जागरूकता'' पर संगोष्ठी संस्कृत विभाग श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय तिरुपति में 22 फरवरी को आयोजित किया गया ।
8. भारतीय दर्शन में शैक्षिक विचारों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में सत्र अध्यक्ष के रूप में कार्य किया । यह संगोष्ठी शिक्षा विभाग, राजीव गाँधी कैंपस, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान 4 और 5 मार्च 2017 को आयोजित किया गया ।
9. भारतीय दर्शन में शैक्षिक विचारों'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया । यह संगोष्ठी 4 और 5 तारीख 2017 को शिक्षा विभाग, राजीव गाँधी कैंपस, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के द्वारा आयोजित किया गया । ''योगदर्शन शिक्षा विद्या'' पर प्रपत्र को समर्पित किया ।
10. मूल्यांकन के लिए यूजीसी प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में सत्र का अधयक्ष बने । यह संगोष्ठी 25 और 26 मार्च, 2017 को शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा यह संगोष्ठी आयोजित किया गया । इस में भाग लेकर ''आगे की शिक्षा के विकास के लिए प्रतिक्रिया पर अपना प्रपत्र कतो प्रस्तुत किया ।

11. ''शैक्षिक मनोविज्ञान पर फोकस'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया । यह संगोष्ठी शिक्षाशास्त्र विभाग, जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पूरी के द्वारा 29 और 30 मार्च 2017 को आयोजित किया गया । वे इस संगोष्ठी में भाग लेकर ''प्राच्य विदुषां मनो वैज्ञानिकाधारित चिन्तनम्'' पर वे अपना प्रपत्र को प्रस्तुत किया ।

12. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नईदिल्ली 16 सितंबर, 2016 को संचालन समिति की बैठक में भाग लिया । सी.एस.एस.ई.टी./सी.एस.ए.ई.टी./सी.वी.वी.ई.टी.-के सम्बन्ध में चर्चा की गई ।

13. निरंतर और व्यापक संकाय के लिए एक सप्ताह की कार्यशाला में भाग लिया । संकाय द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम के तहत मूल्यांकन 19 वी से 25 सितंबर, 2016 को शिक्षा संकाय, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के द्वारा आयोजित किया गया ।

14. 14 सितंबर, 2016 को हिन्दी विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा आयोजित वाग्मिता प्रतियोगिता में बाग लेकर प्रथम पुरस्कार को प्राप्त किया ।

डॉ. एस. मुरलीधर राव

1. यू.जी.सी. प्रायोजित एक दिन राष्ट्रीय कार्यशाला ''संविधान दिवस'' पर 25 नवंबर, 2016 को धर्मशास्त्र विभाग राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के द्वारा आयोजित किया गया । ''स्मृति ग्रन्थेषु भारतीय संविधानम्'' पर प्रपत्र को समर्पित किया ।

2. यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर ''वैदिकवाङ्मये पर्यावरणम्'' पर प्रपत्र को समर्पित किया । संस्कृत साहित्य पर्यावरण जागरूकता पर राष्ट्रीय सम्मेलन 22 वें और 23 फरवरी, 2017 को संस्कृत विभाग, एस.वि. विश्वविद्यालय, तिरुपति के द्वारा आयोजित किया गया ।

3. यू.जी.सी. द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ''शैक्षणिक मनोविज्ञान पर फोकस'' विषय पर 29 और 30 मार्च 2017 को शिक्षा शास्त्र विभाग, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, के द्वारा आयोजित किया गया। ''संस्कृत वाङ्मये अधिगमविषयकचिंतनम्'' पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

4. ''संस्कृत शास्त्रनाम लोकोपयोगिता'' विषय पर वाग्वर्धिनी परिषद राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, एम.एच.आर.डी. अनुदान, संस्कृत सप्ताह समारोह के द्वारा 16.8.2016 से 2.8.2016 को आयोजित किया गया । इसमें भाग लेकर ''शास्त्राध्ययनेनैव सुखम - परम गतिश्चा'' पर प्रपत्र को समर्पित किया ।

5. ''वैष्णव भक्ति साहित्य में मानवीय मूल्यों'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 6 और 7, 2017 को हिन्दी विभाग श्री वेंकटेश्वर ओरिएंटल डिग्री और पी.जी. कलाशाला तिरुपति, अयोध्या अनुसंधान संस्थान, पैजाबाद, उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग आयोजित किया गया । इस में भाग लेकर ''वैदिक वाङ्मये मानवीय मूल्यानि'' पर प्रपत्र को प्रस्तुत किया ।

6. न्याय विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ में एम.एच.आर.डी. के अनुदान से संस्कृत सप्ताह 16.8.2016 से 22.8.2016 को शास्त्र गोष्ठी का आयोजन किया गया ।

7. सतत और व्यापक पर संकाय के लिए एक सप्ताह की कार्यशाला में भाग लिया । 19 से 25 सितंबर, 2016 को शिक्षा संकाय, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति संकाय विकास कार्यक्रम के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

8. ''शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग'' के कार्यक्रम के लिए समन्वयक के रूप में काम किया । यह कार्यक्रम बि.एड. छात्रों के लिए शिक्षा संकाय, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में 24.11.2016 से 3.12.2016 को आयोजित किया गया ।

9. अंतराष्ट्रीय बहुआयामी शैक्षिक अनुसंधान मासिक पत्रिका में संस्कृत में वैदिक ग्रेथेषु पर्यावरणम्'' नामक लेख प्रस्तुत किया । आई.जे.एम.ई.आर. आई.एस.एस. एन. 2277-7881 प्रभाव फैक्टर के साथ 3.318 आई.सी.मूल्य : 5.16 आई.एस.आई.वैल्यू : 2.286 वॉल्यूम 5, अंक 6(2) जून 2016 पृष्ठ 219 से 228.

10. दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर आई.वी. तकनीकी सत्र के लिए सत्र अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। ''संस्कृत साहित्य में प्रतिबिंबित पर्यावरण जागृत'' पर संस्कृत विभाग, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति में 22 और 23 फरवरी को संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।

11. द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ''सीखने के लिए आकलन'' यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित सत्र के अध्यक्ष के रूप में थे। यह संगोष्ठी शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में 25 और 26 मार्च 2017 को आयोजित किया गया ।

12. द्वि दिवसीय यु.जी.सी. द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सत्र अध्यक्ष के रूप में कार्य किया । यह संगोष्ठी ''शैक्षिक मनोविज्ञान पर फोकस'' शिक्षा विभाग, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय 29 और 30 मार्च 2017 को आयोजित किया गया ।

13. ''उन्नत संसाधन कार्यप्रणाली'', संकाय एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया । यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित, शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, और संकाय विकास काय्रक्रम के तहत 4.4.2016 से 10.4.2016 को यह कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

14. संकाय के लिए स्कूल इंटर्नशिप पर अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया । 8.7.2016 को शिक्षा विभाग राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के द्वारा आयोजित किया गया ।

15. अखिल भारतीय प्रतियोगिता में भाग लेनेवाले छात्रों केलिए गाइड के रूप में काम किया । यह राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, 28 दिसंबर, 2016 से 31 दिसंबर, 2016 को अगर्तला में वाग्वर्धिनी परिषद की ओर से आयोजित किया गया ।

डॉ. ए. सच्चिदानंद मूर्ति

1. यू.जी.सी. प्रायोजित एक दिन की राष्ट्रीय कार्यशाला, में भाग लेकर ''संस्कृति वाङ्मये मानवाधिकारः'' नामक एक पत्र को प्रस्तुत किया । यह कार्यशाला 25.11.2016 को धर्मशास्त्र विभाग द्वारा, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति की ओर से आयोजित किया गया ।

2. संस्कृत अकादमी, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद 27 और 28 फरवरी को ''अष्टादशा विद्या'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस में वे भाग लेकर ''स्मृति वाङ्मये व्यवसायिक निर्देशनम'' पर प्रपत्र को प्रस्तुत किया ।

3. 10 और 11 मार्च 2017 द्वि दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ''संस्कृत साहित्य में मानव अधिकार शिक्षा'' पर संगोष्ठी शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, गुरुवायूर परिसर, त्रिशूर, केरला द्वारा आयोजित किया गया। ''मनुस्मृतौ मानवाधिकारः'' पर प्रपत्र को प्रस्तुत किया ।

4. यू.जी.सी. प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ''सीखने के लिए आकलन'' पर ''रचनात्मक एवं संकलनात्मक मूल्यांकनम्'' नामक प्रपत्र को समर्पित किया ।

5. एक सप्ताह की कार्यशाला ''निरंतर और व्यापक मूल्यांकन'' में भाग लिया । यह शिक्षा के संकाय, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (ए.पि.) संकाय विकास कार्यक्रम के तहत 19 से 25 सितंबर, 2016 को आयोजित किया गया ।

6. शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग के दौरान 25.11.2016 को बि.एड. प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक व्याख्यान दिया । यह शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा 24.11.2016 से 03.12.2016 को आयोजित किया गया ।

7. गीता जयंती के संदर्भ में 10.12.2016को भारतीय विद्या भवन के विद्यार्थियों के लिए भगवद्गीता के महत्व पर संसाधन व्यक्ति के रूप में एक व्याख्यान दिया ।

8. वैश्विक परिप्रेक्ष में संस्कृत शिक्षा, आई.एस.बि.एन. - 13-978-93-83559-68-8, 2016 में संस्कृत में ''मूल्यसंरक्षकः संस्कृताध्यापकः'' पर एक लेख प्रकाशित किया गया है ।

9. विद्यारश्मी, आई.एस.एस.एन.-2277-6443-3016 में संस्कृत में 'प्रश्नकरण प्रेरक वैविध्य कौशलों वैशिष्ट्यम् नामक एक पत्र प्रकाशित हुआ ।

10. दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ''अष्टादशविद्या'' पर सत्र अध्यक्ष के रूप में काम किया । 27 और 28 फरवरी 2017 को संस्कृत अकादमी, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित किया गया।

11. ''संस्कृत साहित्य में मानव अधिकार शिक्षा'' पर दो दिवसीय संगोष्ठी में सत्र अध्यक्ष के रूप में कार्य किया । यह संगोष्ठी शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, गुरुवायूर परिसर, त्रिशूर, केरला के द्वारा 10 और 11 मार्च 2017 को आयोजित किया गया ।

12. दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ''सीखने के लिए आकलन'' सत्र समन्वयक के रूप में काम किया । शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ द्वारा तिरुपति में 25 और 26 मार्च, 2017 को आयोजित किया गया ।

13. यू.जी.सी. आयोजित एक सप्ताह प्रशिक्षण कार्यक्रम, ''उन्नत अनुसंधान कार्यप्रणाली'' में भाग लिया । 4 से 10 अप्रैल-2016 को संकाय शिक्षा, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, संकाय विकास कार्यक्रम के तहत इसका आयोजन किया गया ।

14. संकाय केलिए स्कूल इंटर्नशिप पर अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया । शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के द्वारा 8.7.2016 को आयोजित किया गया ।

15. 24.11.32016 से 03.12.2016 तारीख को शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग (स्पोकन संस्कृत पर शिक्षक प्रशिक्षण शिविर) बि.एड. प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए समन्वयक के रूप में काम किया । यह शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के द्वारा आयोजित किया गया ।

डा. ए. सुनीता

1. 25 और 26 मार्च 2017 को शिक्षा विभाग राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के द्वारा ''सीखने के लिए आकलन'' पर संगोष्ठी आयोजित किया गया । यू.जी.सी. प्रायोजित दो दिवसीय संगोष्ठी में ''प्राथमिक चिकित्सा आयाम स्टारस्का'' नामक प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

2. उन्नत अनुसंधान पर संकाय के लिए एक सप्ताह प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित संकाय विकास कार्यक्रम और संकाय शिक्षा, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के द्वारा 4.4.2016 से 10.4.2016 को आयोजित किया गया ।

3. संकाय के लिए स्कूल इंटर्नशिप पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लिया । 8.7.2016 को शिक्षाविभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के के द्वारा आयोजित किया गया ।

4. ''अध्ययन के लिए आकलन'' पर यूजीसी प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए समन्वयक के रूप में काम किया । यह 25 मार्च 2017 को शिक्षा विभाग राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के द्वारा आयोजित किया गया ।

5. ''सतत और व्यापक पर संकाय के लिए एक सप्ताह की कार्यशाला में भाग लिया । शिक्षा संकाय, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के द्वारा संकाय विकास कार्यक्रम के तहत 19 से 25 सितंबर 2016 को आयोजित किया गया ।

6. शिक्षा शास्त्रि (बि.एड.) के छात्रों के लिए 7 से 14 2017 को शिक्षा यात्रा के लिए अनुरक्षण के रूप में काम किया ।

7. यूनिट 7 (गर्ल्स) केलिए एन.एस.एस. शिविर गुरवय्यगारिपल्लि, चन्द्रगिरि मंडल, चित्तूर जिला, 15 से 21 मार्च, 2017 को आयोजित किया गया ।

डॉ. टि. लता मंगेश

1. ''वैष्णव भक्ति साहित्य : जीवन मूल्य'' पर 6 और 7 फरवरी 2017 को राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेकर अपना प्रपत्र ''राम भक्ति साहित्य'' पर प्रस्तुत किया । यह संगोष्ठी एस.वी. ओरिएंटल कॉलेज तिरुपति, तिरुमलतिरुपतिदेवस्थान के द्वारा प्रायोजित और अयोध्या अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित किया गया ।

2. दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ''भारतीय भाषा सम्मेलन'' पर 15 और 16 अक्टूबर 2016 को साहित्य और शिक्षा संस्कृत उत्थान न्यास, नई दिल्ली के द्वारा आयोजित किया गया । इस में भाग लेकर ''भारतीय भाषा अनुवाद की समस्या'' पर एक प्रपत्र को प्रस्तुत किया ।

डॉ. सी. गिरिकुमार

1. उन्नत अनुसंधान कार्यप्रणाली पर एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया । यह 4 से 10 अप्रैल, 2016 को संकाय शिक्षा, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के द्वारा आयोजित किया गया ।
2. पी.ई.सी.ई.टी. 2016 के लिए 18.6.2016 से 23.6.2016 को आचार्य नागार्जुना विश्वविद्यालय, गुँटूर में आयोजित प्रवेश परीक्षा के लिए वे परीक्षक के रूप में काम किया ।
3. 8 जुलाई, 2016 को स्कूल इंटर्नशिप के अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया । शिक्षा संकाय, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के द्वारा आयोजित किया गया ।
4. 29.12.2016 से 2.1.2017 को अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय बॉल बैडमिंटन (पुरुष) टूर्नामेंट के प्रबंधक के रूप में कार्य किया । एस.आर.एम. विश्वविद्यालय, चेन्नै के द्वारा आयोजित किया गया ।
5. दक्षिण जोन अंतर विश्वविद्यालय क्रिकेट (पुरुष) टूर्नामेंट 2016 के लिए प्रबंधक के रूप में काम किया । हिन्दुस्थान विश्वविद्यालय, चेन्नई में 02.01.2017 से 11.01.2017 को आयोजित किया गया ।
6. 2016-17 दक्षिण जोन अंतर विश्वविद्यालय खो-खो (पुरुष) टूर्नामेंट के लिए प्रबंधक के रूप में काम किया । 08.01.2017 से 13.01.2017 को मैंगलूर विश्वविद्यालय, मैंगलूर में आयोजित किया गया।
7. यू.जी.सी. प्रायोजित द्वि दिवसीय संगोष्ठी 22 से 23 मार्च 2017 को ''महिला साधिकारिता के लिए खेलों में महलिाओं की भागीदारी'' में भाग लेकर प्रपत्र को प्रस्तुत किया । यह शारीरिक शिक्षा विभाग, श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय, तिरुपति के द्वारा आयोजित किया गया ।

डा. पी.टी.जी. रंगरामानुजाचार्युलु

देवादाय शाखा विभाग, राज्य सर्कार में आयोजित प्रशासन (एस.आई.टी.एस.) ताडेपल्ली गुंटूर 14.12.2016 और 15.12.2016 के द्वारा आयोजित ''भागवद् उपकारालु - तत् प्रयोजनम'' पर कार्यशाला में भाग लेकर एक संसाधक व्यक्ति के रूप में काम किया ।

डा. ओ.जी.पी. कल्याण शास्त्री

1. जयंती महोत्सव के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया । विजयवाडा में हेच.हेच. श्री जयेन्द्र सरस्वती के जन्म दिन के संबंध में ''द्वितीय हेत्वाभासालक्षणम'' पर अपना प्रपत्र को समर्पित किया ।
2. श्री दत्ता विजेंदर सरस्वती स्वामीजी के 13 वें चातुर्मास्य सभा, मैसूर में भाग लेकर और ''द्वितीयाहेत्वाभासलक्षणे विशिष्टांतर्गतत्वाकल्पविचारह'' पर वाक्यार्थ किया ।
3. ''वर्तमान समाज में शास्त्रों का संबंध'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया । यह संगोष्ठी संस्कृत सप्ताह, आर.एस. विद्यापीठ, तिरुपति के द्वारा आयोजित किया गया और न्यायशास्त्रस्या संगणक क्षेत्रे उपयोगिता'' पर प्रपत्र को समर्पित किया ।

4. वे श्री ज्ञानानंदनाथ वाक्यार्थ सभा, चेन्नै में भाग लेकर ''ईश्वरनुमान'' पर प्रपत्र को प्रस्तुत किया ।

5. राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के द्वारा ''न्यायरक्षामनी और क्रोधपत्रास'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस में भाग लेकर ''संतप्रतिपक्षाकुल्या'' पर अपना प्रपत्र को समर्पित किया ।

6. शताब्दी समारोह के सिलसिल में आयोजित विद्वान सभा में भाग लिया । यह एम.एम. मद्दुलपल्लि माणिक्य शास्त्री, विजयवाडा के द्वारा आयोजित किया गया । सिद्धांत लक्षण - संगमेश्वरीयम पर वाक्यार्थ किया ।

7. श्री शृंगेरी शारदापीठ सपरिकराद्वैत वेदांत सभा, भद्राचलम में भाग लेकर सिद्धांत लक्षणे प्रतियोगिता धार्मिकोभयभावघटित कल्पः''

8. श्री कांची कामकोटी श्री जगद्गुरु श्री शंकराचार्य चतुश्शास्त्र विद्वत् सभा विजयवाडा में भाग लेकर विशेष विशिष्टांतर्गतित्वम पर व्याक्यार्थ किया ।

9. राष्ट्रीय संगोष्ठी ''पदवृत्तिविचारः'' पर न्याय विभाग, आर.एस. संस्थान, गुरुवायूर परिसर, केरल द्वारा आयोजित किया गया । इस में भाग लेकर ''नव्यन्यायानये वृत्तिस्वरूपविमर्शः'' पर प्रपत्र को प्रस्तुत किया ।

IV . विशेष कार्यक्रम

(अ) संस्कृत सप्ताह समारोह (16 अगस्त से 22 अगस्त 2016 तक) -

हर साल की तरह राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ में संस्कृत सप्ताह का आयोजन दिनां 16 अगस्त से 22 अगस्त 2016 तक किया गया । संस्कृत सप्ताह के संदर्भ में विभिन्न कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । 16 अगस्त 2016 को संस्कृत सप्ताह कार्यवाही का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया गया । प्रोफेसर राधाकांत ठाकुर ने सभा का स्वागत किया । प्रोफेसर एम.एल.एन. मूर्ति, कुलपति ने इस समारोह के अध्यक्ष बने । आचार्य के.ई. देवनाथन, श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय के कुलपति इस समारोह के मुख्य अतिथि थे । डा. सी. रंगनाथन समन्वयक ने, संस्कृत सप्ताह समारोह में आयोजित विभिन्न काय्रक्रमों और प्रतियोगिताओं के लिए एक संक्षिप्त परिचय दिया । संस्कृत सप्ताह के संबंध में निम्न लिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया ।

- राष्ट्रीय संगोष्ठी, संस्कृत शास्त्रों की प्रासंगिकता ।
- कविता गोष्ठी
- विद्यापीठ के छात्रों के लिए साहित्यिक और सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ
- शास्त्रार्थ सभा
- रस संध्या
- अन्य संस्थानों के छात्रों के लिए प्रतियोगियाएँ

राष्ट्रीय संगोष्ठी

संस्कृत सप्ताह के संबंध में 17 आगस्त 2016 को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । ''वर्तमान समाज में संस्कृति शास्त्र का अनुमोदन'' पर लगभग 30 संकाय सदस्यों ने भाग लिया और कैसे उनके प्राचीन व्यंजनों, व्याकरण, ज्योतिष्य, मीमांसा, न्याया, वेदांता आदि में प्राचीन शास्त्रों के विचार प्रस्तुत करते हैं । इस पर विचार व्यक्ति किया । कुल चार सत्र आयोजित किए गए थे और प्रतिभागियों को अपने विचारों को आगे बढाने में काफी समय था ।

कविता गोष्ठी

विद्यापीठ के कर्मचारी और छात्रों ने रमारंजन मुखर्जी सभागार में 18 अगस्त 2016 को कवितागोष्ठी के लिए इकट्टे हुए । इस कविता गोष्ठी में 20 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया । उन्होंने दर्शकों को अपनी कविता द्वारा मंत्रमुग्ध किया ।

विद्यापीठ छात्रों के लिए प्रतियोगिताएँ

संस्कृत सप्ताह समारोह, वकृत्व और गायन प्रतियोगिताओं के संबंध में दिनांक 19 अगस्त 2016 को आयोजित किए गये थे । सभी स्तरों के छात्र अर्थात प्राक-शास्त्री स्तर से लेकर विद्यावारधी स्तर तक बहुत उत्साह के साथ इस प्रतियोगिताओं में भाग लिए ।

वाक्यार्थ सभा

दिनांक 20 अगस्त 2016 को संस्कृत सप्ताह समारोह के उपलक्ष्य में एक पारंपरिक व्याख्यार्थ सभा का आयोजन किया गया । इस सभा का मुख्य उद्देश्य विद्यापीठ के संस्कृत छात्रों को पारंपरिक तरीके मे वादविवाद की सीस देना । निम्नांकित संकाय सदस्यों ने निम्न विषयों पर अपना वक्तृत्व को प्रस्तुत किया ।

प्रो. राणी सदाशिव मूर्ति	-	साहित्य
डा. मुरलीधर राव	-	न्याय
डा. टि.एस.आर.नारायणन	-	मीमांसा
श्री यशस्वी	-	व्याकरण

विद्यापीठ के बाहर के छात्रो के लिए प्रतियोगितायाँ -

दिनांक 21 अगस्त 2016 को बाहरी विविध संस्थानों के छात्रों के लिए श्लोक सस्वर वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । प्रतियोगित को पाँच स्तरों में विभानित किया और शैक्षिक तदनुसार है । स्तरों और शीर्षिकें निम्न प्रकार है ।

स्तर	शीर्षिक
प्राथमिक से चौथी कक्षा	मधुराष्टकम
पाँचवी-सात्वीं कक्षाएँ	संक्षेप रामायण (1 से 20 श्लोक)
कक्षाएँ आठवीं से दसवीं	संक्षेप रामायण (1 से 20 श्लोक)
छात्र	स्नातकोत्तर पुस्तक 1 से 25 रामायण

विविध संस्थानों से भारी संख्या में छात्रों ने भाग लिया । उपर्युक्त प्रतियोगिता में 20 संस्थानों से 200 छात्रो ने भाग लिया ।

समापन समारोह

दिनांक 22 अगस्त 2016 को संस्कृत सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया । संस्कृत सप्ताह के संदर्भ में डॉ. सि.रंगनाथन, समन्वयक, और डॉ भरत भूषण रथ और डॉ ओ.जी.पि.कल्याण शास्त्री अतिरिक्त समन्वयकों ने आयोजित विभिन्न कार्यक्रमो का एक संक्षेप प्रतिवेदन प्रस्तुत किया । प्रतिष्ठित संस्कृत विद्वान डॉ. रंगनाथ को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया । प्रो.एम.एल.एन.मूर्ति, कुलपति जी ने समारोह के अध्यक्ष थे । आयोजित विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए ।

आ) मातृभाषा दिवस (21 फरवरी 2017)

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति ने राष्ट्र की मातृभाषाओं और संस्कृतियों की बढावा देने के लिए प्रतिष्ठित रूप में मातृभाषा दिवस का आयोजन किया । इस संबंध में कई प्रतियोगिताओं का आयोजन विभिन्न भाषाओं में किया गया था । मानव संसाधन विकास मंत्रालय., नई दिल्ली भारत द्वारा दिनांकित 2 फरवरी 2017 प्राप्त पत्र के अनुसार इस कार्य को विद्यापीठ के सक्रिय साहित्यिक परिषदों में से एक माने जाने वाली वाग्वर्धिनी परिषद को आयोजित करने की जिम्मेदारी सोंपा गया था । समन्वयक डॉ. सी. रंगनाथन और अतिरिक्त समन्वयक डॉ. भरत भूषण रथ, एवं ओ.जी.पि.कल्याणशास्त्री ने बहुत ही अच्छे ढंग से कार्यक्रम का आयोजन किया । परिषद ने विद्यापीठ के सभी छात्रों के लिए उनकी अपनी संबंधित मातृभाषाओं में दो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया वे हैं - भाषण प्रतियोगिता और गायन प्रतियोगिता। उनकी अपनी संबंधित मातृभाषाओं में आयोजित प्रतियोगिताओं में प्राक शास्त्री (इंटरमीडियटस्तर) से विद्यावारिधि (पी.एच.डी स्तर) तक 100 छात्रों ने भाग लिया । देश के विभिन्न भागों से ग्यारह अलग अलग भाषाओं में प्रतियोगिताएँ आयोजित किए गए थे । भाषाएँ थी - 1. बेंगली 2. हिंदी 3. कन्नड 4. मराठी 5. मलयालम 6. मैथिील 7. ओडिया 8. साताली ओलचिकी 9. भोजपुरी 10. तमिल 11. तेलुगु.

भाषण प्रतियोगिता -

सत्र : 1 - महिला सुविधा केंद्र - 1

भाषण प्रतियोगिता का आयोजन 16 फरवरी 2017 को हुआ था । यह दो स्थानों में आयोजित किया गया था। अर्थात - महिला सुविधा केंद्र - 1 और महिला सुविधा केंद्र - 2 में हिंदी, बेंगाली, भोजपुरी, ओडिया, सांतली ओलिचिकी, मैथिली और बेंगाली भाषाओं में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । यह बडे संख्या में उपस्थित छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच शाम के 4.30 बजे हुआ था । इन भाषाओं के 26 छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया था । भाषाविशेषज्ञों को इस प्रतियोगिता आयोजन के लिए निर्णायकों के रूप में आमंत्रि किया गया ।

गायन प्रतियोगिता

विभिन्न भारतीय भाषाओं में 17.2.2017 को गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी । यह शाम के 4.30 बजे मे महिला सुविधा -1 में आयोजित की गई थी । इस कार्यक्रम में 40 छात्रों ने विभिन्न भाषाओं में गीत गाये। डॉ. जे.बी. चक्रवर्ती और डॉ. परमिता पंडा को निर्णयकों के रूप में आमंत्रित किया गया । प्रतिभागियों ने गायन स्पर्धा में गीतों को गाकर दर्शकों को अपने शानदान प्रदर्शन के साथ रोमांचित किया।

मातृभाषा समारोह दिवस -

21 फरवरी, 2017 मातृभाषा दिवस 3.30 एक भव्य समारोह में पद्मश्री रमारांजन मुखर्जी सभागार में मनाया गया । इस समारोह का मुख्य अतिथि प्रो. एम.नरेन्द्र, आंग्ल विभाग, श्रीवेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति में एक उल्लेखनीय भाषा विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया है । इस समारोह के अध्यक्ष प्रो. वि.मुरलीधर शर्मा, माननीय कुलपति राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ ने हमारी मातृभाषा के महत्वपूर्ण मूल्यों पर प्रकाश डाला ।

डॉ सी.रंगनाथन, समन्वयक ने स्वागत भाषण दिया । डॉ. भरत भूषण रथ, अतिरिक्त समन्वयक ने समारोह की संचालन किया । विभिन्न प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित किए गए । डॉ. ओ.जी.पी.कल्याण शास्त्री ने धन्यवाद भाषण दिया ।

(इ) आजादी - 70

भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति ने आजादी - 70 के उपलक्ष्य में 70 वी स्वतंत्रता दिवस की स्मृति में अनेक गतिविधियों का आयोजन किया। विद्यापीठ के लोगों में देशभक्ति को बढावा देने, हजारों स्वतंत्रता सेनानियों और देश वासियों के बलिदान पर प्राप्त स्वतंत्रता पर भक्ति एवं सम्मान की भावना को बनाए रखने की कोशिश की गई ।

तदनुसार संस्था द्वारा कार्यप्रणाली तैयार की गई थी और निम्नलिखित विद्यापीठ के सदस्यों को विभिन्न गतिविधियों का संचालन करने का निर्देश दिए गए थे ।

प्रो.राधाकांत ठाकुर, शैक्षिक संकाय प्रमुख	सामान्य समन्वयक
प्रो.रानी सदाशिव मूर्ति	सांस्कृति समन्वयक
डॉ.सी.रंगनाथन	वाग्वर्धिनी परिषद समन्वयक
डॉ. एस.दक्षिणा मूर्ति शर्मा	एन एस एस समन्यक पी आर ओ

फलस्वरूप, आजादी - 70 के उपलक्ष्य में दो सप्ताह की अवधि के दौरान विभिन्न शैक्षणिक, सह पाठ्यक्रम और अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियों को आयोजित किया गया । शैक्षिक गतिविधियों के तहत विद्यापीठ के साहित्यिक परिषद वाग्वर्धिनी द्वारा डॉ. रंगनाथन, समन्वयक और डॉ. भरत भूषण रथ और डॉ. ओ.जी.पी.कल्याण शास्त्री अतिरिक्त समन्वयकों की देख रेख में आयोजित किया गया ।

सांस्कृतिक गतिविधियों को कला परिषद के समन्वयक प्रो.रानी सदाशिव मूर्ति एवं अतिरिक्त समन्वयिका डॉ. लीना चंद्रा के देख रेख में आयोजित किए गए थे । डॉ. एस.दक्षिणा मूर्ति शर्मा, एन एस एस समन्वयक और विभिन्न इकाइयों के देखरेख में अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियों का आयोजन किया गया ।

स्वतन्त्रता दिवस समारोह

विद्यापीठ में 15 अगस्त 2016 सुबह 8:15 को स्वतंत्रता दिवस मनाया गया इस कार्यक्रम मे कुलपति प्रभारी महोदय प्रो.एम.एल.एन.मूर्ति जी राष्ट्रीय ध्वज फहराये और तिरंगा झंडा के बारे में उन के महत्व को बहुत

सरल भावन देते हुए भारत देश के विविध स्वतंत्र नेतावों के बारे में भी कहा गया वैसे ही संस्कृत स्कोलरस की और कुछ महनत करने के लिए भी कहा गया हैं ।

इस समारोह मे प्रो.सि.उमाशंकर, रिजीस्ट्रार, प्रो.आर.के.ठाकूर, डीन अकादमिक मामलों, विविध अध्यापक डीन, अध्यापक महोदयों, गैर शिक्षण स्टाफ और छात्रों-छात्रावों ने भाग लिया गया है ।

साहित्यिक प्रतियोगिताएँ

भाषण प्रतियोगिता

स्थान - पद्मश्री रमारंजन मुखर्जी सभागार

आजादी - 70 के उपलक्ष्य में वाग्वर्धिनी परिषद ने भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया । प्रतियोगिता का विषय था 'स्वाधीनता संग्राम'। सभी स्तरों के छात्रों ने अर्थात् प्राकशास्त्री - शोध छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और स्वतंत्रता आंदोलन के प्रति अपने दृष्टिकोण को व्यक्त किया । इस प्रतियोगिता के निर्णायक ते डॉ. ज्ञानरंजन पण्डा, सहायक आचार्य, साहित्य विभाग और डॉ. ए.सच्चिदानंद मूर्ति, सहायक आचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग ।

निबंध लेखन प्रतियोगिता

स्थान - पद्मश्री रमारंजन मुखर्जी सभागार।

आजादी 70 - के संबंध में वाग्वर्धिनी परिषद द्वारा निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय था 'स्वाधीनता संग्राम में देशभक्तों का योगदान। ' बडे उत्साह के साथ छात्रों ने निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया और दिए गए विषय पर अपने विचार और राय को व्यक्त किया ।

सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धायें -

आजादी 70 - पखवाडे के उपलक्ष्य में विद्यापीठ के कलापरिषद ने विभिन्न प्रतियोगताओं का आयोजन किया। विभिन्न स्तरों छात्रों ने बडे उत्साह के साथ भाग लिया। निम्नलिखित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगित ।

मौन अभिनय, एक पात्राभिनय, नृत्य प्रतियोगिता ।

रक्त दान शिबिर

एन एस एस के इकाइयों के सहयोग से विद्यापीठ के शोध छात्रों ने 19.08.2016 रक्त दान शिबिर का आयोजन किया। शिबिर का उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो.एम.एल.एन.मूर्तिजी ने किया । इस अवसर पर कुलपति ने रक्तदान की महत्व और यह किस प्रकार जीवन बचा सकता है उसके बारे में बताया । लगभग 80 छात्रा और विद्यापीठ के सदस्यों ने इस रक्त दान शिबिर में भाग लिए । और 60 इकाई रक्त जमा किया गया ।

राष्ट्रीय गान का सस्वर वाचन :

भारत सरकार के आदेशों के अनुसार, 23 अगस्त को सभी छात्र और कर्मचारी विद्यापीठ के प्रशासनिक भवन के पास 10.55 इकट्ठे हो कर, ठीक 11.00 बजे को प्रत्येक व्यक्ति ने राष्ट्रगान गाया था । माननीय कुलपति प्रो. एम.एल.एन. मूर्ति ने संभा को संबोधित किया और सभी को इस गतिविधि के संचालन के पीछे सरकार के उद्देश्य पर प्रकाश डाला और हजारों देशवासियों के अनगिनत बलिदान पर जोर दिया और देश एवं समाज के प्रति उत्तर दायी होने के लिए प्रेरित किया । आजादी - 70 के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार विजेताओं को इस अवसर पर पुरस्कार और प्रमाणपत्र वितरित किए गए ।

पुरस्कार विजेताओं की सूची

छात्र का नाम	पुरस्कार
भाषण प्रतियोगिता	
1. हेमंत कौशिक	प्रथम
2. एस. तिरुमल रेड्डी	द्वितीय
3. किरण भट्ट	तृतीय
4. जी. विद्यासुधा	सांत्वना
निबंध लेखन प्रतियोगिता	
1. जी. विद्यासुधा	प्रथम
2. हेमंत कौशिक	द्वितीय
3. जाधव निवृत्ति	द्वितीय
4. एस. तिरुमल रेड्डी	तृतीय
5. मुकेश कुमार	सांत्वना
6. सिद्धार्थ पण्डा	सांत्वना
देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिता	
1. पुपुन दास	प्रथम
2. साईश्वरी सारंगी	द्वितीय
3. अनन्या नाथ	तृतीय
4. वीना आर्या	सांत्वना

छात्र का नाम	पुरस्कार
नृत्य प्रतियोगिता	
1. पल्लविनी महाराना	प्रथम
2. साईश्वरी सारंगी	द्वितीय
3. नोवाल्जीन महाराना	तृतीय
मौन अभिनय	
1. जाधव निवृत्ति	प्रथम
2. मीनाक्षी बेहरा	द्वितीय
3. रतनलाल पुरोहित	तृतीय
एक पात्राभिनय	
1. जाधव निवृत्ति	प्रथम
2. रतनलाल पुरोहित	द्वितीय

ई) हिंदी दिवस - 2016-17

हिंदी दिवस 14.9.2016 को मनाया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि तिरुपति एन.सी.सी. के कमाँडर के.वी. विठ्ठलजी थे । उन्होंने हिंदी भाषा की महानता का उजागर किया और दैनिक दीवन में हिंदी भाषा के महत्व को समझाया । प्रो. आर.के. ठाकुरजी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में हिंदी की महत्व पर प्रकाश डाला । साहित्य और संस्कृति के संकाय प्रमुख, प्रो. सीएच.पी. सत्यनारायण जी ने विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए कुछ सुझाव दिए। हिंदी विभाग के सहायक आचार्या डॉ. टी. लतामंगेश इस समारोह की संयोजिका थी । उन्होंने सभा का स्वागत तथा धन्यवाद किया था । इस अवसर पर छात्रों, शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों के लिए हिंदी भाषण, नाटक, निबंध, गायन जैसे विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । सम्माननियों द्वारा सभी विजेता ओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरिति किए गए ।

उ) गणतन्त्र दिवस -

विद्यापीठ में 26.01.2017 सुबह 8.15 को गणतंत्र दिवस मनाया गया है । इस समारोह में उपकुलपति महोदय प्रो. वि.मुरलीधर शर्मा, राष्ट्रीय ध्वज को फहराया और प्रो.आर.एल.नरसिंह शास्त्री, अकादमिक मामलों का डिन, विविद अध्यापक डिन, प्रो.सि.उमाशंकर, रिजिस्ट्रार, अध्यापक गण, गैर शिक्षण स्टाफ और छात्र-छात्रावों ने इस सभा में भाग लिया गया ।

ऊ) अम्बेडकर जयंती समारोह

भारतीय संविधान के जनक डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 125 वीं वर्ष गांठ को 14.4.2016 राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ में मनाया गया । इस कार्यक्रम को रा.सं.वि. के रमारंजन मुखर्जी सभागार में मनाया गया । प्रो. हरेकृष्ण शतपथी मुख्य अतिथि थे । प्रो. वी. चंद्रय्या, पुस्तकालय विज्ञान के आचार्य, श्रीवेंकटेश्वर विश्वविद्यालय के सम्माननीय अतिथि थे । प्रो. सी. उमाशंकर समारोह में विशेष आमंत्रित के रूप में उपस्थित थे । प्रो. राधाकांत ठाकुर, शैक्षिक संकाय प्रमुख समारोह के अध्यक्ष थे । डॉ. डी. नल्लन्ना समारोह के समन्वयक थे । इस अवसर पर प्रो. शतपथी ने कहा कि डॉ. बी.आर. अम्बेडकार न केवल हमारे संविधान के निर्माता थे बल्कि एक महान दार्शनिक थे । प्रो. चंद्रय्या ने श्रोताओं को हिंदू कूट विधेयक लाने के लिए डॉ. बी.आर. अम्बेड़कर द्वारा किए गए महान प्रायासों को याद दिलाया । प्रो. सी. उमाशंकर ने डॉ. अम्बेडकर के जीवन के कई घटनाओं को बताया जो अपने व्यक्तिगत और दृष्टिकोण को आकार देता है । प्रो. ठाकुर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में हर एक को डॉ. बी.आर. अम्बेडकर द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण करने का सलाह दिया । इस अवसर पर निबंध लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई और समारोह में पुरस्कारों को वितरित किया गया ।

ए) 11 वीं अखिल भारत संस्कृत छात्रों का निश्नात परीक्षा

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ ने अपने परिसर में दिनांक 30 जनवरी से 2 फरवरी, 2017 तक बहुत ही उत्साह के साथ 11 वीं. अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा समारोह का आयोजन किया । देश के विभिन्न भागों के संस्कृत छात्रों के बुद्धि का परीक्षण और विविध शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की प्रदर्शन के लिए एक मंच प्रदान करने

के महान विचार है । इस वर्ष समारोह में सभी कोनों से 22 संस्कृत संस्थानों से 275 से अधिक छात्रों की भागदारी इस बात की बडी गवाही है । गौतमी विद्यापीठ, राजमंद्री के पूर्व प्रिंसपल, महामहोपाध्याय और राष्ट्रपति उपाधि से सम्मानित प्रो. विश्वनाथ गोपालकृष्ण शास्त्री जी ने महोत्सव का उद्घाटन किया और एस.वी. वेदिक विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. के.ई. देवनाथन सम्माननीय अतिथि थे । विद्यापीठ के परिसर में दिनांक 30 जनवरी के सुबह 10.00 बजे एस.बी. रघुनाथाचार्य मुक्ताकाश सभागार में उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया । प्रो. आर.एल.एन. शास्त्री, शैक्षिक संकाय प्रमुख ने गणमान्य अतिथियों, छात्रों एवं और उनके मार्गदर्शकों का स्वागत किया । डॉ. सी. रंगनाथन संचालक थे । मुख्य अतिथि और सम्माननीय अतिथि ने प्रतिभागियों से पंरपरागता ग्रंथों का अध्ययन करने के लिए तथा नए सिरे से संस्कृत के प्रति इच्छा जताने के लिए और संस्कृत के प्रचार में अपने जीवन को समर्पित करने का प्रेरक संदेश दिया । डॉ. भरत भूषण रथ, वाग्वर्धिनी परिषद के अतिरिक्त समन्वयक ने धन्यवाद भाषण दिया और राष्ट्रगान के साथ उद्घाटन कार्यक्रम समाप्त किया ।

प्रतिभागी संस्थायाँ :

1. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, वेदव्यास परिसर, कांग्र, हिमाचल प्रदेश
2. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर, पुरी, ओडिशा
3. ब्रह्मश्री संस्कृत महाविद्यालय, गुजरात
4. रामकृष्ण मिशन, विवेकानंद विश्वविद्यालयः, पश्चिम बेंगाल
5. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर, भोपाल।
6. श्री सूर्यपुर संस्कृत महाविदद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात
7. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, एकलव्य परिसर, अगर्तला, त्रिपुरा
8. राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, आंध्रप्रदेश
9. गवर्नमेंट संस्कृत कलाशाला, त्रिपुनुतुरा
10. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, राजीव गाँधी परिसर, शृंगेरी, कर्नाटक
11. आर.एस.मुण्डेले धर्मपीठ आर्टस् कलाशाला, नागपुर
12. श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्रप्रदेश
13. एस.एम.एस.पी. संस्कृत स्नातक स्नातकोत्तर अध्ययन केन्द्रम, उडुपी, कर्नाटक
14. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, लखनउ परिसर, लखनउ।
15. श्री लाल बहादूर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
16. श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वति विश्व महाविद्यालय, एनत्तुर, काँचीपुरम्, तमिलनाडु
17. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, मुम्बई परिसर, मुम्बई
18. श्री अहोबिल मठ संस्कृत कॉलेज, मधुरान्तकम
19. पूर्णप्रज्ञा विद्यापीठ, बंगलूरु, कर्नाटक
20. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, गुरवायुर परिसर, गुरवायुर
21. सावित्रिबाई पूळे पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
22. कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विद्यालय, रामटेक, महाराष्ट्रा

उद्घाटन के बाद, 30 जनवरी के दोपहर में अंत्याक्षरी प्रतियोगिता आयोजित की गई थी । लगभग 40 छात्रों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिए ।और यह 3 घंटे से अधिक समय तक चला । अंतिम दो प्रतिद्वदियों के बीच पिछले आधे घंटे तक मौखिक द्वद्व हुआ अंततः उनमें से एक को विजेता माना । शाम को दो संस्कृतिक कार्यक्रम - गायन और मौन अभिनय का आयोजन किया गया - 20 प्रतियोगियों ने गायन प्रतियोगिता में भाग लिया । प्रो. पी.एन. शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान और प्रो. हृदय रंजन शर्मा, पूर्व विभागाध्यक्ष, वेद विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय विशेष आमंत्रित थे । और उन्होंने प्रतिभागियों द्वारा महान संस्कृत गीतों का आनंद लिया । इस अवसर पर आमंत्रित अतिथियों का भी सम्मान किया गया । मौन अभिनय प्रतिस्पर्धा में प्रतिभागियों ने विभिन्न ऐतिहासिक भूमिका निभाते हुए दर्शकों को पूरी तरह से मनोरंजन किया ।

दिनांक 31 जनवरी के सुबह सत्र में वेद, साहित्य, ज्योतिष और मीमांसा में भाषण प्रतियोगिता हुई थी । छात्रों ने उत्साह के साथ भाग लिया और उनके वक्तृत्व कौशल का प्रदर्शन किया । निर्णायकों ने विद्यार्थियों की प्रावीणता का परीक्षण करने के लिए संबंधित विषयों में बहुत कठिन सवाल दिए । कुछ लोगों ने जवाब दिया बाकी ने प्रश्नों को सुनकर हताश रह गये । दोपहर के सत्र में न्याया, पुराणेतिहास, व्याकरण और सांख्य योग पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । शाम का समय एक पात्राभिनय प्रतियोगिता के लिए था । इस कार्यक्रम में 15 दलों ने भाग लिया । और ऐतिहासिक से लेकर समकालीन सामाजिक घटनाओं का प्रदर्शन ने दर्शकों को अपने जगहों से हिलने नहीं दिया । यह घटना रात के निचले घंटे तक जारी रही ।

दिनांक 1 फरवरी को वेदांत और धर्मशास्त्र पर भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । तदनंतर समस्यापूर्ति जिस में प्रश्न और पहेली प्रतिभागियों को दी गई थी और उन्हे काव्यात्मक रूप में हल करना था । क्विज प्रतियोगिता दोपहर में आयोजित की गई थी और सात दलों के प्रारंभिक परीक्षा के अनंतर कार्यक्रम में भाग लिए । सात दलों के प्रारंभिक परीक्षा के अनंतर कार्यक्रम में भाग लिया । शास्त्रों और पुराणों से खेल और संगीत तक विभिन्न विषयों के प्रश्न विद्यार्थियों की योग्यता का परीक्षण किया अगला कार्यक्रम लोकनृत्य का था और छात्रों ने बडे उत्साह के साथ भाग लिया । इस कार्यक्रम में विभिन्न नृत्य शैलियों का प्रदर्शन किया गया और कुछ अनूह्या प्रदर्शनों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर डाला । कुल मिलाकर 13 शैक्षिक और 4 सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ।

दिनांक 2 फरवरी, सुबह ग्यारह बजे समापन समारोह का आरंभ किया गया । राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के कुलाधिपति पद्मभूषण श्री एन. गोपालस्वामीजी इस समारोह के मुथ्य अतिथि थे । इस अवसर पर उन्होंने संस्कृत के सभी लोगों को सामूहिक रूप से संस्कृत के प्रचार के लिए बुलावा दिया । उन्होंने देश के विविध पुस्तकालयों और रिपोसिटोरिस में दुर्लभ पांडुलिपियों की मुर्दित रूप में लाने की आवश्यकता पर जोर दिया । कुलपति प्रो. वी. मुरलीधर शर्माजी ने इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों के सभी विजेताओं को बधाई दी । उन्होंने छात्रों की सराहना की। इस अवसर पर पाणिनी व्याकरणोधरणाकोशाः - तद्धित प्रकरणम् का लोकार्पण माननीय कुलाधिपति श्री एन. गोपालस्वामी द्वारा किया गया । इस पुस्तक को राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति और फ्रेंच संस्थान पुदुच्चेरी द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित की गई थी ।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पदक, नकद पुरस्कार और प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया । प्रतियोगिताओं में अधिकतम संख्या में भाग लेनेवाली संस्था को ''रोलिंग शील्ड'' दिया गया और ग्यारह वीं अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा समारोह 2017 के रोलिंग शील्ड जीतनेवाला संस्था - राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति था । डॉ. ओ.जी.पी. कल्याण शास्त्री वाग्वर्धिनी परिषद के अतिरिक्त समन्वयक ने धन्यवाद भाषण दिया । और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम को समाप्त किया गया ।

11 वीं. अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा महोत्सव के संबंध में विद्यापीठ के परिसर में पुस्तक प्रदर्शनी एवं बिक्री आयोजित की गई थी । विद्यापीठ द्वारा प्रकाशित की गई सभी प्रकाशनों को 40% (प्रतिशत) की एक विशेष छूट दी गई थी । इसके अलावा तिरुपति वासियों के लिए संस्कृत विज्ञान प्रदर्शनी और वर्णक्रमानुसार गैलरी भी प्रदर्शित की गई थी । संस्कृत-विज्ञान प्रदर्शनी द्वारा प्राचीन शास्त्रों में विविध विभिन्न वैज्ञानिक तथ्यों की जानकारी दी गयी । भौतिकी, भूविज्ञान, जोमोलजी, रसायन, विज्ञान, ज्योतिष्य जैसे विभिन्न विषयों के बारे में प्रदर्शनी थी जो काफी जानकारी दे रही थी । और तिरुपति के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों ने प्रदर्शनी में भाग लिया । वर्णनुक्रमिक गैलरी में भारतीय उपमहाद्वीप में विभिन्न लिपियों का क्रमिक विकास प्रदर्शनी ने सभी छात्रों को आकर्षित किया ।

ऐ) विद्यापीठ का बीसवें दीक्षांत समारोह :-

विद्यापीठ का बीसवें दीक्षांत समारोह दिनांक 20 फरवरी 2017 को आयोजित किया गया । माननीय न्यायामूर्ति श्री बी.एन. श्रीकृष्णा मुख्य अतिथि थे और राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के माननीय कुलाधिपति श्री एन. गोपालस्वामी, आई.ए.एस. (सेवानिवृत्त) पूर्वप्रमुख चुनाव आयोग, भारतीय चुनाव आयोग, नई दिल्ली समारोह की अध्यक्षता की और संस्कृत के विशिष्ट गणमान्य विद्वनों को प्रतिष्ठित उपाधियों से सम्मानित किया गया । निम्नलिखित विद्वानों ने प्रतिष्ठित उपाधियों को प्राप्त किया :-

महामहोपाध्याय : पंडित श्री जगन्नाथ शास्त्री तेलंग, ब्रह्मश्री डॉ. चिंतलपाटि पूर्णानंद शास्त्री, ब्रह्मश्री नल्लगोंडा पुरुषोत्तम शर्मा

वाचस्पति : ब्रह्मश्री सामवेदं वेंकट षण्मुख शर्मा, डॉ. चंद किरण सलूजा

समारोह के मुख्य अतिथि माननीय न्यायाधीश श्री बी.एन. शास्त्री ने अपने दीक्षांत भाषण में शिक्षा को हिंसा, घृणा से मुक्त करने पर जोर दिया । ''विद्या ददाति विनयं'' प्रसिद्ध शुभाशित से उन्होंने नम्रता के महत्व को दोहराया। जितना विद्यार्थियों के लिए अध्ययन महत्वपूर्ण है उतना ही समान महत्वपूर्ण शिक्षकों के लिए भी है । जो शिक्षक सीखने में समृद्ध, संस्कृति के अवतार, अच्छे स्वभाव, ईमानदार होता है वह छात्रों के शुभचिंतक माना जाता है । उन्होंने आशा व्यक्त किया कि विद्यापीठ एक ऐसी संस्था है जहाँ आदर्श शिक्षक एवं आदर्श छात्र रहते हैं ।

अपने अध्यक्षीय भाषण में विद्यापीठ के कुलाधिपति श्री एन. गोपालस्वामी, आई.ए.एस. (सेवानिवृत्त) ने विद्यापीठ द्वारा किया गया समझौता ज्ञापन के साथ भारतीय भाषाओं का केंद्रीय संस्थान (सी.आई.आई.एल.) मैसूर के भारतावनी परियोजना के योगदान विभिन्न कार्यक्रमों का स्मरण किया ।

प्रायः विद्यापीठ के कुलपति प्रो. वी. मुरलीधर शर्माजी ने सभा का स्वागत किया और विद्यापीठ की उपलब्धियों को उजागर किया । इस अवसर पर विभिन्न पाठ्यक्रमों के निम्न छात्रों ने सम्मानित उपाधि प्राप्त की।

क्रम सं.	पाठ्यक्रम/कक्षा	छात्रसंख्या		कुल
		नियमित	दूरविद्या	
1.	पीएच.डी. विद्यावारिधि	48	-	48
2.	एम.फिल. संस्कृत	67	-	67
3.	एम.फिल. शिक्षा शास्त्र	09	-	09
4.	आचार्य (सेमिष्टर एम.ए.)	184	199	383
5.	एम.एससी.	06	-	06
7.	एम.ए. हिंदी	07	-	07
8.	एम.ए.आई.एम.टी.	04	-	04
9.	शास्त्री (बी.ए.)	128	23	151
10.	बी.एससी.	15	-	15
11.	शास्त्री वेदभाष्यम	09	-	09

क) वार्षिक समारोह :-

दिनांक 24 फरवरी 2017 को विद्यापीठ का वार्षिक दिवस समारोह आयोजित किया गया । श्री मुक्तेश्वरराव, आई.ए.एस. (सेवानिवृत्त) परियोजना अधिकारी, ति.ति.दे. मुख्य अतिथि थे । कुलपति प्रो. वी. मुरलीधर शर्माजी समारोह कि अध्यक्षता की । इस अवसर पर श्री मुक्तेश्वरराव जी ने प्राचीन संस्कृत विद्या के संरक्षण के लिए तिरुमल तिरुपति देवस्थानों की विभिन्न गतिविधियों में विद्यापीठ के संकायों की अधिक सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता को बताया । अपने अध्यक्षीय भाषण में कुलपति ने अपने पुराने दोस्त श्री मुक्तेश्वर जी का स्वागत किया । उन्होंने विद्यापीठ के छात्रों से को प्राप्त सर्वोत्तम अवसरों को अपने उत्कृष्ट अध्ययन में बनाए रखने के लिए कहा । इस अवसर पर वार्षिक साहित्यिक प्रतियोगिताएँ, विजेताओं को प्रमाण पत्र, पुरस्कार, पदक और चैम्पियनशिप दिए गए । तदनंतर छात्रों द्वारा गायन, नृत्य, नाटक, मौन अभिनय और अन्य सांस्कगृतिक प्रदर्शन प्रदर्शित किए गए ।

इस अवसर पर राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के प्रो. राणी सदाशिव मूर्ति जी, साहित्य विभाग को राल्लबंडि कविता प्रसाद की तेलुगु पुस्तक ओंटरी पूलबुट्ट संस्कृत को अनुवाद के लिए प्राप्त केंद्रीय साहित्य अकादमी पुरस्कार के लिए सम्मानित किया गया ।

आगम परंपरा को बनाए रखने और बढावा देने के रूप में विद्यापीठ आगम पंडितों को वर्ष में एक बार सम्मानित करता है । बहुत ही उदारता के साथ एक निधि को शुरू किया गया । श्री आकेल्ल विश्वेश्वरा और मीरा. आकेल्ल, जगन्नाथन और ललिता, डॉ. रोम्पिचेर्ल श्रीनिवासाचार्युलु और प्रसन्नलक्ष्मी, पैडा श्रीनिवास वाणी और शारदा एवं संयुक्त राज्य अमेरिका से एन.वी. श्रीनिवास राव ने दान दिया था । कॉर्पस निधि से अर्जित ब्याज द्वारा हर साल वैखानस, पांचरात्र, शैव, वैदिक स्मार्त आगम पंडितों को सम्मानित किया जाता है । प्रो. विष्णुभट्टाचार्युलु इसके संयोजक हैं । वर्ष 2016-17 के लिए निम्नलिखित आगम पंडितों को वार्षिक दिवस के अवसर पर सम्मानित किया।

यु.ए.के. सुंदरवरधन, वैखानस आगम पंडित

चिलकपाटि तिरुमलाचार्युलु, पांचरात्र आगम पंडित

आइरावज्जल रामकृष्णशास्त्री, वैदिक स्मार्तागम पंडित

ख) छात्रावास दिवस समारोह

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ का छात्रावास दिवस 25 फरवरी, 2017 को आयोजित किया गया । आई.आई.टी., तिरुपति के निर्देशक, प्रो. के.एन. सत्यनारायण इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे जब कि कुलपति प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा ने इस समारोह की अध्यक्षता किया । इस अवसर पर प्रो. सी. उमाशंकर, कुलसचिव एवं छात्रावास के वार्डन, प्रो. सीएच.पी. सत्यनारायण जी अतिरिक्त वार्डन तथा सभी छात्रावास के डिप्यूटी वार्डन भी उपस्थित थे । प्रो. के.एन. सत्यनारायण ने अपने वक्तव्य में विद्यापीठ के आवश्यक प्रगतिशील गतिविधियों में आई.आई.टी., तिरुपति का समर्थन आश्वासन दिया । प्रो. वी. मुरलीधर शर्मा जी ने अपने भाषण में विद्यापीठ के विभिन्न गतिविधियों को बताने हुए समय के अनुसार बने रहने के लिए कहा । छात्रावास के छात्रों के लिए आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक एवं खेल प्रतियोगिताओं के पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए । तदनंतर विद्यापीठ के सभी कर्मचारी और छात्रों के लिए रात्रि भोज का आयोजन किया गया । छात्रावास के छात्रों ने दर्शकों को उत्साहित करने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया ।

ग) गणमान्य अतिथियों का ब्योरा :-

दिनांक 20 मई 2016, माननीय प्रो. रामकृष्ण कथरिया, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने विद्यीपठ का दौरा किया ।

दिनांक 15.9.2016 आई.आई.टी. निर्देशक प्रो. के.एन. सत्यनारायण जी विद्यापीठ का दौरा किया ।

दिनांक 23 जनवरी, 2017 को राजभाषा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रारय, भारत सरकार, नई दिल्ली से श्री गजराज सिंह ने राजभाषा के कार्यान्वयन संबंध में विद्यापीठ का दौरा किया ।

घ) अन्नदानम परियोजना :

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के पुराने छात्र एवं शिक्षक संघ वालों ने यह निर्णय लिया कि देश के कोने-कोने से अध्ययन हेतु आए गरीब एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को विद्यापीठ के छात्रावासों में मुफ्त रूप से खाना देना। इससे उनकी पढाई के लिए मन चिंता मुक्त रहेगा। इसके अतिरिक्त रखरखाव के लिए अन्य आवर्ती अनुदान रु. 50 लाख है । करीब 1781 छात्र विद्यापीठ में देश के अलग-अलग इलाके से आए रहते हैं। तकरीबन 1472 छात्र विद्यापीठ के हॉस्टलों में रहकर इस मुफ्त खाने का उपयोग लेंगे। इस संघ के विद्वानों, प्रोफेसरों, प्राचार्यों, शिक्षकों एवं

अधिकारियों आदि आकर अन्नदानम् परियोजना व्यवस्था में बडे उदार मन से चावल और रूपये देने का निर्णय लिए हैं।

साथ ही तिरुमल देवस्थानम, तिरुपति ने 15 लाख रूपये का दान किया है। यह आवर्ती अनुदान बच्चों को कम खर्चे में बोजन देने के लिए दिया गया है। इस कम खर्चे का भोजन का उद्घाटन दिनांक 29 जुलाई, 2008 को माननीय कुलाधिपति जी ने किया है।

ङ) स्वामी शिवानंद छात्रवृत्ति वितरण समारोह (दिनांक 5 सितंबर, 2016)

शिक्षक दिवस के अवसर पर दिनांक 5 सितंबर, 2016 को स्वामी शिवानंद छात्रवृत्ति वितरण समारोह का आयोजन राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति ने किया था। राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के प्रभारी कुलपति प्रो. एम.एल.एन. मूर्ति जी समारोह के मुख्य अतिथि थे। प्रो. सी. उमाशंकर, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के कुलसचिव सम्माननीय अतिथि थे और प्रो. राधाकांत ठाकुर, शैक्षिक संकाय प्रमुख समारोह के अध्यक्ष थे। प्रो. रजनीकांत शुक्ल, शिक्षाशास्त्र के संकाय प्रमुख और प्रो. सीएच.पी. सत्यनारायण, साहित्य और संस्कृति के संकाय प्रमुख को भी समारोह की शोभा बढाने के लिए आमंत्रित किया गया। डॉ. भरत भूषण रथ, समन्वयक ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया। गणमान्य अतिथियों ने छात्रों को पुरस्कार वितरित किए।

छात्रवृत्ति की चयन प्रक्रिया :-

कुलपती जी ने आचार्य प्रथम वर्ष और आचार्य (एम.ए.), द्वितीय वर्ष से प्रतिष्ठित छात्रवृत्ति के लिए छात्रों की चयन प्रक्रिया के लिए एक समिति गठित को किया। राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के शैक्षिक संकाय प्रमुख के कार्यालय में दिनांक 30 जून, 2016 को शाम के 4 बजे समिति के सदस्यों की बैठक हुई। सदस्यों ने आचार्य प्रथम वर्ष से 10 छात्रों को और द्वितीय वर्ष से 10 छात्रों को (कुल मिलाकर 20 छात्र) छात्रवृत्ति पाने के योग्य माना। चयन प्रक्रिया विद्यापीठ के वार्षिक परीक्षा में प्राप्त श्रेणी सूची के आधार पर था। प्रथम श्रेणी छात्र ही छात्रवृत्ति योग्य है। साहित्य, व्याकरण, वेदभाष्य, अद्वैतवेदांत, विशिष्टाद्वैत वेदांत, द्वैतवेदांत, पुराणेतिहास, न्याय और धर्मशास्त्र जैसे विभिन्न शास्त्रों से सदस्यों ने छात्रों को चुना।

आचार्य प्रथम वर्ष

क्र.सं.	छात्रों का नाम	रोल नं.	विभाग	अंक
1.	किरण शंकर भट्ट	15050033	साहित्य	917/1000
2.	सुकान्त परमानिक	15050080	व्याकरण	800/1000
3.	गिरिजा शंकर पात्रो	15050135	अद्वैतवेदान्त	841/1000
4.	प्रदीप कुमार वी.	15050097	द्वैतवेदान्त	892/1000
5.	शिबशंकर होता	15050179	वेदभाष्यम	859/1000
6	वीरेन्द्र कुमार वी.	15050102	मीमांस	817/1000
7.	सुचिस्मिता पालेटि	15050128	धर्मशास्त्र	864/1000
8.	प्रियांका प्रधान	15050167	पुराणेतिहास	831/1000
9.	ए.आर.वी. नागेन्द्र कुमार	15050006	साहित्य	905/1000
10.	जशोबंटि मेहर	15050078	व्याकरण	710/1000

आचार्य द्वितीय वर्ष

क्र.सं.	छात्रों का नाम	रोल नं.	विभाग	अंक
1.	एम. रेवती सुप्रजा	14050037	साहित्य	1714/2000
2.	रजिता ए.	14050089	व्याकरण	1708/2000
3.	सरिता ए.	14050091	व्याकरण	1708/2000
4.	सोम मोण्डल	14050106	अद्वैत वेदान्त	1618/2000
5.	देबाशिश पौल	14050107	विशिष्टाद्वैत वेदांत	1550/2000
6.	दुर्गा शरण रथ	14050196	वेदभाष्यम	1713/2000
7.	रोजी दाश	14050129	धर्मशास्त्र	1766/2000
8.	सुभलक्ष्मि पण्डा	14050139	धर्मशास्त्र	1766/2000
9.	अच्युत मिश्रा	14050166	पुरानेतिहास	1731/2000
10.	परमि साई फणेंद्र	14050099	न्याय	1421/2000

प्रत्येक छात्र ने रु. 5000/- राशी को चेक के रूप में दिनांक 5 सितंबर 2015 को स्वामी शिवानंदा स्मारक समारोह पर पुरस्कार रूप में प्राप्त किया ।

च) सतर्कता जागरूकता सप्ताह :-

दिनांक 31.10.2016 से 5.11.2016 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया और प्रशासनिक कर्मचारियों से सुबह 11.00 बजे प्रभारी कुलपति प्रो. एम.एल.एन. मूर्तिजी द्वारा प्रतिज्ञा करवाया गया । सभी शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने भाग लिया । ''अखंडता को बढ़ा वादेने और भ्रष्टाचार उन्मूलन में सार्वजनिक भागीदारी'' पर एक सप्ताह तक कार्यक्रम को आयोजन किया गया । प्रो. आर.के. ठाकुर, कार्यक्रम के समन्वयक थे ।

V. परियोजनाएँ

अ. पारंपरिक शास्त्रार्थ विषय के संबंध में उत्कृष्टता केंद्र

प्रस्तावना -

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, अपने आप में एक अलग पहचान रखता हैं। इस संस्था का मूल उद्देश्य देश में अच्छे व्यक्तित्व और अच्छे नागरिकों को निर्माण करना तथा शास्त्र-संस्कृति ते उनको ज्ञानार्जन करवाना साथ ही साथ उसका विकास करवाना है। यह संस्कृत भाषा सभी को एकता में जोडनेवाली एक मजबूत कडी है। इसलिए इसकी राष्ट्रीय संस्कृति चारों तरफ छलकती है।

विद्यापीठ की स्थापना आंध्रप्रेदश तिरुपति में भगवान श्री वेंकटेश्वर के छत्र छाया में सन 1961 में शिक्षा विभाग, भारत सरकार द्वारा की गयी थी। सन् 1987 में विद्यापीठ को भारत सरकार ने संस्कृत प्रचार प्रसार हेतु संपूर्ण रूप से मानित विश्वविद्यालय के नाम पर घोषित कर दिया था। विद्यापीठ ने निम्नलिखित प्रमुख गतिविधियों को शुरू किया है-

1. संस्कृतभाषा और साहित्य, शास्त्रों के शिक्षण
2. अनुसंधान और प्रकाशन
3. नवाचारी परियोजनाएँ
4. संग्रह और पांडुलिपियों का संरक्षण
5. विस्तार कार्यकलापों

उत्कृष्टता केंद्र के संबंध में -

सन् 2002 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग- नई दिल्ली ने विद्यापीठ में पारंपरिक शास्त्रों के अंतर्गत संस्कृत भाषा का अध्ययन-अध्यापन एवं प्रचार-प्रसार हेतु उत्कृष्टा केंद्र की अनुमति दी गई थी। इसके संबंध में ३ करोड मंजूर की गई और उसके अंतर्गत शास्त्रार्थ संबंध में कई परियोजनायाँ का आरंभ राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ में किया गया है।

उत्कृष्टता केंद्र के अंतर्गत कई परियोजनाएँ चलाई जा रही हैं, वे सभी काफी महत्वपूर्ण कार्यों में अपना काम जारी रखे हुये हैं। इस योजना के अंतर्गत 13 कार्यक्रमों को लागू किया गया। यह कार्यक्रम तेजी से लुप्त होती पारंपरिक संस्कृत सीखने को अतः पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से, तथा आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए संस्कृत शिक्षण/ अध्ययन प्रक्रिया पांडुलिपि उपकरण आदि बनाने के लिए किया गया है।

पारंपरिक शास्त्रार्थ विषय से संबंधित में उत्कृष्टता केंद्र

चरण - II

दूसरा और तीसरा हप्ता अगस्त 2007 में राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के उत्कृष्टता केंद्र के पारंपरिक शास्त्रों संबंध में जांच- पडताल समिति ने निरीक्षण कर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को सूचित करते ही वह उत्कृष्टता केंद्र के

अंतर्गत ग्यारह वी योजना में 3.00 करोड रुपये की मंजूरी दी है। इस परियोजना की कार्य-सूची निम्न है। संबंधित पत्र संख्या 18/2002 (एन.एस./पी.ई) दिनांक 8 अक्तूबर, 2008.

प्राप्त परियोजना

1. शास्त्रवारिधि
2. प्रकाशन
3. आडियो और विडियो प्रलेखीकरण
4. आडियो - विडियो रिकार्ड केंद्र का निर्माण
5. लिपि विकास प्रदर्शिनी
6. प्राचीन पांडुलिपि अध्ययन के ईलेक्ट्रानिक साधन
7. संस्कृत स्वयं अध्ययन कीट्स
8. प्रलेखीकरण अर्टफ्याक्ट्स
9. पांडुलिपियों का डिजिटिलैजेशन
10. योग, दबाव प्रबंध एवं हेलिंग केंद्र
11. संगोष्ठीयाँ/कार्यशालाएँ
12. कंप्यूटर विज्ञान और संस्कृत भाषा तकनालजी में स्नातकोत्तर सेतु पाठ्यक्रम

योजना के निर्णय

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा इस योजना संबंधित विद्यापीठ के कुलपति जी ने समस्त संकाय प्रमुखों, विभाग के अध्यक्षों, अधिकारियों, संयोजनाधिकारियों और अन्य उत्कृष्टता केंद्र से संबंधितों को कुलपति जी के अध्यक्षता में सह-समिति बैठक बुलाया गया था। माननीय कुलपति जी ने सभी सदस्यों को सराहते हुए वित्तीय वर्ष के तदत सभी प्राध्यापकों को परियोजना के लिए प्रस्ताव रख कर मंजूरी लेने के लिए बताया। उसके लिए एक एक्शन योजना भी उन्होंने तैयार की है।

आ. उत्कलपीठ :

रिपोर्ट के तहत वर्ष के लिए उत्कल पीठ द्वारा निम्न लिखित अनुसंधान गतिविधियों का आयोजन किया गया। अपने उद्देश्यों के अनुसरण में

1. उत्कल दिवस अप्रैल 2016 को उडीसा चेयर द्वारा मनाया गया ।
2. श्री जगन्नाथ महाप्रभु का रथ यात्रा माननीय प्रभारी कुलपति प्रो. एम.एल.एन. मूर्ति ने त्योहार का उद्घाटन किया।
3. सबदिसाई का संग्रहा और जगन्नाथ चित्रकल्प को प्रकाशित करने के लिए प्रेस को किताबें भेजा गया ।
4. भगवान जगन्नाथ और उनकी द्वादश यात्रा के लिए विशेष पुस्तक की तैयारी प्रकाशन के लिए की जा रही है।

इ. सॉप (विशेष सहायक कार्यक्रम)

विद्यापीठ यु.जी.सी. सॉप के तहत तीन विभागों के लिए युजीसी समर्थन प्राप्त करने का अनुठा गौख प्राप्त हुआ है । वे साहित्य विभाग, शिक्षा विभाग और दर्शन विभाग है ।

(i) साहित्य विभाग :

दिनांक 1.4.2013 से 31.3.2018 की पाँच साल की अविधि के लिए डी.आर.एस. द्वितीय के लिए डी.आर.एस. (साहित्य) के उन्नयन को मंजूरी दी है । ''भरत के समय से संस्कृत काव्यशास्त्र में तकनीकी शब्दों के विश्वकोश'' । डी.आर.एस. द्वितीय सॉप है । रु. 31 लाख तथा दो प्रोजेक्ट फैलोस को दिया गया था । प्रो. सी. ललिताराणी समन्वयक और डा. के. राजगोपालन सह समन्वयक हैं ।

(ii) शिक्षा विभाग :

यु.जी.सी. विशेष सहायता काय्रक्रम (डी.आर.एस. 1) 2009-2014 यु.जी.सी. ने शिक्षा विभाग को विशेष सहायता कार्यक्रम के तहत रु. 29.50 लाख तथा दो प्रोजेक्ट फेलोस को दिया गया । शिक्षा विभाग अपने कार्य, शैक्षिक उपलब्धि और व्यवहार्य क्षमता के आधार पर सॉप की मंजूरी दी गयी । अनुसंधान के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए शिक्षण एवं अनुसंधान का एक संयोजन कार्य है । यह यु.जी.सी. द्वारा शिक्षा विभाग को विशेष सहायता पाँच साल की अवधि के लिए है । इस कार्यक्रम के तहत ''भाषा के विकास और सामग्री उत्पादन'' है । **यु.जी.सी. विशेष सहायता कार्यक्रम (डी.आर.एस. 2) 20015-2020** यु.जी.सी.अपनी विशेष सहायता कार्यक्रम डी.आर.एस. द्वितीय के तहत विद्यीपठ के शिक्षा विभाग को रु. 97.50 लाख मंजूर किया गया । शिक्षा विभाग विकास के लिए अपने कार्य, शैक्षणिक उपलब्धि और व्यवहार्य क्षमता के आधार पर सॉप को मंजूर किया गया । शिक्षा विभाग को यह पाँच साल की अवधि के लिए किया गया । प्रो. वि.मुरलीधरशर्मा समन्वयक और प्रो.प्रह्लाद आर.जोशी सह समन्वयक हैं । आचार्य वि. मुरलीधर शर्मा, कुलपति और समिति निधि उपयोग से संतृष्ट थी, निधियों का अधिक उपयोग करने के कारण निधि उपयोग के विवरण के साथ दूसरे किस्त के निधि के लिए प्रमाण पत्र सौंपा गया था ।

(iii) दर्शन विभाग :

प्रतिष्ठित विशेष सहायता कार्यक्रम राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के दर्शन विभाग की मंजूरी विश्व विद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दी गई । गंगेश उपाध्याय की तत्व चिंतामणि पर टिप्पणियाँ और उपटीकाओं का महत्वपूर्ण सर्वेक्षण'' परियोजना शीर्षक है । प्रो. ओ.श्रीरामलाल शर्मा समन्वयक और प्रो. पी.टी.जी.वाई. संपतकुमाराचार्युलु सह समन्वयक हैं । कार्य संतोष जनक है ।

ई . योगी नारेयणी परियोजना :

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति ने योगी नारेयणी दर्शन परियोजना को योगी नारेयणा दार्शनिक कार्यों को संस्कृत, हिंदी और तेलुगु भाषाओं में अनुवाद को गोकुल एजुकेशनल फाउंडेशन, कैवारं, कर्नाटक के समझौता के

साथ परियोजना को शुरू किया गया । प्रो. टी.वी. राघवाचार्युलु समन्वयक है । कार्य प्रगति के लिए परियोजना अध्येता की नियुक्ति के लिए आवश्यक कदम लिया गया । दिनांक 16.12.2015 को रु. 4.68 लाख (तिमाही) की परियोजना को शुरु करने के लिए प्राप्त किया गया ।

उ . योगीनारेयणी परियोजना

योगी नारेयेणी परियोजना को एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर करने के साथ विद्यापीठ में स्थापित किया गया था । तीन भाषाओं में योगी नारेयनी, काइवर, कर्नाटक के दार्शनिक कार्यों का अनुवाद अर्थात् गोकुल शिक्षा फाउंडेशन, काईवारा के साथ अंग्रेजी, संस्कृत और हिन्दी । निम्न लिखित कर्मचारियों परियोजना फेलो के रूप में काम कर रहे हैं। डी. गुरु सुब्रमण्यम, डा. एस. पांडुरंगा विट्ठल और डा. के. वसुमती ।

श्री टी. श्री तेजा कंप्यूटर ऑपरेटर और पी. दुर्गा देव सिंह परियोजना चलाने में सहायक कर्मचारी के रूप में काम कर रहे हैं । 2.5.2015 विद्यापीठ में परियोजना चलाने के लिए समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी । कईवारा में बैठकों की समीक्षा में परियोजना कर्मचारियों ने भाग लिया और वे योगीनारेयेणी पर एक संक्षिप्तिका को प्रस्तुत किया।

वर्तमान स्थिति - 2016-17 में श्री भगवद रामानुज के लिए सहसंबंधी समारोह का स्मरण करते हुए, योगी नारेयणी के साथ भागवत रामानुज के दार्शनिक कार्यों का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है । काइवरा (जी.ई.एफ.) में 12.3.2017 को काम का नतीजा को प्रस्तुत किया जा रहा है ।

ऊ . ई-पी.जी. पाठशाला

व्याकरण शास्त्र के लिए ई-पी.जी. पाठशाला परियोजना को यू.जी.सी. के द्वारा एल.आर.सं.एफ. 1-9/2013 (ई-सामग्री) दिनांक 28.11.2014 को व्याकरण विभाग, आर.एसं. विद्यापीठ और 12 लाख रूपये की राशि मंजूर की गई और 1.08 करोज रुपये जारी किए गये । परियोजना 21.01.2015 को शुरु किया गया था । आचार्य एस.एस. मूर्ति को प्रधान अन्वेषक, प्रो. आर.एल.एन. शास्त्री और प्रोफेसर जे रामकृष्ण सह - प्रधान जाँच कर्ता थे । श्री के.वै. हर्षवर्षन कुमार और आर. चिन्न मल्लेश नायक के परियोजना फेलो और सहायक के रूप में चयन किया गया था ।

646 मॉड्यूल में से 534 आडियो विजुअल स्वयं सीख मॉड्यूल पूरा हो चुका । अखिल भारतीयों के प्रतिष्ठित व्याकरण शिक्षक को पढने, संपादन और समीक्षा के लिए आमंत्रित किया गया है । परियोजना का परियोजना कार्य के रूप में समीक्षा बैठक आयोजित किया गया । दो कार्यशालाएँ एक 24 और 25 जनवरी 2015 को और 3 और 4 जून 2016 को आयोजित किया गया है । परियोजना का काम पूरा हो गया दिसंबर, 2016 निर्धारित अवधि के भीतर यूजीसी को प्रस्तुत किया गया । यूजीसी ने आर.एस. विद्यापीठ सदस्यों की सराहना की । अंततः ई-पीजी.पाठशाला खाते में बिना खर्च की राशि रु. 6,35,878/- का है ।

यू.जी.सी. ने 23.12.2016 को उप समिति की अपनी 28 वीं बैठक में परियोजना विकास को घोषणा की है। परियोजना के लिए 31.3.2017 तक पी.जी. पाठ्यक्रम ई-सामग्री विकास का उत्पादन विषयों और ई-पी.जी. पाठशाला ई-सामग्री को एम.ओ.ओ.सी.एस. में फिर से करना है ।

इ . कैरियर कौंसिलिंग सेल

यू.जी.सी. दिशानिर्देशों के अनुसार कैरियर काउंसिलिंग सेल शैक्षणिक गतिविधियों के साथ साथ आर.एस. विद्यापीठ, तिरुपति में कार्य कर रहा है । यह छात्रों का समर्थन कर रहा है । संस्कृत को बोलने के विकास में, सॉफ्ट कौशल और संचार क्षमता को चुनौती देने की क्षमता, प्रतिस्पर्धी परीक्षणों की कठोरता, विभिन्न विषयों के साथ रुचि रखने वाले शिक्षकों की एक समूह ने छात्रों को प्रशिक्षित किया । छात्रों में इन कौशलों को प्रोत्साहित करना ।

आचार्य एस. सुदर्शन शर्मा निर्देश, आई.क्यू.ए.सी. और डीन, साहित्य एवं संस्कृति का उद्घाटन किया । यू.जी.सी प्रायोजित कैरियर द्वारा आयोजित गैर शिक्षण कर्मचारी के लिए स्पोकन संस्कृत, 29.06.2016 को काउंसिलंग सेल और अवसर पर एक बडमूल्य भाषण दिया । प्रख्यात विद्वान प्रो.राधाकांत ठाकुर डीन, अकादमिक ने गैर शिक्षण स्टाफ का स्वागत किया गैर शिक्षण कर्मचारियाँ के लिए संस्कृत भाषा की आवश्यकता पर अपना मूल्यवान भाषण दिया। यह कार्यक्रम 30 दिन तक जारी रहा । विद्यापीठ के सभी गैर शिक्षण कर्मचारी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे ।

आचार्य एम.एल.एन मूर्ति माननीय कुलपति ने संस्कृत छात्रों के लिए 27.11.2016 को व्यक्तित्व पर विशेष व्याख्यान दिए और 'भगवद्गीता के माध्यम से व्यक्तित्व विकास' पर भाषण दिया । डॉ अक्षय कुमार मिशाने संस्कृत विभाग के अध्यक्ष, डी.ए.सी कालेज, नैनोला, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय 'कैरियर विकास' पर पावर पाईंट प्रस्तुत की आचार्य सत्यनारायण, समन्वयक ने, कैरियर काउसिलिंग सेल भारत में वर्तमान संस्कृत शिक्षा प्रणाली के बारे में छात्रों को निर्देशित किया ।

ई . मॉडल कैरियर केन्द्र -

राष्ट्रीय कैरियर सेवा योजना के तहत आदर्श कैरियर केन्द्र की स्थापना राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में भारत सरकार, श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा हुआ था ।

मॉडेल कैरियर केंद्र की स्थापना के लिए प्रस्ताव राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति ए.पि, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा 2015 वर्ष में इस प्रस्ताव पर मंजूरी देदी और रुपये का बजट आंवटित किया । 15.17 लाख के लिए 60% की तीन किश्तों में दी जानेवाली अनुदान सहायता के रूप में एम सी सी की आधारभूत संरचना की स्थापना हुआ ।

गणित विभाग के डॉ. वि रमेश बाबू को एम सी सी के समन्वयक के रूप में नियुक्त किया गया था । जनवरी 2017 का महीना, एक युवा प्रोफेशनल, एम.एस पद्मावती तायारू मद्दिपल्ली को तैनात किया गया था मार्च 2017 में 3 अप्रैल 2017 को कार्य के लिए सूचना दी है ।

9.10 लाख रुपये की पहली किश्त को एम ओ एल ई और उपयोगिता प्रमाण पत्र राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ ने 12.38 लाख को भेजा था । एम ओ एल और ई से निरीक्षण दल 12 अक्टूबर 2017 को एमसीसी का दौरा किया और (टीम) समूह ने आदरणीय कुलपति आचार्य वि.मुरलीधर शर्मा जी के साथ चर्चा की । समिति निधि उपयोग पर संतुष्ट थी ।

वर्तमान में, एमसीसी के लिए सिविल और बिजली के कामकाजी दिशानिर्देशों के मुताक पूर्ण है । विभिन्न एमसीसी के गतिविधियों के लिए एम.ओ.एल. और ई द्वारा निर्धारित और केन्द्र अच्छी तरह सुसज्जित है । वर्तमान में नौकरी चाहने वालों का पंजीकरण केन्द्र में एनसीएस पोर्टल पर किया जा रहा है । इसलिए पोर्टल पर 200 से अधिक उम्मीदवार पंजीकृत किए गए है और लगभग 800 उम्मीदवारों का पंजीकृत किया जा रहा है । एमसीसी इस विश्वविद्यालय में संस्कृत के विभिन्न कोर्स के छात्रों के पंजीकरण के लिए सर्वोच्च स्थान देगा ।

एमसीसी अपने हित धारकों के लिए रोजगार और व्यवसाय से संबंधित सेवाओं को पूरा करेगा । मुख्य रूप से नौकरी पानेवाले परियोजना अपने सभी पंजीकृत करने के लिए राष्ट्रीय कैरियर सेवा पोर्टल का इस्तेमाल करती है । प्रमुख हितधारक नौकरी और नियोक्ता नौकरी पानेवाले नौकरियों के लिए आवेदन करने के लिए इस पोर्टल पर पंजीकृत करें और कैरियर की घटनाओं या नौकरी मेले में भाग लें । नियोक्ता इस पोर्टल और रिक्तियों के लिए पंजीकरण कर सकते हैं । सभी प्रकार के नियोक्ताओं, सार्वजनिक साथ ही निजी संस्थाओँ इस पोर्टल पर रजिस्टर कर सका है । वे नौकरी मेले के संचालन के लिए एमसीसी के लिए भी संपर्क कर सकते हैं ।

नियुक्ति ड्राइ्ब जब भी वे अपने लिए उम्मीदवार को किराए पर लेना चाहते हैं । एमसीसी के प्रचार के लिए स्थानीय और राष्ट्रीय पत्रों में एक समाचार वस्तु दी गई थी । प्रतिक्रिया क्षेत्र से 100 से अधिक उम्मीदवार पंजीकृत थे। बाँससीएसआर डिविजन ने प्रशिक्षण विद्यालय बुनियादी नौकरियों के कौशल में कॉलेज छोडने वालों और उन्हें प्रवेश स्तर में 100% नियुक्त देने के लिए संपर्क किया । कैसे 45 दिनों की अवधी के लिए 25 उम्मीदवारों के एक नैच के साथ दैनिक चलाएगा । एमसीसी उम्मीदवारों को जुटाएगा और बी ओ एस सी एच प्रशिक्षण कीटों के साथ समर्थन करेगा और इस केन्द्र में प्रशिक्षण पूरा करनेवाले उम्मीदवारों की नियुक्ति ।

एनसीएस पोर्टल, एनसीएस जागरूकता, कैरियर वार्ता । घटनाओं, प्लेसमेंट और नौकरी मेले समर्थन के साथ एमसीसी में किए जानेवाली गतिविधियाँ में हितधारकों के पंजीकरण हैं । बाँश भारत बुनियादी के सहयोग से नियमित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा जो एक अनोखी है और सि एमसीसी में एक मूल्य जोडे ; इस परियोजना के अंतर्गत अधिकांश एमसीसी में नहीं है ।

उ . प्रमुख अनुसंधान परियोजनाएँ

''श्रीमदांध्र भागवतमुलो मानवता विलुवलु'' नामक दो वर्षीय परियोजना को मंजूरी यूजीसी के द्वारा दी गई है । डॉ. नल्लन्ना प्रधान अन्वेषक हैं । 4,95,800 रुपयों का योगदान यूजीसी की ओर से प्राप्त हुआ । 3,57,500/- की राशी पहली किस्ते के रूप में जारी किया गया था । इस परियोजना के लिए आगे खर्च करने के लिए शेष राशि अनुदान की इंतजार कर रहे हैं ।

VI. आधारिक संरचना

अ. ग्रंथालय :

विद्यापीठ ग्रंथालय की मुर्दित पुस्तक संग्रह 1980 पुस्तकों जोडकर, 1,08,788 तक बढ़ गया। कुल पांडुलियों का संग्रह 8,035 शीर्षकों के साथ 3,930 तक बढ़ गया है । दिनांक 31.3.2017 के आँकडे के अनुसार एच मुलली शर्मा, शोधछात्र द्वारा डिजिटल के रूप में उपहार दिया गए 1 पांडुलिपि है। प्रो. वी.ए.स. विष्णुभट्टाचार्युलु, आगम विभाग के विभागाध्यक्ष, को 10 पांडुलिपियों (7 पाम पत्र पांडुलिपि, 3 पांडुलिपियों) को प्रात्प किया है ।ग्रंथालय हर साल 150 भारती पत्रिकाएँ और 5 विदेशी पत्रिकाओं की सदस्यता ले रही है । वर्ष के दौरान 24,870 पुस्तकों की लेन देन है ।

अब वि.अ.ए. इन्फ्लिब्नेट् कार्यक्रमों के सहारे यह विद्यापीठ का ग्रंथालय सारा गणकीकृत हो चुका है । अर्जन, क्याटलॉगींग और परिचालन अनुभाग सारा अपने - आप कार्य करता है । ओप्याक व्यवस्था को जनता के लिए रखा गया है। बारकोडिंग किताबों का कार्य सब समाप्त हो गया है ।

अलग-अलग विषयों के किताबें और पांडुलिपियाँ आदि सब ग्रंथालय में उपलब्ध हैं । वे निम्न हैं -

साहित्य, व्याकरण, श्रीमद्भगवद्गीता, वेदांत, अद्वैत वेदांत, विशिष्टाद्वैत वेदांत, द्वैत वेदांत, मीमांस, योग, साङ्ख्य, न्याय, वैशेषिक, उपनिषद, ज्योतिष, रामायण, महाभारत, भारतीय विज्ञान, गणितशास्त्र, कंप्यूटर विज्ञान, भारतीय धर्म, बुद्धीजम, जैनीजम्, अन्य धर्म वैदिक साहित्य, पुराण साहित्य, पाश्चात्य तत्त्वज्ञान, इन्डोलाजी, चरित्र, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, राजनीति शास्त्र, ग्रंथालय शास्त्र, आयुर्वेद, हिंदी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, तेलुगु साहित्य, कला और वास्तुशास्त्र, कानून्, अन्य विशेष (महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद, श्री अरबिंदो आदि) सम्मेलन और स्मरणोत्सव खण्ड, प्रचलित क्याटलॉग् में पांडुलिपियाँ उपस्थित हैं।

ग्रंथालय का उपयोग करनेवाले :

विश्वविद्यालय ग्रंथालय ने 1500 सदस्यों को बनाया है । हर बार ज्यादा से ज्यादा सदस्यों को यह ग्रंथालय बनाती है। कम- से - कम हर दिन पाँच सौ सदस्य - ग्रंथालय का उपयोग लेते हैं । और एक सौ लोग छुट्टियों में ।

आ. छात्रावास :

चार छात्रावास छात्रों के लिए और तीन छात्राओं के लिए बनाया गया है । एक छात्रावास शोध छात्रों के लिए निर्मित किया गया।

छात्रों के छात्रावासों के नाम - शेषाचल, वेदाचल और गरुडाचल आदि प्राक्-शास्त्री से विद्यावारिधी तक हैं । दो अलग-अलग भोजन शाला और एक जुडा हुआ पाक गृह है। उनमें उत्तर भारतीय एवं दक्षिण भारतीय भोजनों की सुविधा दी गई है । जिससे देश के अलग - अलग जगह से आए छात्र - छात्राओं को ज्यादा फायदा हो सके ।

नीलाचल छात्र वास नए भवन का नाम नीलाचल रखा गया है । इस में 150 छात्रों को रहने की सुविधा होगी।

'श्री पद्मावती महिला छात्रावास' लडकियों के लिए है । इसमें प्राक्-शास्त्री से विद्यावारिधी तक की लडकियाँ रहती हैं । अलग पाकगृह और भोजनशाला की सुविधा दी गयी है । यहाँ सुविधानुसार छात्रावास बनाने को सोचा जा रहा है ।

नये महिला छात्रावास को हाल ही में बनाकर आनेवाले छात्राओं को रहने की इंतजाम कर देने के लिए विद्यापीठ तैयार है । इसका खर्चा तकरीबन एक करोड रुपये तक आने की संभावना मानी जाती है । यहाँ कमसे कम 125 छात्राएँ रह सकती हैं।

सिंहाचल शोध छात्रावास - ग्यारहवें योजना के मुताबिक वि अ ए द्वारा शोध छात्रों के लिए स्वीकृती प्राप्त छात्रावास की निर्माण हो चुका है । यहाँ लगभग 125 छात्र रह सकते हैं ।

अतिथि गृह - इस वर्ष के दौरान अतिथि गृह में एक और मंजिल बनाया गया। लिफ्ट को भी व्यवस्थित किया गया।

वकुलाचल महिला छात्रावास :

वकुलाचला नाम से एक महिलाछात्रावास का निर्माण किया गया । जिस में २०० छात्र रह सकते हैं ।

इ. मन:शास्त्र प्रयोगालय :

इस मन:शास्त्र प्रयोगशाला को वैज्ञानिकता में छात्र प्रशिक्षणता को ध्यान में रखते हुए आई.ए.एस.ई. ने निर्माण किया है । यह शाला शिक्षा शास्त्री (बी.एड्.) और शिक्षाचार्य (एम्.एड्.) छात्रों को अत्यंत उपयोगी है ।

ई. बहु भाषा माध्यम प्रयोगालय :

यह बहु भाषा माध्यम प्रयोगालय संस्कृत और अंग्रेजी प्रशिक्षणार्थियों को सुविधाजनक है । 'संस्कृत भाषिका' नामक संस्कृत प्रक्रिया सामग्री फिलहाल तैयारी में है । इसे उच्चतर पर बनाने का विचार जारी है । इस प्रयोगशाला का उपयोग, भाषा सीखनेवालों, संस्कृत, सांस्कृतिक ज्ञानि आदियों को सुविधाजनक हों इसीलिए गणकीकृत बनाया जा रहा है ।

उ. वर्णानुसार गैलरी :

वर्णानुसार गैलरी (लिपि विकास प्रदर्शनी) का निर्माण 2003 में उत्कृष्टता परियोजना के अंतर्गत किया गया है । इस वर्णानुसार गैलरी को निर्माण करने का मकसद प्राचीन युग से वर्णों का विकास करना था । (3000 बी.सी.) अब प्रांतीय स्तर पर लिपि विकासित हो रही है । (9 वी सदी ए.डी.)

आरंभ से हिंद प्रांत के नागरिकों को भाषाई ज्ञान बडाने हेतु लिखना व पढाने के लिए आसान बनाने में डा. एस्.आर. राव जैसे ख्यात विज्ञानियों का योगदान है । प्रारंभ से हिंद लिपि का संबंध सेमेटिक लिपि से ही है । अवेस्तन और वैदिक संस्कृत भाषाएँ (फोनेटिक, सेमेटीक और व्याकरण) ऐसे बहुत सारे द्रवीडियन भाषाएँ (विद्वानों से परिचर्यात हैं) हरचानीगई ऋग्वेद के समय की कही जाती है।

ऐतिहासिक काल से हिंद लिखावट अच्छी मानी गई है । खासकर जो लिपि मुद्रित होती हैं । ये मुद्रित हिंद लिपियाँ महत्वपूर्ण हैं । उनमें लोथा नामक पाश्चात्य भारतीय शोधकर्ता ने 1950-1980 में काम किया है । यह गैलरी भी मुद्रित करने में महेजोदाडो (पाकिस्तान) और कालिबंगान (भारत) साथ ही साथ प्राचीन पूर्वी भारतीय हिस्सा, जैसे कीस्स और बरगा, डा. (सुमेर-ईराक), हिस्सार तथा बहरेन । हिंद के मुद्रित माडल वैली, मुद्रा, स्कुलाचर, ब्रोंचस आदि को लोग अपनी जीवन में अपनाने लगे । और संस्कृत इतिहास को सीखने लगे । आज-कल वेदिक कन्सेप्ट और अध्यात्मीक समय को कितना हम जानते हैं; यह सोच पर निर्भर हैं ।

ऊ. प्रसारित अंतर्जाल सुविधा :

विद्यापीठ ने अपने कर्मचारियों एवं छात्रों को अंतर्जाल की सुविधा बनाए रखी है । यह सुविधा विद्यापीठ में प्रसारित के (के.बी.पी.एस.) डिसनेट और (256 के.बी.पी.एस.) नेट में दी है ।

अंतर्जाल : यह सुविधा यहाँ के शहरी हिसाब से चलती है ।

ऋ. कंप्यूटर केंद्र :

विद्यापीठ में उपकरणों से सुसज्जित कंप्यूटर केंद्र है जो अधिक से अधिक छात्रों की आवश्यकता पूरी कर सकता है ।

1. दो पेपरों को प्राकशास्त्री के लिए अनिवार्य किया ।
2. शास्त्री में कम्प्यूटर अप्लिकेशन के लिए आठ पेपर ।
3. बीएससी में कम्प्यूटर विज्ञान के लिए आठ पेपर ।

4. एम एस सी में बारह पेपर (कम्प्यूटर विज्ञान और संस्कृत भाषा तकनीकी।
5. एम ए संस्कृत में 5 पेपर (शाब्दबोधा और संस्कृत भाषा तकनीकी)।

इसके अलावा विभाग युजीसी द्वारा अनुमोदित सांयकाल कक्षाएँ, जो करियर ओरियंटेड पाठ्यक्रम को भी चला रहा है ।

- डीटीपी कोर्स (प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, अड्वान्स डिप्लोमा)

- वेबतकनीकी कोर्स (प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, अड्वान्स डिप्लोमा)

इसके अलावा विभाग विश्वविद्यालय वेबतकनीकी, हार्डवेर, साफ्टवेर रखवावव तथा नेटवर्क की समस्याओं को हल करता है । वर्ष के दौरान वेबसैट को हिंदी अनुवाद भी कर रहा है ।

ए. कर्मचारी मकान :

विद्यापीठ ने दो टाईप - V मकान, एक टाइप - IV मकान, एक टाइप - III I मकान, एक टाइप-II मकान और दो टाइप- मकान 22 विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को निवास हेतु बनाया गया है ।

ऐ. बहुविध व्यायाम शाला :

छात्रों के शारीरिक तंदुरुस्ती हेतु इस बहुविध व्यायाम शाला का विद्यापीठ में निर्माण किया गया है ।

यह बहुविध व्यायाम शाला के 16 केंद्र है -

कुल्हामांसपेशि : यह केंद्र कुल्हा, मांसपेशि को भी दोबारा विकास करता है । **ऊँचा चरखीदार :** यह नाडी युक्त मांसपेशि का विकास करता है । ऊँचापन, खांसी मांसपेशि, बाहें, चौडी छाती, कंधों को सुधार ने में ऊँची चरखीदार मदद करता है । जितना चाहे उतना तोलकर अपने कंधे के सहारे उठा सकते हैं । **उदर संबंधी बेंच :** यह साधन उदर संबंधी है । उदर के सहारे व्यक्ति जितना हो सके, उतना ही बोझा उठा सकता है । **भोरमुल यंत्र :** यह यंत्र बहुत ही उपयुक्त है । एक बार शरीर में ताजी हवा लेने लगे तो शरीर बडा तंदुरुस्त लगने लगता है। बडते तनाव को **रोकना :** यह यंत्र शरीर के आगे और पीछे के हिस्से का विकास करवाता है । **मरोडना :** यह व्यायाम शरीर के मांसपेशियों में ताकत भरता है । एक तरह से पूरे शरीर को तोड-मरोड करवाता है । **बांहे, हृदयंगम छल्लेदार :** इस व्यायाम शरीर के घुटने, बाहें, हथेली, माथा, एल्बो आदि मांसों का विकास करने में मदद करता है। **पेक्क डेक्क :** यह तंदुरुस्त मांसोंवाला मनाता है । और मांस, हड्डी को विकास करवाता है। **छुबकीदार:** यह यंत्र के प्रकार से हुबकी लगाने जैसा होता है । इससे शरीर के अंग-अंग फूल उठता है । मांसों में भी विकास होता है । **पैर से दबाना :** यह दोनों पैरों से चलता है । घुटने और एडियों में ताकत भरने में मदद करता है । मांस में भी विकास करता है । **स्काऊट दबाव :** इसके सहारे घुटने की मांस एवं एडियों में जोर बरनेवाला होता है । **पुल्ल अप्स:** यह यंत्र अपनी तरफ ध्विंचने का होता है । यह बाहों, छाती आदि में चौडाई लाने में सफल करवाता है।

इस बहुविध व्यायाम शाला का फायदा विद्यापीठ के कर्मचारी एवं छात्र सभी डा. एम.आदिकेशवुलु नायुडु, प्रवाचक एवं अध्यक्ष, व्यायाम शिक्षा विभाग जी के निरीक्षण में ले सकते हैं ।

VII. स्थापना/प्रशासन

नियुक्तियाँ : -

पदोन्नति :

अध्यापकेतर गण - श्रीमति लीलावतम्म उच्चस्थर लिपिक पद से असिस्टेंट पद की पदोन्नती हुई और श्री के .बि.सुब्रह्मण्यम् को लिपक पद से उच्चस्थर लिपक पद की पदोन्नती हुई।

सेवा निवृत्तियाँ :

प्रो. एस.सत्यनारायण मूर्ति, प्रोफेसर, व्याकरण विभाग को दिनांक 30.06.2016 सेवानिवृत्त हुए ।

वर्ष के दौरान विद्यापीठ के अधिकारियों की बैठक :

1. प्रबंधन बोर्ड : 30.06.2016; 30.11.2016; 22.02.2017

2. वित्त समिति : -

3. विद्वत परिषद : 19.02.2017.